राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 26
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
गुरुवार 11 अगस्त 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 दिल्ली महिला आयोग ने उन्नाव बलात्कार पीड़िता के खिलाफ उन्नाव अदालत द्वारा गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी होने पर उसे कानूनी | पेज 5 बहराइच में सड़क हादसा, तेज रफ्तार डबल डेकर पलटी, आधा दर्जन से अधिक यात्री जख्मी | पेज 7 रूस के पास कम पड़े हथियार, यूक्रेन में युद्ध के लिए सीरिया के मंगा रहा सैन्य वाहन

पीएम मोदी ने किया 2जी एथेनॉल प्लांट का उद्घाटन

खिलाड़ियों की तरह अब हरियाणा के खेत भी एनर्जी पैदा करेंगे, किसानों की इनकम बढ़ेगी

पानीपत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पानीपत रिफाइनरी में बने सेकेंड जेनरेशन (2जी) एथेनॉल प्लांट का वर्चुअल तरीके से उद्घाटन किया। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की रिफाइनरी में 909 करोड़ रुपए से 35 एकड़ में बने प्लांट का उद्घाटन करने के बाद पीएम ने कहा कि आज का कार्यक्रम पानीपत और हरियाणा के साथ-साथ पूरे देश के किसानों के लिए बहुत अहम है।

पीएम ने कहा कि पानीपत का यह आधुनिक जैविक ईंधन प्लांट शुरुआत मात्र है। हरियाणा के प्लेयर खेल के मैदान में जो एनर्जी दिखाते हैं, वैसी ही एनर्जी अब हरियाणा के खेत भी पैदा करके दिखाएंगे। इस प्लांट से बिना जलाए भी पराली का निपटारा हो पाएगा। पराली जलाने से धरती को जो नुकसान होता था, अब वह भी नहीं होगा।

इस प्लांट से पानीपत की टैक्सटाइल इंडस्ट्री और हरियाणा के किसानों को सीधा फायदा होगा। अभी तक धान कटाई के बाद किसानों द्वारा जलाई जाने वाली पराली की वजह से पूरे इलाके में पॉल्यूशन बढ़ जाता है और इसकी वजह से पानीपत की टैक्सटाइल इंड्रस्टी बंद करनी पड़ती है। इसकी वजह से हर साल 10 हजार करोड़ का नुकसान होता है। किसानों पर पराली जलाने के लिए केस भी दर्ज होते थे।

अब इस प्लांट के बनने से इंडस्ट्री और किसान- दोनों को फायदा होगा। हरियाणाभर के किसानों की पराली खरीदी जाएगी, जिससे उनकी आय में इजाफा होगा।

बिहार में 8वीं बार नीतीश कुमार

25 को बहुमत सिद्ध करेगा महागठबंधन, नीतीश बोले- 2024 के लिए एकजुट रहे विपक्ष

पटना। नीतीश कुमार ने 8वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ले ली है। राज्यपाल फागू चौहान ने बुधवार को उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। नीतीश ने हिंदी में ईश्वर के नाम की शपथ ली। उनके तुरंत बाद तेजस्वी यादव ने डिप्टी ष्टरू पद की शपथ ली। शपथ लेते ही तेजस्वी ने मंच पर ही नीतीश कुमार के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद नीतीश ने 2024 के लिए विपक्ष से एकजुट रहने की अपील की। शाम 5 बजे सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कैबिनेट बैठक की। इसमें तय हुआ कि 24 और 25 को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाएगा। पहले दिन नए स्पीकर का चुनाव होगा। इसके अगले दिन फ्लोर टेस्ट होगा। अभी कैबिनेट विस्तार को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मीडिया से बात की। नाम लिए बिना उन्होंने भाजपा पर हमला बोला। नीतीश ने कहा, 2014 में आने वाले, 2024 में रहेंगे तब ना। हम रहें या न रहें, वे 2024 में नहीं रहेंगे। मैं विपक्ष को 2024 के लिए एकजुट होने की अपील करता हूं। पीएम पद के सवाल पर उन्होंने कहा कि मैं इस पद का उम्मीदवार नहीं हूं।

सरकार बनवाने के लिए दिल्ली से एक्टिव रहे लालू

पटना में बेटे तेजस्वी राजनीति की बिसात पर लगातार शह-मात का खेल खेलते रहे और दिल्ली में सांसद बेटी मीसा भारती के आवास पर दिन भर टीवी पर जमे राजद अध्यक्ष लालू यादव मौके दर मौके बेटे को गाइड करते रहे। वहां लालू यादव से मिलने वाले मुलाकात करने के लिए पहुंचते रहे। राजद सांसद प्रेमचंद्र गुप्ता पहुंचे और दोनों ने बिहार की राजनीतिक स्थिति पर देर तक बातचीत भी की।

बेटे के शपथ में राबड़ी पहुंचीं, लालू नहीं आ सके

बेटे तेजस्वी के शपथ समारोह में शामिल होने के लिए राबड़ी देवी भी राजभवन पहुंचीं। हालांकि तेजस्वी के पिता और राजद सुप्रीमो लालू यादव खराब सेहत की वजह से कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। शपथ से पहले नीतीश ने लालू से फोन पर बात करके उन्हें सियासी हालात की जानकारी दी।

कॉर्बेवैक्स का बूस्टर डोज मंजूर : देश में पहली बार अलग वैक्सीन के बूस्टर को अनुमति

कोवीशील्ड या कोवैक्सिन लगवा चुके वयस्कों को लगेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को बॉयोलॉजिकल-ई कंपनी की कॉर्बेवैक्स वैक्सीन को बूस्टर डोज की तरह इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी। इसे कोवीशील्ड और कोवैक्सिन लगवा चुके वयस्क बूस्टर के तौर लगवा सकते हैं। ऐसा पहली बार हुआ है, जब बूस्टर डोज के लिए पहले लगाई गई वैक्सीन से इतर कोई वैक्सीन देश में लगाई जाएगी।

नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑफ इम्युनाइजेशन ने 2 अगस्त को हेल्थ मिनिस्ट्री से कॉर्बेवैक्स को बूस्टर डोज के तौर पर इस्तेमाल करने की सिफारिश की थी। भारत की पहली स्वदेशी रूप से विकसित RBD प्रोटीन सबयूनिट वैक्सीन कॉर्बेवैक्स का इस्तेमाल फिलहाल 12 से 14 साल ऐज ग्रुप के बच्चों के वैक्सीनेशन में किया जा रहा है।

दूसरा डोज लगवाने के 6 महीने बाद लगेगी

कोवैक्सिन या कोवीशील्ड वैक्सीन लगवा चुके वयस्क, दूसरा डोज लगवाने की तारीख से 6 महीने या 26 हफ्ते बाद ही कॉर्बेवैक्स लगवा सकेंगे। जानकारी के मुताबिक, बूस्टर डोज के तौर पर मौजूदा गाइडलाइन में जल्द ही संशोधन किया जाएगा। कोविन पोर्टल पर भी कॉर्बेवैक्स को बूस्टर के तौर पर लगाए जाने से जुड़ी गाइडलाइंस में बदलाव किया जा रहा है। देश में 10 जनवरी से हेल्थ केयर, फ्रंटलाइन वर्कर्स को और 60 साल से अधिक उम्र के लोगों को बूस्टर डोज लगाने की शुरुआत की थी। 16 मार्च से 12-14 साल के बच्चों के लिए वैक्सीनेशन अभियान शुरू किया गया।

इसी दिन 60 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को बूस्टर डोज की मंजूरी दी गई। देश में 10 अप्रैल को 18 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को कोरोना के बूस्टर डोज लगाए जाने की मंजूरी मिली थी।

राजू श्रीवास्तव हुए हृदयाघात का शिकार, एम्स अस्पताल में भर्ती

नयी दिल्ली। लोकप्रिय कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव हृदयाघात का शिकार होने पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) अस्पताल में भर्ती कराया गया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव को दिल का दौरा मंगलवार देर शाम को उस दौरान पड़ा, जब वह दक्षिण दिल्ली के एक जिम में ट्रेडमिल पर दौड़ रहे थे। उस दौरान उनके सीने में तेज दर्द हुआ और वह गिर गए। वहां पर उपस्थित उनके जिम प्रशिक्षक उन्हें तुरंत एम्स अस्पताल ले गए। इस संस्थान के डॉक्टरों ने उन्हें दिल का दौरा पड़ने की पुष्टि की और उनकी हालत खतरे के बाहर बतायी। उनके दोस्त और कॉमिक सुनील पाल ने अभिनेता श्रीवास्तव के स्वास्थ्य के बारे में सोशल मीडिया पर बताया कि अभिनेता की हालत में अब सुधार आ रहा है और वह जल्द ही घर लौटेंगे।

सस्ते हो सकते हैं हवाई टिकट : सरकार 31 अगस्त से हवाई किराए पर लगे कैप को हटाएगी

एयरलाइंस अपने हिसाब से तय कर सकेंगी कीमतें

नई दिल्ली। एयरलाइंस अब बिना किसी प्रतिबंध के टिकट का प्राइस तय कर सकेंगी। सरकार कोरोना महामारी के दौरान लगाए गए एयर फेयर कैप को पूरी तरह से हटाने जा रही है। एयर फेयर की ऊपरी और निचली दोनों लिमिट को हटाया जा रहा है। 31 अगस्त से ये लागू होगा। फेयर कैप वर्तमान में 15 दिनों के साइकिल में रोलिंग बेसिस पर लागू है। यानी एयरलाइंस बुकिंग की तारीख से 15 दिनों की अवधि के बाद की टिकटों की कीमतें निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र हैं। 15 दिन के कैप को एक उदाहरण से समझते हैं। अगर किसी व्यक्ति को 15 अगस्त यानी आज से 5 दिन बाद अहमदाबाद से मुंबई जाना है तो उसे अकासा एयर की फ्लाइट के लिए करीब 4200 रुपए चुकाने होंगे। टिकट का ये रेट आज की तारीख से 14 दिनों तक लगभग इतना ही है।

हालांकि जैसे ही आप 25 तारीख (15वें दिन) का किराया देखेंगे तो ये लगभग आधा है। यानी 2100 रुपए में आपको टिकट मिल जाएगा। यानी एयरलाइन ग्राहकों को सस्ता टिकट ऑफर करना चाहती है, लेकिन प्राइस कैप के कारण वो ऐसा नहीं कर पा रही। उसे इसके लिए 15 दिनों का इंतजार करना पड़ता है। एयरलाइंस से एयरफेयर कैप हटाने के फैसले से इंडिगो, स्पाइसजेट, एयर इंडिया, विस्तारा और नई एयरलाइन अकासा सहित अन्य को राहत मिलेगी। दरअसल, भारत डोमेस्टिक एयर ट्रैवल में स्ट्रॉन्ग रिबाउंड देख रहा है। यात्रियों की संख्या पूर्व-कोविड स्तरों को छू रही है। इससे एयरलाइंस का रेवेन्यू बढ़ रहा है। एविएशन एक्सपर्ट विनम्र लोंगानी ने इसे यात्रियों के लिए पॉजिटिव बताया। पैसेंजर संख्या बढ़ाने के लिए एयरलाइंस टिकटों में छूट दे सकती हैं।

कर्जे माफ नहीं होते तो दूध-दही पर जीएसटी लगाने की जरूरत नहीं होती : केजरीवाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगर 10 लाख करोड़ रुपए के कर्जे माफ नहीं किए जाते, तो आज देश इस तरह घाटे की स्थिति में नहीं होता और दूध-दही पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाने की जरूरत नहीं पड़ती।

केजरीवाल ने बुधवार को एक वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेवड़ी कल्चर वाले बयान पर बिना किसी का नाम लिए कहा कि यह कहा गया है कि अगर जनता को फ्री सुविधाएं दी जाएंगी, तो इससे देश को नुकसान होगा, इससे टैक्स देने वालों के साथ धोखा होगा। मुझे लगता है कि टैक्स देने वालों के साथ धोखा तब होता है, जब उनसे टैक्स लेकर और उस टैक्स के पैसे से अपने चंद दोस्तों के बैंकों के कर्जे माफ किए जाते हैं।

उन्होंने कहा कि टैक्स देने वाला सोचता है कि पैसा तो मुझसे लिया था और यह कह कर लिया था कि आपके लिए सुविधाएं बनाएंगे और मेरे पैसे से अपने दोस्तों के कर्जे माफ कर दिए। तब पूरे देश का टैक्स देने वाला व्यक्ति धोखा महसूस करता है। टैक्स देने वाला यह देखता है कि मेरे से तो टैक्स लिया, खाने-पीने की चीजों पर जीएसटी लगा दिया। दूध, दही और छाछ पर जीएसटी लगा दिया और अपने बड़े-बड़े अमीर दोस्तों के टैक्स माफ कर दिए। टैक्स देने वालों के साथ धोखा इससे नहीं होता है कि हम उनके बच्चों को अच्छी और फ्री शिक्षा देते हैं, टैक्स देने वालों के साथ धोखा इससे नहीं होता है कि हम देश के लोगों का फ्री में अच्छा इलाज कराते हैं।

उन्होंने कहा कि मैं समझता हूं कि अगर 10 लाख करोड़ रुपए के कर्जे माफ नहीं किए जाते, तो आज देश इस तरह घाटे की स्थिति में नहीं होता। हमें दूध-दही के उपर जीएसटी लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। देश के अंदर यह जनमत कराया जाए कि क्या सरकारी पैसा एक परिवार के लिए इस्तेमाल होना चाहिए। एक पार्टी है, जो चाहती है कि सारा सरकारी पैसा एक परिवार के लिए इस्तेमाल हो। जनता से पूछा जाए कि क्या सरकारी पैसा एक परिवार के लिए इस्तेमाल होना चाहिए। दूसरी विचारधारा है कि क्या सरकारी पैसा चंद दोस्तों के लिए इस्तेमाल होना चाहिए। वहीं, तीसरा मॉडल है कि क्या सरकारी पैसा इस देश के आम लोगों को अच्छी सुविधाएं, अच्छी शिक्षा, अच्छे अस्पताल और अच्छी सड़कें बनाने के लिए इस्तेमाल होना चाहिए।

दिल्ली, पंजाब, राजस्थान में बढ़े सबसे ज्यादा कोरोना के सक्रिय मामले

एजेंसी

नयी दिल्ली। पिछले 24 घंटों के दौरान देश के छह राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों में कोरोना वायरस के सक्रिय मामलों में वृद्धि हुई है। सबसे ज्यादा मामले दिल्ली, पंजाब और राजस्थान में बढ़े हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने यह बुधवार को यहां बताया कि सुबह सात बजे तक दो अरब सात करोड़ 13 लाख 71 हजार 204 टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 16 हजार 47 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में विभिन्न अस्पतालों में उपचार करवा रहे कोरोना रोगियों की संख्या एक लाख 28 हजार 261 हो गयी है।

यह संक्रमित मामलों का 0.29 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 4.94 प्रतिशत हो गयी है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 19 हजार 539 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 35 लाख 35 हजार 610 लोग कोविड-19 से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.52 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटे में तीन लाख 25 हज़ार 81 कोविड परीक्षण किए गये हैं।

कोविड टीकाकरण में 207.13 करोड़ से अधिक टीके लगे

नयी दिल्ली। देश भर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 207.13 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने यह बुधवार को यहां बताया कि सुबह सात बजे तक दो अरब सात करोड़ 13 लाख 71 हजार 204 टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 16 हजार 47 नये मरीज सामने आयें हैं। इनके साथ ही, देश में कोरोना रोगियों की संख्या एक लाख 28 हजार 261 हो गयी है।यह संक्रमित मामलों का 0.29 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 4.94 प्रतिशत हो गयी है।

बैरिकेड तोड़ महाकाल मंदिर में घुसे भाजयुमो कार्यकर्ता

एजेंसी

उज्जैन। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) कार्यकर्ताओं ने जमकर उत्पात मचाया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या बाबा महाकाल के दर्शन करने उज्जैन पहुंचे थे। उनसे मिलने के लिए बड़ी संख्या में कार्यकर्ता महाकाल परिसर में पहुंच गए। सुबह करीब 10:30 बजे सूर्या के साथ कुछ कार्यकर्ता गर्भगृह में चले गए। बाकी कार्यकर्ताओं ने मंदिर के बैरिकेड्स तोड़कर नंदी हॉल में घुसने की कोशिश की। जब सुरक्षा गार्ड और पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका, तो बदतमीजी करते हुए कार्यकर्ता नंदी हॉल में घुस गए। इस दौरान वहां अफरातफरी मच गई। मंदिर में मौजूद श्रद्धालु सहम गए और काफी देर तक हंगामा चलता रहा। इस दौरान मंदिर समिति या प्रशासन का कोई अधिकारी वहां मौजूद नहीं था।

अफसरों ने फोन बंद किए

इस घटना के वक्त सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन करने के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। मंदिर में बनी स्थिति को लेकर जब अधिकारियों को कॉल किया गया तो सभी के फोन बंद मिले। जिन अधिकारियों को फोन लगा भी, उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया।

गर्भगृह में प्रतिबंध के बाद भी विधायक ने किए दर्शन

महाकाल मंदिर में सावन के पहले से ही किसी को भी गर्भगृह में प्रवेश देने पर प्रतिबंध लगाया था। सोमवार को इंदौर विधायक रमेश मेंदोला ने गर्भगृह में प्रवेश कर दर्शन किए। जिस पर मंदिर प्रशासन ने गर्भगृह निरीक्षक विजय डोडिया और प्रोटोकॉल कर्मचारी घनश्याम हाड़ा को निलंबित कर दिया था।

आतंक पर वार | **एनकाउंटर में लश्कर के 3 आतंकियों का खात्मा, पुलवामा में 30 किलो विस्फोटक बरामद**

मारा गया कश्मीरी पंडित राहुल भट का हत्यारा

एजेंसी

पुलवामा/बडगाम। जम्मू-कश्मीर में बडगाम जिले के वाटरहेल इलाके में बुधवार को सुरक्षाबलों ने लश्कर-ए-तैयबा के 3 आतंकियों को मार गिराया।

मारे गए आतंकियों में से एक लतीफ राथर था, जो कश्मीरी पंडित राहुल भट, अमरीन भट सहित कई नागरिकों की हत्या में शामिल था।

उधर, पुलवामा में सुरक्षाबलों ने बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया। यहां सर्कुलर रोड पर तहब क्रॉसिंग के पास करीब 30 किलो विस्फोटक बरामद किया गया।

पुलिस इन दोनों घटनाओं को जोड़कर देख रही है। माना जा रहा है कि आतंकी स्वतंत्रता दिवस से पहले किसी बड़े हमले को अंजाम देने वाले थे। एक दिन पहले यानी मंगलवार को एटीएस ने यूपी के आजमगढ़ से ISIS के एक आतंकी को गिरफ्तार किया। जानकारी के मुताबिक आतंकी स्वतंत्रता दिवस के पहले धमाके की साजिश रच रहा था।

इसका नाम सबाउद्दीन आजमी है। यह ISIS के रिक्रूटर से सीधे संपर्क में था। एटीएस ने उससे आईईडी बनाने का सामान भी बरामद किया है।

गिरफ्तारी के बाद उसे पूछताछ के लिए एटीएस हेड ऑफिस ले जाया गया। उसका मोबाइल डेटा भी खंगाला गया। इसमें उसके टेलीग्राम चैनल AL-SAQR MEDIA से जुड़े होने के सबूत मिले। यह ग्रुप जेहाद के लिए मुस्लिम युवकों का ब्रेनवॉश करने के लिए बनाया गया है। सबाउद्दीन इस समय असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन यानी AIMIM का सदस्य है।

इस साल अब तक 139 आतंकियों को मार गिराया

सुरक्षाबलों ने घाटी में आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन ऑलआउट चलाया हुआ है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस साल अब तक 139 आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया गया है। इनमें 32 से ज्यादा विदेशी हैं। जुलाई के आखिरी हफ्ते में 6 आतंकी मारे गए। इनमें जैश-ए-मोहम्मद के दो और लश्कर के चार आतंकी थे।

पिकअप ने बाइक में मारी टक्कर, 3 दोस्तों की मौत

गाड़ी खड़ी कर भागा ड्राइवर; एक महीने पहले ही हुई थी एक युवक की शादी

एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में बुधवार शाम अनियंत्रित पिकअप ने बाइक से आ रहे तीन दोस्तों को टक्कर मार दी। घटनास्थल पर तीनों की मौत हो गई। मौका पाकर चालक पिकअप खड़ी कर वहां से भाग गया। मौके पर हजारों ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामला सराय ममरेज थाना क्षेत्र के मसाढ़ी गांव का है।

नीरज की एक महीने पहले हुई थी शादी

सराय ममरेज के मसाढ़ी गांव में रहने वाले पांचू (20), नीरज (24) और सुनील कुमार (20) दोस्त हैं। बुधवार दोपहर तीनों बाइक से कहीं जा रहे थे। इनकी बाइक जैसे ही गांव से सड़क पर पहुंची, कटहरा की तरफ से आ रही पिकअप जीप ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। एक ही गांव के तीन युवकों की मौत से गांव में मातम छा गया। पुलिस ने पिकअप को कब्जे में ले लिया है। मृतक तीनों युवकों में से नीरज की एक महीने पहले शादी हुई थी। उसकी पत्नी कंचन के आंसू नहीं थम रहे हैं।

शार्ट न्यूज

भीमा कोरेगांव हिंसा : सुप्रीम कोर्ट ने वरवरा राव को दी जमानत

नई दिल्ली। साल 2018 में हुए भीमा कोरेगांव हिंसा के मामले में आरोपी कार्यकर्ता और कवि डॉ पी वरवरा राव को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी है। यह जमानत मेडकल के आधार पर दी गई है। जानकारी के मुताबिक पहले से मिली अंतरिम जमानत को सुप्रीम कोर्ट ने नियमित किया है। इससे पहले बॉम्बे हाई कोर्ट ने 83 साल के राव की याचिका ठुकरा दी थी। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 2018 की भीमा कोरेगांव हिंसा से जुड़े इस मामले में राव को जमानत देते हुए शर्त रखी है कि वह ट्रायल कोर्ट की मंजूरी के बिना शहर न छोड़ें, गवाहों से संपर्क करने की कोशिश न करें। वरवरा राव को 28 अगस्त 2018 को हैदराबाद से अरेस्ट किया गया था। वरवरा पर भीमा-कोरेगांव कांड में कई गंभीर आरोप लगे हैं। वरवरा राव ने मेडिकल आधार पर कोर्ट से नियमित जमानत देने की मांग की थी। वरवरा राव की नियमित जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसी से जबाव दाखिल करने को कहा था। न्यायमूर्ति यूयू ललित की एक पीठ ने एनआईए को नोटिस जारी किया था और कहा था कि मामले पर 10 अगस्त को सुनवाई की जाएगी। उस दौरान कोर्ट ने यह भी कहा था कि राव को दी गई अंतरिम सुरक्षा जारी रहेगी।

कश्मीर विश्वविद्यालय ने डाटा हैकिंग की जांच शुरू की

श्रीनगर। कश्मीर विश्वविद्यालय ने बुधवार को कहा कि वह दस लाख छात्रों के व्यक्तिगत डाटा में कथित रूप से सेंध लगाने के मामले की जांच कर रहा है। यहां ऐसी रिपोर्ट सामने आयी है कि विश्वविद्यालय साइबर हमले का शिकार हो गया है और उसके दस लाख छात्रों के व्यक्तिगत डेटा को हैक कर बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। कथित डेटाबेस को हैकिंग फोरम पर 250 डॉलर में बिक्री के लिए रखा गया है। विश्वविद्यालय के एक प्रवक्ता ने कहा कथित उल्लंघन का विश्लेषण किया जा रहा है। प्रारंभिक विश्लेषण के अनुसार, यह पाया गया है कि डेटा में कोई बदलाव नहीं किया गया। उन्होंने कहा, कि डाटा में किसी तरह की गडबड़ी (जो पहले से ही सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है) के बारे में गहराई से विश्लेषण किया जा रहा है और विश्लेषण के आधार पर विश्वविद्यालय आगे की कार्रवाई करेगा और उचित कानूनी उपाय करेगा।

कश्मीर में ड्रग तस्कर गिरफ्तार

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में बारामूला जिले के सोपोर में पुलिस ने बुधवार को एक ड्रग तस्कर के पास से चरस जैसा पदार्थ बरामद किया। पुलिस ने बताया कि तस्कर के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। बाटपोरा रोहामा में तलाशी के दौरान इरफान अहमद लोन के पास से 95 ग्राम प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया गया।

कश्मीरी पंडित राहुल भट के हत्यारे को सुरक्षा बलों ने बडगाम में घेरा

श्रीनगर। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के बडगाम में कथित तौर पर कश्मीरी पंडित राहुल भट तथा महिला कलाकार अमरीन भट के हत्यारे सहित लश्कर-ए-तैयबा के साया समूह के तीन आतंकवादियों को घेर लिया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि सुरक्षा बलों से घेरे में फंसे आतंकवादियों में से एक लतीफ राथर है, जिस पर कश्मीरी पंडित राहुल भट और महिला कलाकार अमरीन भट सहित कई नागरिकों की हत्याओं के आरोप हैं। मुठभेड़ बुधवार तड़के बडगाम के वाटरहेल इलाके में घेराबंदी एवं तलाश अभियान के दौरान शुरू हुई। पुलिस ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने संयुक्त रूप से अभियान शुरू किया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विजय कुमार को उद्धृत करते हुए पुलिस ने ट्वीट किया, आतंकवादी लतीफ राथर सहित आतंकी संगठन लश्कर (टीआरएफ) के तीन आतंकवादियों को सुरक्षा बलों ने घेर लिया है। आतंकवादी लतीफ राहुल भट और अमरीन भट सहित कई नागरिक हत्याओं में शामिल रहा है।

बीरभूम सड़क हादसा: परिजनों को दो-दो लाख रुपये की मदद

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को बीरभूम में हुए भीषण सड़क हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया और इसमें मारे गए लोगों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए की मदद देने की घोषणा की। इस हादसे आठ महिलाओं सहित नौ लोगों की मौत हो गई। सुश्री बनर्जी ने ट्वीट करके कहा, बीरभूम में हुए भीषण सड़क हादसे से गहरा दुख हुआ, जिसमें आठ महिलाओं सहित नौ लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है। उन्होंने घोषणा की कि इस हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को राज्य सरकार दो-दो लाख रुपए की मदद देगी। साथ ही, प्रत्येक मृतक के अंतिम संस्कार के लिए सोमियाबोथी योजना के तहत दो हजार रुपए दिए जाएंगे। पुलिस ने मंगलवार को बताया था कि पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में राज्य सरकार के स्वामित्व वाली बस की चपेट में आने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई।

अरुणाचल प्रदेश में कोरोना के 47 नए मामले दर्ज

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश में बुधवार को कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के 47 नए मामले सामने आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 66293 हो गयी। एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी ने यह जानकारी दी। राज्य निगरानी अधिकारी-आईडीएसपी डॉ लोबसंग जम्पा ने बताया कि पिछले 24 घंटों में 91 मरीज इस बीमारी से ठीक हो चुके हैं, जिससे ठीक होने वालों की कुल आंकड़ा बढ़कर 65,746 हो गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में कोरोना के 251 सक्रिय मामले हैं। यहां सकारात्मकता दर एक पहले 12.69 प्रतिशत के मुकाबले 13.74 प्रतिशत रही। नए कोरोना मामलों में से सियांग से 14, ईटानगर कैपिटल कॉम्प्लेक्स से छह, नामसाई से चार, पूर्वी सियांग, लोहित, लोअर सुबनसिरी, पक्के केसांग और पश्चिम कामेंग से तीन-तीन मामले पाए गए। उन्होंने बताया कि कुल मामलों में से 17 बिना लक्षण वाले और 30 लक्षणयुक्त मामलों की पुष्टि हुई। पिछले 24 घंटे में 342 लोगों का कोरोना परीक्षण किया गया जिनमें से नए मामलों की पुष्टि हुई। जो सक्रिय आंकड़ा बढ़कर 12,86,031 हो गया। राज्य में रिकवरी दर बढ़कर 99.17 प्रतिशत और सकारात्मकता दर घटकर 0.38 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या 296 है। जो 0.45 प्रतिशत है।

विश्व की सर्वाधिक मधुर भाषाओं में शुमार है बांग्ला

कोलकता। विश्व की सबसे मधुर भाषाओं में से एक बांग्ला भाषा का भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में बहुत बड़ा योगदान रहा है और देश के राष्ट्रीय गान और राष्ट्रीय गीत इसी भाषा में लिखे हुए हैं।'आमी तोमाके भालोबासी' या 'तोमाके अमार भालो लागे' जैसे सामान्य वाक्य लगभग सभी लोगों ने सुना ही होगा। इसे सुनकर ऐसा लगता है कि जैसे रसगुल्ले से मीठी चाशनी टपक रही हो। कविता, संगीत और साहित्य, जो मूल रूप से बांग्ला भाषा में लिखे गए, आज भी पढ़ने और सुनने में बहुत ही प्रभावी और सुंदर लगते हैं। इस भाषा को बोलना और समझना बहुत सरल है लेकिन साथ ही, इसके कुछ व्याकरण, शब्दावली और उच्चारण को समझना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। जटिलता और मिठास का मिश्रण ही इस इस भाषा को विशिष्ट बनाती है। बांग्ला भाषा के कुशल वक्ताओं के लिए अंग्रेजी सीखना ज्यादा कठिन नहीं है, विशेष रूप से डुओलिंगो की नई पाठ्यक्रम भाषा के माध्यम से, जो आपको अंग्रेजी में सक्षम बनाती है। जैसा कि वे कहते हैं, एकती भाषा जोथेश्तो नोय (एक भाषा कभी पर्याप्त नहीं होती है)। अंग्रेजी को ग्लोबल लिंगुआ फ्रैंका कहा जाता है - एक ऐसी भाषा, जिसका उपयोग विश्व के एक-तिहाई से ज्यादा लोग करते है। इसलिए अंग्रेजी अवसरों का वैश्विक द्वार खोलती है। इसके अलावा, बंगाली और अंग्रेजी समान होते हुए भी बहुत अलग हैं। अंग्रेजी भाषा में कई भाषाओं से शब्द लिया गया है जिसमें एक बांग्ला भी है।'बंगला' जिसका अर्थ छोटा घर होता है, बांग्ला भाषा से लिया गया है। जूट बांग्ला से लिया गया एक अन्य शब्द है, जो बोरे में उपयोग होने वाला फाइबर के रूप में जाना जाता है। डिंगी - एक बड़ी नाव पर सवार एक छोटी नाव भी बांग्ला शब्द है।

कर्नाटक के ईदगाह मैदान में गणेशोत्सव पर विवाद

मुस्लिम समुदाय का दावा- जमीन वक्फ बोर्ड की, हिंदूवादी संगठन बोले- सार्वजनिक जगह है

बेंगलुरू। कर्नाटक में सियासी पारा चढ़ा हुआ है। राजनीतिक हत्याओं की तीन घटनाओं का मामला अभी थमा नहीं है। इस बीच अब बेंगलुरू के चामराजपेट ईदगाह मैदान का विवाद भड़क गया है। चामराजपेट मैदान में हिन्दूवादी संगठन इस महीने के अंत में गणेशोत्सव मनाने की योजना बना रहे हैं, लेकिन वक्फ बोर्ड और मुस्लिम समुदाय का दावा है कि ये जमीन वक्फ बोर्ड की है।

चामराजपेट से कांग्रेस विधायक जमीर अहमद खान का कहना है कि चामराजपेट ईदगाह मैदान में किसी भी धार्मिक आयोजन की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। अगर, चामराजपेट ईदगाह मैदान पर स्वतंत्रता दिवस का आयोजन होता है तो वे खुद इसमें बढ़चढ़ कर हिस्सा लेंगे।

इस मामले को लेकर राज्य के राजस्व मंत्री आर. अशोक का कहना है कि स्वतंत्रता दिवस और गणेशोत्सव मनाने को लेकर विभाग के पास वैसे तो अब तक कोई आवेदन नहीं मिला है, लेकिन किसी व्यक्ति या संस्था की ओर से अगर इस तरह का कोई आवेदन मिलता है तो राज्य सरकार इस पर जरूर विचार करेगी।

हिंदूवादी संस्थान सनातन संस्थे ने बृहत बेंगलुरू महानगर पालिका (बीबीएमपी) को ईदगाह मैदान पर स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण और गणेशोत्सव मनाने की मंजूरी के लिए आवेदन किया है।

सनातन संस्थे के भास्करन का कहना है कि चामराजपेट मैदान सार्वजनिक स्थान है। कांग्रेस विधायक जमीर खान इस मैदान पर किसी भी प्रकार की अनुमति देने वाले कौन होते हैं? इस मैदान पर अधिकार को लेकर हमारी चुनौती बृहत बेंगलुरू महानगर पालिका के पास लंबित है।

बीबीएमपी ने वक्फ बोर्ड को ईदगाह मैदान पर अपने दावे के संबंध में दस्तावेज पेश करने को कहा। हालांकि, बीबीएमपी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि ये संपत्ति वक्फ बोर्ड की नहीं बल्कि बीबीएमपी की है। वक्फ बोर्ड को अपने कथित दावे के लिए तथ्य पेश करने होंगे।

1999 में भी उठा था ये मुद्दा

1999 में भाजपा को इस मैदान पर स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराने की मंजूरी नहीं मिली थी। मैदान की एवज में वक्फ बोर्ड को 10 एकड़ वाले जमीन दी जा चुकी है। यहां का 2 एकड़ का मैदान खेलों के लिए छोड़ा गया है।

'हर घर तिरंगा' अभियान को सफल बनाएं : सिन्हा

एजेंसी

श्रीनगर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के लोगों से 'हर घर तिरंगा' अभियान को सफल बनाने के लिए स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर तिरंगा फहराने की अपील की।

उपराज्यपाल ने लोगों से 13 और 14 अगस्त को तिरंगा फहराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक अभियान शुरू किया है कि देश के सभी बच्चों, छात्रों और नागरिकों को 'आजादी का अमृत महोत्सव' के 75 साल पूरे होने पर तिरंगा फहराना चाहिए।

श्री सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर के सभी लोगों से इस कार्यक्रम को निष्ठा और दक्षता के साथ सफल बनाने का आग्रह किया और अपील की। उन्होंने कहा ,स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान हमारे देश का गौरव 'तिरंगा' हर घर और हर शैक्षणिक संस्थान में फहराना चाहिए। भारत की प्रगति में 75 साल की यात्रा और अपने प्राणों की आहुति देने वालों को इस अवसर पर याद किया जाना चाहिए।

उपराज्यपाल ने कहा,मैं उन बच्चों और युवाओं से आग्रह करता हूं जिन्हें 25 साल बाद भारत को आगे ले जाना है कि आज हमें जम्मू-कश्मीर और भारत के विकास का संकल्प लेना चाहिए।

उन्होंने कहा, पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। हम अब और इंतजार नहीं कर सकते। युवाओं को यह संकल्प लेना है कि 25 साल बाद उन्हें देश के साथ आगे बढ़ना है।

यूकेएसएसएससी पेपर लीक मामले में 14वां आरोपी गिरफ्तार

देहरादून। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) द्वारा माह दिसम्बर 2021 में आयोजित स्नातक स्तरीय परीक्षा में हुई प्रश्नपत्र लीक मामले में विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने बुधवार को एक और युवक को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये युवक ने खुद परीक्षा दी थी और 164वीं रैंक प्राप्त की थी। अभी तक इस मामले में 14 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

एसटीएफ के पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने आज यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पेपर लीक मामले के परिप्रेक्ष्य में जनपद देहरादून के थाना रायपुर पर पंजीकृत मु0अ0स0 289/22 धारा 420/467/468/471/34 भा0द0वि0 की विवेचना एसटीएफ सम्पादित कर रही है। इस दौरान प्रश्नपत्र आउट कराने की मिलीभगत में वर्तमान तक कुल 14 अपराधियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जिनमें से साक्ष्यो के आधार पर चार सरकारी कर्मचारियों एवं तीन संविदा पर नौकरी करने वाले कर्मचारियों को भी मिलीभगत के आरोप में गिरफ्तार किया चुका है।

चंदन हत्याकांड का खुलासा, पत्नी समेत तीन गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड की नैनीताल पुलिस ने लंबी जद्दोजहद के बाद आखिरकार धारी के चंदन हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पोलीग्राफ जांच के बाद हत्याकांड का खुलासा हो पाया। पुलिस ने चंदन की पत्नी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। विगत एक जून को अपनी ससुराल जाते वक्त नैनीताल जनपद के पदमपुरी के गौनियारो गांव निवासी चंदन यकायक लापता हो गया था। चंदन का शव छह दिन बाद पतलोट व अमजड गांव के बीच डूंगरीधार के जंगल में मिला था। पहचान छिपाने के लिये आरोपियों ने चंदन के शव को जला दिया था।

इस घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। चंदन के भाई सुरेश गौनियारो की तहरीर पर मुक्तेश्वर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। मामला राजस्व पुलिस के बाद नियमित पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस ने बेहद मुश्किल हत्याकांड की जांच के लिये एसओजी व एसआईटी को भी टीम में शामिल कर लिया।

पुलिस टीम ने लंबी जांच के बाद आरोपी की पत्नी यशवंती देवी, उसका साला दिनेश व उसका साथी कमल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को शुरू से इस मामले में यशवंती व उसके साले दिनेश पर शक था। दोनों आरोपी बार बार बयान बदल रहे थे।

जब दो महीने तक पुलिस इस हत्याकांड की गुत्थी नहीं सुलझा पायी तो ग्रामीण सड़क पर उतर आये और हल्द्वानी में पुलिस के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इसके बाद पुलिस पर दबाव बढ़ गया। पुलिस ने आखिरकार यशवंती, साला दिनेश व पत्नी का जीजा नरेन्द्र मेवाड़ी का पोलीग्राफ टेस्ट कराने का निर्णय लिया। दोनों ने पोलीग्राफ टेस्ट में हत्या की बात कुबूल कर ली।

पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) प्रमोद साह ने मुक्तेश्वर थाना में इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि यशवंती का तीन साल पहले चंदन से विवाह हुआ था लेकिन दोनों के रिश्ते अच्छे नहीं थे। घटना से कुछ दिन पहले यशवंती 29 मई को अपने मायके चली गयी और उसने चंदन से पीछा छुड़ाने की योजना बनायी। उसने अपने भाई दिनेश को इस योजना में शामिल कर लिया।

चंदन उसके बहकावे में आ गया और योजना के मुताबिक यशवंती ने चंदन को एक जून को उसकी ससुराल अमजड बुलाया।

इसी बीच दिनेश ने अपने दोस्त कमल के साथ मिलकर रास्ते में उसकी पत्थरों से हत्या कर दी और शव को जंगल में फेंक दिया। पोलीग्राफ टेस्ट ने पूरे मामले में दूध का दूध व पानी का पानी कर दिया।

स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ पर सिख कैदियों की रिहाई को लेकर एसजीपीसी करेगी प्रदर्शन: धामी

अमृतसर। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने जेलों में बंद सिख कैदियों की रिहाई को लेकर स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर जिला स्तरीय विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है।

एसजीपीसी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने बुधवार को बताया कि 13 अगस्त को पूर्वाह्न 10 बजे जिला उपायुक्तों को ज्ञापन सौंपे जाएंगे और इस दौरान शिरोमणि समिति के सदस्य और कर्मचारी काली पगड़ी पहनकर भाग लेंगे।

श्री धामी ने कहा कि देश की आजादी में 80 फीसदी से ज्यादा कुर्बानी सिखों ने दी, लेकिन दुख की बात है कि 75 साल से सिखों को अलग-थलग महसूस कराया जा रहा है। इसका एक उदाहरण तीन दशक से अधिक उम्र की सजा काटने के बाद भी देश की जेलों में कैद सिंहों की रिहाई न होना है।

उन्होंने कहा कि देश का संविधान यहां रहने वाले सभी लोगों को समान अधिकार देता है, लेकिन सिखों के प्रति सरकार का रवैया नकारात्मक रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारों के इस भेदभावपूर्ण रवैये के कारण ही शिरोमणि कमेटी ने 13 अगस्त को पूरे पंजाब में विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है।

एसजीपीसी ने हरियाणा में जिला परिषद अंबाला के प्रशासन द्वारा सरकार के कार्यक्रम हर घर तिरंगाके तहत ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री मांजी साहिब अंबाला और गुरुद्वारा श्री पंजोखरा साहिब में सांस्कृतिक कार्यक्रम तैयार करने और तिरंगा फहराने के आदेश की निंदा की है। एसजीपीसी की अंतिम समिति ने एक प्रस्ताव पारित कर हरियाणा सरकार और अंबाला जिला परिषद को इस तरह की कार्रवाई से दूर रहने की चेतावनी दी गई थी।

श्री धामी ने बताया कि गुरुद्वारा साहिब की एक अनूठी आचार संहिता है, जिसके अनुसार यहां केवल धार्मिक समारोह आयोजित किए जा सकते हैं और केवल खालसाई निशान साहिब को ही झुलाया जा सकता है, लेकिन अंबाला जिला परिषद ने गुर-मर्यादा का अपमान किया है। एसजीपीसी के विरोध के पश्चात अंबाला प्रशासन ने इस आदेश को वापस ले लिया है।

हरियाणा में क्लर्क रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

चंडीगढ़। हरियाणा राज्य सतर्कता ब्यूरो ने जींद के रोजगार विभाग में कार्यरत एक क्लर्क को 23 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी कर्मचारी बेरोजगारी भत्ते की राशि के भुगतान संबंधी एक मामले को फाइल करने की एवज में पैसे की मांग कर रहा था। ब्यूरो के प्रवक्ता ने बुधवार को यहां बताया कि गिरफ्तार किए गए क्लर्क की पहचान रोशन के रूप में हुई है। जींद निवासी शिकायतकर्ता ने ब्यूरो को दी शिकायत में बताया कि बेरोजगार होने के दौरान उसे 32 माह का बेरोजगारी भत्ता मिला। इस दौरान उसकी नौकरी लग गई। आरोपी क्लर्क उसके द्वारा लिए गए भत्ते को गलत तरीके से लिया गया मामला बताकर इसे फाइल करने की एवज में रिश्वत की मांग कर रहा था।

कर्नाटक में मुहर्रम के जुलूस में चाकू हमले से दो लोग घायल

गदग। कर्नाटक के गदग जिले के मल्लासमुद्रा गांव में मुहर्रम के जुलूस के दौरान दो समूहों के बीच लड़ाई हुई और इसी दौरान चाकू से हुए हमले में दो लोग घायल हो गये।

पुलिस के मुताबिक इस घटना में घायलों की पहचान तौसीफ होस्मानी (23) और मुस्ताक होस्मानी (24) के रूप में की गयी है। चाकू से हमले के पहले दोनों के साथ मारपीट की गई है। बताया जाता है कि मुहर्रम के जुलूस के दौरान दो गुटों में हाथापाई हो गई। हंगामा करने पहुंचे तौसीफ व मुस्ताक पर सोमेश गुड़ी ने चाकू से हमला कर दिया।

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए पुलिस अधीक्षक शिवप्रकाश देवराजू ने कहा कि गंभीर रूप से घायल तौसीफ का इलाज कराया जा रहा है। घटना के सिलसिले में यलप्पा और सोमू को गिरफ्तार कर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि हमले के सही कारण का पता नहीं चल पाया है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए गांव में तैनात पुलिस ने सख्त एहतियात बरत रही है।

घटना की जानकारी मिलते ही एसपी शिवप्रकाश देवराजू व डीएसपी शिवानंद पावदाशेट्टी ने जिला अस्पताल का दौरा कर मामले की जानकारी ली। बाद में उन्होंने मल्लसमुद्रा गांव का दौरा किया और स्थिति की समीक्षा की।

फिलहाल गांव में डीआर की गाडियां तैनात कर दी गई हैं और कड़ी चौकसी बरती जा रही है।

बिहार के राजनीतिक घटनाक्रम से 2024 में परिवर्तन की आहट : भूपेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बिहार के राजनीतिक घटनाक्रम को 2024 के लोकसभा चुनावों में परिवर्तन की आहट बताते हुए कहा कि राजनीतिक रूप से जागरूक इस राज्य से ही बदलाव की बयार उठती हैं।

बघेल ने आज झारखंड की राजधानी रांची के लिए रवाना होने से पूर्व यहां माना विमानतल पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बिहार की आबोहवा में राजनीति हैं और अगर वहां बदलाव हुआ है तो निश्चित रूप से इसका असर 2024 में होगा। उन्होने आठवीं बार मुख्यमंत्री बनने पर श्री नीतीश कुमार को एवं दूसरी बार उप मुख्यमंत्री बनने पर तेजस्वी यादव को बधाई भी दी।

उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए में शामिल दलों में भाजपा के प्रति भारी अविश्वास हैं। इस कारण ही उनके सबसे विश्वसनीय साथी अकाली दल ने साथ छोड़ा फिर शिवसेना ने उन्हे अलविदा कहा अब एक और विश्वसनीय साथी जनता दल यूनाईटेड ने उनका साथ छोड़ दिया। शिवसेना ने विश्वासघात के चलते साथ छोड़ा तो जनता दल यूनाईटेड ने विश्वासघात का आभास होते ही साथ छोड़ दिया। उन्होने आरोप लगाया कि भाजपा अपने सहयोगी दलों को खत्म करने की दिशा में काम कर रही है।

प्रदेश भाजपा में बदलाव एवं जातीय सन्तुलन को साधने की कोशिशों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि अभी वह बहुत सारे प्रयोग करेंगे। उन्होने कहा कि प्रदेश भाजपा में जो अन्तर्कलह मची हुई है उसको दबाने की कोशिश हो रही है लेकिन वह थमने वाली नही हैं।

उन्होने विश्व आदिवासी दिवस के दिन आदिवासी प्रदेश अध्यक्ष को हटाने पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह काम एक दो दिन बाद भी हो सकता था।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश, नूपुर पर दर्ज सभी मुकदमें दिल्ली स्थानांतरित

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पैगंबर मोहम्मद पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के मामले में कई राज्यों में अपराधिक मुकदमों का सामना कर रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की निलंबित नेता नूपुर शर्मा को बुधवार राहत देते हुए मुकदमों को दिल्ली स्थानांतरित करने की उनकी अर्जी बुधवार को स्वीकार कर ली।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला की पीठ ने नूपुर की याचिका मंजूर करते हुए उसके खिलाफ विभिन्न राज्यों में दर्ज प्राथमिकियों (इस विवाद से संबंधित भविष्य में होने वाले सभी प्राथमिकी शामिल) को एक जगह सम्मिलित कर उसकी जांच दिल्ली पुलिस को स्थानांतरित करने तथा जांच पूरी होने तक नूपुर पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया।

पीठ ने यह स्पष्ट किया कि भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर के खिलाफ दर्ज मामलों की जांच दिल्ली पुलिस के इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) द्वारा की

जाएगी। इस मामले में यदि जरूरत पड़े तो दिल्ली पुलिस अपनी अन्य शाखाओं की मदद ले सकती है।

पीठ ने याचिकाकर्ता को प्राथमिकी रद्द करने या अन्य राहत की मांग संबंधी याचिका दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर करने की अनुमति प्रदान की।

पीठ ने पैगंबर मोहम्मद विवाद से संबंधित मुकदमों के मामले में नूपुर की नयी याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया।

शीर्ष अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा इस मामले की अदालत की देखरेख में एक विशेष जांच दल गठित कर उससे से जांच कराने की याचिका खारिज कर दी।

शीर्ष अदालत ने इससे पहले 19 जुलाई को ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 10 अगस्त की तारीख मुकर्रर करते हुए नूपुर पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आदेश संबंधित राज्य सरकारों/पक्षों को दिया था।

शीर्ष न्यायालय ने नूपुर की उस याचिका पर दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक तथा अन्य राज्यों को नोटिस जारी किया था, जिसमें उन्होंने उन राज्यों में (पैगंबर मोहम्मद पर की गई विवादास्पद टिप्पणियों से संबंधित) अपने खिलाफ दर्ज अपराधिक मुकदमों को रद्द करने या उन्हें दिल्ली स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की अवकाशकालीन पीठ ने एक जुलाई को सख्त टिप्पणियों के साथ उनकी उस याचिका को खारिज कर दी थी, जिसमें उनके खिलाफ विभिन्न राज्यों में दर्ज मुकदमों को रद्द करने या उन्हें दिल्ली स्थानांतरित करने की गुहार लगाई गयी थी।

नूपुर ने एक निजी टीवी चैनल पर चर्चा के दौरान कथित तौर पर पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। इसके बाद उनके खिलाफ दर्ज विभिन्न राज्यों में एक के बाद एक नौ प्राथमिकियां दर्ज की गई थीं।

उन्होंने अदालत में पुन: याचिका दायर कर सभी मुकदमों को रद्द करने या दिल्ली स्थानांतरित करने तथा इस मामले में अपनी गिरफ्तारी पर रोक लगाने की गुहार अदालत से लगाई थी।

आरोपी नूपुर ने अपनी नयी याचिका में तर्क दिया था कि शीर्ष अदालत द्वारा उसके खिलाफ पहले की कड़ी टिप्पणियों के बाद उसे नए सिरे उन्हें धमकियां दी गईं।

इस्कॉन में महिला दीक्षा गुरु बनाने का विरोध चरम पर

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय कृष्ण चेतना समाज (इस्कान) एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गया है। प्रथम महिला दीक्षा गुरु बनाने के फैसले के कारण इस्कान के भीतर ही विरोध के सुर बुलंद होने लगे हैं। इस्कान के एक गुट ने सर्वोच्च शासी निकाय को शास्त्रार्थ की चुनौती दी है।

इस्कॉन के भारत विद्धत मंडल के संयोजक कृष्ण कीर्ति दास ने बुधवार को यहां बताया कि इस्कॉन शास्त्रीक सलाहकार परिषद (एसएसी) की अध्यक्ष उर्मिला देवी दासी उर्फ एडिथ बेस्ट, पीएचडी, और उनकी सहयोगी महिलाओं को एक स्त्री के आचार्य (दीक्षा गुरु) बनने एवं शिष्य ग्रहण करने के अधिकार दिये जाने के प्रस्ताव को वैदिक परंपरा के प्रतिकूल बताते हुए इस मुद्दे पर एक शास्त्रार्थ में भाग लेने की चुनौती दी गयी लेकिन उन्होंने इस चुनौती को स्वीकार नहीं किया है। इस शास्त्रार्थ प्रणाली को इस्कॉन के आध्यात्मिक शिष्य उत्तराधिकार में दीक्षा के रूप में जाना जाता है।

श्री कृष्ण कीर्ति दास ने कहा कि कल, इस्कॉन भारत विद्धत मंडल ने अपनी वेबसाइट पर आधिकारिक तौर पर इस्कॉन में महिलाओं के आचार्य (गुरु) बनने के अधिकारों की रक्षा के लिए शास्त्री सलाहकार परिषद को एक शास्त्रार्थ (पंडितों द्वारा नियोजित बहस का एक पारंपरिक रूप में) करने की चुनौती दी थी। लेकिन एसएसी की अध्यक्ष उर्मिला देवी दासी ने कानूनी आधार पर चुनौती को तुरंत खारिज कर दिया। दासी ने कहा, आधिकारिक एसएसी प्रोटोकॉल और उपनियमों के अनुसार, केवल जीबीसी निकाय (इस्कॉन का सर्वोच्च निकाय) या जीबीसी ईसी ही इस प्रकार के शास्त्रार्थ के लिए एसएसी को अनुरोध कर सकता है और एसएसी इस निवेदन को ईसी या संपूर्ण जीबीसी निकाय के अनुरोध पर भी, अस्वीकार कर सकता है।

प्रियंका गांधी फिर कोरोना की चपेट में

नयी दिल्ली। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा फिर से कोरोना वायरस की चपेट में आ गयी हैं। श्रीमती वाड्रा ने बुधवार को स्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वह कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। श्रीमती वाड्रा इससे पहले भी एक बार कोविड-19 से ग्रसित हुयी थीं। उन्होंने ट्वीट किया आज फिर कोरोना वायरस टेस्ट में पॉज़िटिव पाई गई हूं। घर में आइसोलेशन में रहकर कोरोना प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन करूंगी।

पंजाब के गुरदासपुर बॉर्डर पर दो पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार

गुरदासपुर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के गुरदासपुर इलाके में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर डेरा बाबा नानक पोस्ट से दो पाकिस्तानी नागरिकों को भारतीय सीमा में प्रवेश करते हुए गिरफ्तार किया है। बीएसएफ के उप-महानिरीक्षक गुरदासपुर सेक्टर प्रभाकर जोशी ने बुधवार को बताया कि कि दोनों पाकिस्तानी नागरिक बीएसएफ की सीमा चौकी डेरा बाबा नानक के पास भारत की सीमा पर करीब 10 मीटर अंदर घुसे थे और सीमा बाड़ के बाहर ड्यूटी पर तैनात बीएसएफ के किसान गार्डों ने उन्हें देखा। इनकी पहचान रबीज मसीह और किशन मसीह निवासी भोला बाजवा जिला नारोवाल पाकिस्तान के रूप में हुई है। बीएसएफ ने उनके कब्जे से 500 रुपये, दो मोबाइल फोन, दो पहचान पत्र और तंबाकू का एक पैकेट बरामद किया है। श्री जोशी ने कहा कि भारत में घुसपैठ करने के उनके मकसद का अभी पता नहीं चल पाया है।

शार्ट न्यूज

एनएचपीसी के शुद्ध लाभ में 15 प्रतिशत की वृद्धि

फरीदाबाद। मजबूत प्रचालन निष्पादन करते हुए, भारत की अग्रणी जलविद्युत कंपनी एनएचपीसी लिमिटेड ने शुद्ध लाभ में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है । कंपनी ने पिछली इसी तिमाही के कर पश्चात 912 करोड़ रुपये के लाभ के मुकाबले कर पश्चात 1050 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया है जो पहली तिमाही में अब तक का सबसे अधिक एकल लाभ है। एनएचपीसी बोर्ड ने 10 अगस्त 2022 को आयोजित अपनी बैठक में वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही के परिणामों को मंजूरी प्रदान की है। एनएचपीसी लिमिटेड भारत की अग्रणी जलविद्युत कंपनी है। अपने 24 पावर स्टेशनों के माध्यम से एनएचपीसी की कुल संस्थापित क्षमता 7071 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा (पवन और सौर सहित) है, जिसमें सहायक कंपनी के माध्यम से 1520 मेगावाट शामिल है।

अवैध शराब को लेकर आबकारी विभाग एवं पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में चलाया गया गहन सर्च अभियान

नोएडा। जनपद में अवैध शराब के निष्कर्षण एवं अवैध शराब के व्यापार के विरूद्ध चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के तहत जिला आबकारी अधिकारी गौतमबुद्धनगर राकेश बहादुर सिंह ने जानकारी देते हुये बताया कि विगत दिवस आबकारी निरीक्षक गौरव चन्द व आबकारी निरीक्षक रवि जायसवाल द्वारा कोंडली पर चेकिंग के दौरान एक बजाज डिस्कवर गाड़ी से आठ बोतल ड्रीम क्लब ब्राण्ड का विदेशी शराब व बारह केन टूवर्ग बियर दिल्ली राज्य में विक्रय के लिए अनुमन्य के साथ दो व्यक्ति सोहन सिंह पुत्र जयपाल सिंह व सुरजीत पुत्र कुमाउराव को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत करते हुये जेल भेजा गया। जिला आबकारी अधिकारी राकेश बहादुर सिंह ने कहा कि आगे भी जिलाधिकारी के निर्देशन में अवैध शराब की बिक्री को लेकर आगे भी जनपद में निरंतर गहन सर्च अभियान जारी रहेगा। उन्होंने अवैध शराब का कारोबार करने वालों को सचेत करते हुए कहा है कि उनके विरूद्ध आबकारी अधिनियम के तहत सख्त से सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

पुलिस ने दो मोबाइल फोन लुटेरों को किया गिरफ्तार, कब्जे से से लूट के 16 मोबाइल फोन सहित एक मोटरसाइकिल बरामद

नोयडा। थाना सेक्टर 63 पुलिस ने मोबाइल फोन लूटने/चोरी करने वाले दो अभियुक्तों शुभम गिरि उर्फ साहिल पुत्र अशोक गिरि निवासी शर्मा आटा चक्की के सामने, भाटी चौक खोडा कालोनी थाना खोडा गाजियाबाद, मोहम्मद रियाज पुत्र मोहम्मद जहाँगीर निवासी पण्डित जी के मकान में भाटी चौक खोडा कालोनी थाना खोडा जिला गाजियावाद को एफएनजी सर्विस रोड चौकी क्षेत्र सी ब्लाक से बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने लूट एवं चोरी के 16 मोबाइल फोन अलग-अलग कम्पनी के कीमत लगभग दो लाख अस्सी हजार रुपये और लूट की घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल पैशन प्रो बरामद की है।अभियुक्तगण शातिर किस्म के अपराधी हैं। जो राह चलते जनता के व्यक्तियो से मोबाइल फोन छीन लेते हैं। जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

पुलिस ने चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर पांच अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना बीटा टु पुलिस ने बन्द पड़े घरों व मंदिरों में रैकी करके चोरी/लूट करने वाले पाँच अभियुक्तों आकाश पुत्र अमृत ग्राम भौरा थाना ककोड़ जिला बुलन्दशहर, अरुण पुत्र करमवीर ग्राम भौरा थाना ककोड़ जिला बुलन्दशहर, राहुल पुत्र सुभाष निवासी ग्राम गभाना थाना गभाना जिला अलीगढ़ हाल निवासी ग्राम घोड़ी बछेड़ा थाना दादरी जिला गौतमबुद्ध नगर, हरी पुत्र बालकराम निवासी ग्राम चीती थाना दनकौर जिला गौतमबुद्धनगर, रिंकू पुत्र मुकेश ग्राम नानपुर थाना गढ़ जिला हापुड़ को एच्छर टी पाइंट के पास पार्क से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने तीन चाकू, एक सब्बल, एक लोहा काटने की आरी व ब्लेड,एक पाईप रिंच लोहे की, एक पेचकस, एक घण्टा, एक छोटा त्रिशूल, नौ पीतल के कटोरानुमा मन्दिर का सजावटी सामान और आठ सरिया बरामद की है। अभियुक्तगण बंद मकानों और मन्दिरों की पहले रैकी करते हैं उसके उपरांत वहाँ पर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं।अभियुक्तगण शातिर किस्म के अपराधी हैं।जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

पत्नी की हत्या करने वाला पति गिरफ्तार, कब्जे से आलाकत्ल चाकू बरामद

नोयडा। थाना सेक्टर 39 पुलिस ने बुधवार को पुलिस एक वांछित अभियुक्त अजय भदौरिया पुत्र महेश सिंह भदौरिया निवासी ग्राम उमरा थाना गोविन्द नगर जिला कानपुर नगर हालपता राकेश चौहान का मकान ग्राम सलारपुर खादर थाना सेक्टर 39 नोएडा जनपद गौतमबुद्धनगर को सेक्टर 104 चौराहे से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक आलाकत्ल चाकू बरामद किया है।उपरोक्त अभियुक्त थाना सैक्टर 39 पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 483/2022 धारा 302 भादवि के तहत वांछित चल रहा था।गौरतलब है कि 9 अगस्त 2022 को अभियुक्त द्वारा अपनी पत्नी के साथ प्राइवेट नौकरी छोड़ने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गयी थी। कहासुनी होने पर अभियुक्त द्वारा धारदार चाकू से अपनी पत्नी के गले पर वार कर दिया जिससे अभियुक्त की पत्नी की मृत्यु हो गयी। अभियुक्त की शादी को लगभग 18-19 वर्ष हो चुके हैं। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

दिल्ली महिला आयोग ने उन्नाव बलात्कार पीड़िता के खिलाफ उन्नाव अदालत द्वारा गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी होने पर उसे कानूनी सहायता प्रदान की

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। उन्नाव की नाबालिग सामूहिक बलात्कार पीड़िता, जिसने तत्कालीन विधायक कुलदीप सेंगर के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया था, अगस्त 2019 में उसकी दुर्घटना के बाद उच्चतम न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लिया था और निर्देश दिया था कि न्याय और निष्पक्षता के हित में इस मामले में सम्बंधित चार एफआईआर की जांच को उत्तर प्रदेश पुलिस से सीबीआई और सम्बंधित मुकदमों को नई दिल्ली स्थानांतरित किया जाए। इसके बाद दिल्ली की सेशन कोर्ट ने आरोपी कुलदीप सेंगर को भारतीय दंड संहिता और पॉक्सो एक्ट के तहत बलात्कार का दोषी करार दिया था। कुलदीप सेंगर को पीड़िता के पिता की हत्या का भी दोषी ठहराया गया था, जिसमें स्थानीय पुलिस को भी दोषी पाया गया था। पीड़िता और उसके परिवार के जीवन के लिए संभावित, वास्तविक और गंभीर खतरे का संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि सीआरपीएफ द्वारा पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए।

सत्र अदालत ने दिल्ली महिला आयोग को पीड़िता के पुनर्वास का भी आदेश दिया था। आयोग ने पिछले 2 वर्षों में पीड़िता के आवास, शिक्षा, चिकित्सा उपचार, कौशल प्रशिक्षण और पुनर्वास के अन्य पहलुओं के साथ पीड़िता की लगातार सहायता की है। इसके अलावा, ट्रायल कोर्ट ने उसके जीवन के लिए लगातार, वास्तविक और गंभीर खतरे को माना और इसलिए अदालत ने आदेश दिया कि सीबीआई हर तीन महीने में पीड़ित लड़की और उसके परिवार के सदस्यों के जीवन और सुरक्षा के लिए खतरे की स्थिति का आकलन करेगी और यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कदम उठाएगी कि वे एक सुरक्षित स्थान पर रहें, और अगर परिवार चाहता है तो वे पहचान बदल कर भी रह सकते हैं ।

अभी पीड़िता ने कानूनी मदद के लिए आयोग का दरवाजा खटखटाया है क्योंकि उसके खिलाफ उन्नाव की एक निचली अदालत ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। दिसंबर 2018 में, उन्नाव में शिकायतकर्ता हरिपाल सिंह के कहने पर पीड़िता के स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्र के संबंध में पीड़िता, उसकी मां और चाचा के खिलाफ जालसाजी, धोखाधड़ी आदि के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई थी। हरिपाल सिंह शुभम सिंह का पिता है, जिस पर 11 जून 2017 को पीड़िता के अपहरण और बलात्कार का आरोप है, और वर्तमान में दिल्ली में पीड़िता के सामूहिक बलात्कार के लिए उस पर मुकदमा चलाया जा रहा है। शिकायतकर्ता हरिपाल सिंह द्वारा आरोप लगाया गया है कि पीड़िता के फर्जी स्कूल ट्रांसफर सर्टिफिकेट के आधार पर उसके बेटे, उसकी पत्नी और कुलदीप सेंगर के खिलाफ झूठा मामला दर्ज किया गया था।

हालाँकि इस आरोप का सीधे तौर पर ट्रायल कोर्ट, दिल्ली के आदेश में खंडन किया गया है, और कुलदीप सेंगर को दिसंबर 2019 में POCSO की धाराओं और IPC की धारा 376 के तहत पीड़िता से बलात्कार के लिए दोषी ठहराया जाता है, जिसके लिए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गयी है।

02.08.2022 को शिकायतकर्ता हरिपाल सिंह ने उन्नाव पीड़िता के खिलाफ दर्ज एफआईआर में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) उन्नाव के समक्ष बलात्कार पीड़िता के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करने के लिए एक आवेदन दिया, जिसे अनुमति दे दी गई।

यह आवेदन बलात्कार पीड़िता के खिलाफ दायर किया गया था, जो उसी तारीख (02.08.022) को शिकायतकर्ता हरिपाल सिंह के बेटे शुभम सिंह के खिलाफ नई दिल्ली में एक मामले में निचली अदालत में पेश हो रही थी।

उन्नाव पीड़िता ने आयोग से संपर्क किया है और कानूनी सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया है।

उसने कहा है कि उन्नाव में उसकी जान को खतरा है और वह चाहती है कि सभी मामलों को दिल्ली स्थानांतरित कर दिया जाए।

बिधूड़ी ने की मुख्य सचिव नरेश कुमार से मुलाकात

जौनापुर यूनिवर्सिटी की बाधाओं को किया जाए दूर, दिल्ली के स्कूल कैब चालकों के साथ किया जाए न्याय

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मुख्य सचिव श्री नरेश कुमार से मिलकर जौनापुर में बनने वाली वर्ल्ड क्लास स्किल यूनिवर्सिटी के काम में तेजी लाने और दिल्ली के 50 हजार स्कूल कैब चालकों की समस्याओं का तुरंत समाधान निकालने का अनुरोध किया है। मुख्य सचिव ने दोनों ही मुद्दों पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए उन्हें हल करने का आश्वासन दिया है।

बिधूड़ी ने छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के जौनापुर गांव के लोगों के शिष्टमंडल के साथ मुख्य सचिव से भेंट की और उन्हें बताया कि जौनापुर में वर्ल्ड क्लास स्किल यूनिवर्सिटी के लिए 2012 में आधारशिला रखी गई थी। इस परियोजना पर 25-30 करोड़ रुपए खर्च भी किए लेकिन उसके बावजूद काम बंद पड़ा है। उन्होंने बताया कि यह परियोजना सिंगापुर के सहयोग से पूरी होनी है और सिंगापुर सरकार इस परियोजना पर भारी खर्च कर रही है लेकिन फिर भी कई बाधाएं आ रही हैं। बिधूड़ी ने यह भी बताया कि इस यूनिवर्सिटी के बनने से 10 हजार बच्चों को एडमिशन मिल सकेगा और यहां से स्किल्ड एजुकेशन पाने के बाद हर साल हजारों युवकों को रोजगार भी मिलेगा। मुख्य सचिव श्री नरेश कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यूनिवर्सिटी के निर्माण में जो भी बाधाएं आ रही हैं, उन्हें तुरंत दूर किया जाए।

नेता प्रतिपक्ष ने दूसरा मुद्दा दिल्ली के लगभग 50 हजार स्कूल कैब चालकों का उठाया। उन्होंने बताया कि 2017 से स्कूल कैब चालकों को कमर्शियल परमिट नहीं दिए जा रहे और परमिट न होने के कारण इन दिनों दिल्ली सरकार का ट्रांसपोर्ट विभाग इन चालकों के 40-40 हजार रुपए के चालान काट रहा है। हैरानी की बात यह है कि दिल्ली सरकार ने स्कूलों से डीटीसी बसों की सेवा वापस ले ली है। अगर कैब भी नहीं हों तो अभिभावकों के सामने एक गंभीर समस्या पैदा हो जाएगी कि बच्चों को स्कूल कैसे पहुंचाए। दिल्ली सरकार के इस रवैये के कारण इन कैब चालकों के सामने आजीविका की समस्या भी पैदा हो रही है।

बिधूड़ी ने बताया कि मुख्य सचिव ने कैब चालकों की समस्या पर भी गौर करते हुए कहा है कि इस मुद्दे पर जल्दी ही फैसला लिया जाएगा।

पुलिस ने नाबालिग लड़की को जबरन भगा ले जाने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। दनकौर पुलिस ने नाबालिग लड़की को जबरन भगा ले जाने वाले अभियुक्त आशीष उर्फ चीनी पुत्र नरेश शर्मा निवासी ग्राम हतेवा थाना दनकौर गौतमबुद्धनगर को मुखबिर की सूचना पर मुरशदपुर अन्डरपास के पास से बुधवार को गिरफ्तार कर लिया।गौरतलब है कि 10 मई 2022 को थाना दनकौर पर वादी द्वारा सूचना अंकित करायी गयी कि आशीष उर्फ चीनी पुत्र नरेश शर्मा निवासी ग्राम हतेवा थाना दनकौर गौतमबुद्धनगर पडोस में रहने वाले द्वारा वादी की नाबालिग पुत्री को जबरन मोटरसाइकिल पर भगा कर ले गया है। जिसके सम्बन्ध में थाना दनकौर पर मुकदमा अपराध संख्या 141/22 धारा 363/366 भादवि के तहत पंजीकृत किया गया। अभियुक्त द्वारा पूर्व में पीड़िता के साथ घर में घुसकर छेड़खानी की गयी थी। जिसके सम्बन्ध में मुकदमा अपराध संख्या 495/21 धारा 354,452 भादवि व 7/8 पोस्को एक्ट के तहत थाना दनकौर पर पंजीकृत किया गया था। अभियुक्त के विरूद्ध वर्ष 2022 में धारा 3/4 गुण्डा एक्ट की कार्यवाही की गयी जिसके तहत जिला बदर की कार्यवाही की गयी थी जो अवधि पूर्ण हो गयी है। अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है। जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

दिव्यांगजन शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना का लाभ उठाने के लिए दिव्यांग दम्पति कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

ग्रेटर नोएडा। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी गौतमबुद्धनगर आशीष कुमार सिंह ने जनपद के समस्त दिव्यांग दंपतियों का आह्वान करते हुए उन्हें जानकारी दी है कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांगजन शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत नव विवाहित दंपत्ति में केवल युवक के दिव्यांग होने की दशा में 15000 रुपए एवं केवल युवती के दिव्यांग होने की दशा में 20000 रुपए तथा युवक-युवती दोनों के दिव्यांग होने की दशा में 35000 रुपए धनराशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा की दिव्यांगजन उक्त योजना का लाभ उठाने के लिए विभागीय पोर्टल divyangjan.upsdc.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। ऑनलाइन आवेदन भरते समय आवेदक को दिव्यांगता प्रदर्शित करते हुए संयुक्त नवीनतम फोटोग्राफ, विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय कृत बैंक में संचालित संयुक्त खाते की पासबुक एवं युवक-युवती के आधार कार्ड, मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा निर्गत दिव्यांगता प्रमाण पत्र जो 40त्न से कम न हो, शादी के समय युवक की आयु 21 वर्ष से कम तथा 45 वर्ष से अधिक न हो एवं युवती की आयु 18 वर्ष से कम तथा 45 वर्ष से अधिक न हो। योजना में ऐसे दिव्यांग दंपत्ति पात्र होंगे, जिनका विवाह गत वित्तीय वर्ष एवं चालू वित्तीय वर्ष में हुआ हो। उन्होंने बताया कि दिव्यांगजन द्वारा निर्धारित वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन पत्र पूर्ण किये जाने के उपरांत प्रपत्रों की हार्ड कॉपी समस्त दस्तावेजों सहित कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी कमरा नंबर 107 विकास भवन सूरजपुर गौतम बुद्ध नगर में जमा करा सकते हैं।

पाठ्यक्रम में शामिल होंगे स्वतंत्रता के भूले बिसरे क्रान्तिवीरों की कहानियां: विनय सहस्त्रबुद्धे

'क्रांति स्मृति पर्व' पर 'भारत के अमर सपूत' पुस्तक का विमोचन

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय शिक्षा प्रणाली में भारतीय इतिहास को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है जिसके कारण नई पीढ़ी के विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चिंतन की कमी है जरूरत है कि पाठ्यक्रम में भूले विसरे क्रांतिकारियों की कहानियां शामिल की जाए। वर्तमान केंद्र सरकार अपने शिक्षण संस्थानों में इतिहास और संस्कृति के विस्मृत पन्नों को पुन: जोड़ने के प्रयास में लगी हुई है उक्त बातें आईसीसीआर के चेयरमैन और राज्यसभा सांसद विनय सहस्त्रबुद्धे ने आज दिल्ली के कन्स्टिट्यूसन क्लब में निर्विकल्प फाउंडेशन द्वारा आयोजित क्रांति स्मृति पर्व के तहत %भारत के अमर सपूत% स्मारिका के विमोचन समारोह में बोल रहे थे। सुप्रसिद्ध चित्रकार एवं इतिहास शोधार्थी स्व. अविनाश पुराणिक जी की स्मृति में आयोजित एक सेमिनार में सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्रीमती मल्लिका नड्डा ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर हमें स्वतंत्रता संग्राम के क्रान्तिवीरों के त्याग, बलिदान और शौर्य गाथाओं को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए। वरिष्ठ समाजकर्मी और वनवासी कल्याण आश्रम के प्रमुख स्तम्भ सदाशिवराव देवधर जी ने कहा कि भारत की आजादी में गुमनाम तरीके से लाखों लोगों द्वारा दी गई आहुतियों की कहानियों को नई शिक्षा प्रणाली की किताबों में शामिल किया जाना चाहिए।वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती अंजली कराड ने अपने सम्बोधन में बताया कि भारत सरकार आजादी के 75 वें वर्षगांठ पर देश भर में तिरंगा अभियान के माध्यम से जन जन तक क्रांतिकारियों की गाथा को ले जाने का प्रयास कर रही है।

जिसमें जन जन की भागीदारी बढ़ेगी और देश में राष्ट्रीय भावनाओं का जागरण होगा।भाजपा के पूर्व विधायक अनिल शर्मा ने इस अभियान को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। इस अवसर पर स्व.अविनाश पुराणिक जी धर्मपत्नी और सुप्रसिद्ध कवयित्री रोनिता पुराणिक ने स्व.अविनाश पुराणिक द्वारा क्रान्तिवीरों के इतिहास पर किये गए शोध को पाठ्यपुस्तकों में शामिल करने की मांग की। निर्विकल्प फाउंडेशन के अध्यक्ष भूपेंद्र चाहर ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय कवि विनय विनम्र ने किया।

कवि के. डी. पाठक ने अपनी अंत्योदय कविता से लोगों में चेतना का संचार किया। डॉ. प्रभात कुमार, जयदीप कपूर, संदीप मल्लिक, संतोष कुमार, नीतू जेटली, शशी प्रभा सहित अनेकों गणमान्य लोगों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

गलगोटिया विश्वविद्यालय में 'भारत छोड़ो आन्दोलन' का भव्य आयोजन

नोएडा। माननीय प्रधानमंत्री जी के आवाह्न पर आज़ादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत एक साँस्कृतिक कार्यक्रम में गलगोटियाज विश्वविद्यालय के एनएसएस के विद्यार्थियों ने नाट्य मंच के माध्यम से अंग्रेजों भारत छोड़ो आन्दोलन का किया भव्य आयोजन। विश्वविद्यालय की कुलपति डा0 प्रीति बजाज और विश्वविद्यालय एनएसएस के प्रमुख डॉ ए0 राम पांडे और नरेंद्र बहादुर सिंह व कपिल राजपूत ने दीप प्रज्ज्वलित करके भारत छोड़ो आंदोलन के कार्यक्रम की शुरुआत की।

इस माटी में है जन्म लिया, इस माटी में में मिल जाऊंगा इन पंक्तियों के साथ गलगोटिया विश्वविद्यालय के यूनिट 4, टीम शक्ति एनएसएस द्धारा आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर भारत छोड़ो आन्दोलन के नाट्य मंच की शुरूआत की गयी। गाँधी जी को अंग्रेजों द्वारा जेल में डालने और आम जनमानस के ऊपर बर्बरतापूर्ण अत्याचार करने जैसे दृश्यों ने सभी के मन को छुआ और वीर शहीदों की कुर्बानी को याद करके पूरा वातावरण भावुकता में बदल गया। इस के अलावा छात्रों द्वारा नृत्य, रोल प्ले, भाषण, कविता आदि जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया गया। शिक्षक भगवत प्रशाद शर्मा ने भी देश भक्ति की कविताएँ सुनाकर सभी को देश भक्ति के रंग में रंग दिया। इस आयोजन की आयोजक प्रांजलि मिश्रा ने अपने सम्बोधन में विद्यार्थियों से कहा कि राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में आपकी महत्त्वपूर्ण भूमिका है। जिसे आपको पूरी ईमानदारी के साथ निभाना है। एनएसएस के कॉरडिनेटर ए0 राम पाण्डेय और नरेंद्र बहादुर सिंह ने अपने भाषण में स्वतंत्रता के महत्व को बताया और कहा कि आज़ादी का ये अमृत महोत्सव देश के उन वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित है। जिन्होंने देश की आज़ादी के लिये अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आयोजन में प्रांजलि मिश्रा, ज्योति शर्मा, थान सिंह, भगवंत शर्मा, नरेंद्र बहादुर सिंह, कपिल राजपूत और मनीषा शर्मा जैसे विभिन्न विभागों के संकायों ने भी अपना उल्लेखनीय योगदान दिया है।

पुलिस ने निभाया फर्ज, चेयरमैन की मौजूदगी में हजारों की नकदी से भरा पर्स मालिक को लौटाया

कपिल शर्मा/गौरवशाली भारत

नॉगल चौधरी। स्वतंत्रता दिवस उपलक्ष्य आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर अमृत महोत्सव के अन्तर्गत शहर में शांति, सेवा, न्याय के पथ पर अग्रदूत पुलिस विभाग की सदैव अहम भूमिका रही है। शांतिपूर्ण माहौल विकसित करने व शहर की सड़कों व नाकों पर लोहे के बैरिकेड लगाकर कड़ी चौकसी कर रहे पुलिसकर्मियों द्वारा देश व समाज के रक्षक बनकर देवदूत की भांति देश की सेवा में अपना अहम योगदान दे रहे हैं। शहर में बुधवार को पुलिसकर्मियों द्वारा दैनिक गश्त के दौरान नाँगल चौधरी थाना मोड़ व बस स्टॉप स्थित व्यस्त भीड़ बाजार में रेहड़ी फल-सब्जी विक्रेता स्थानीय निवासी गिरधारी लाल सैनी ने पुलिस को बताया कि, उन्हें नकदी हजारों रुपये से भरा और अहम दस्तावेज रखा हुआ बटुआ मिला है। यह जानकारी उन्होंने नगरपालिका चेयरमैन प्रतिनिधि रमेश चंद्र सैनी को भी बताया। इस संबंध में थाना एसएचओ रामनाथ द्वारा दैनिक गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों व शहर के गणमान्य स्वजन एकत्रित होकर पर्स मालिक को लौटाया। थाना प्रभारी रामनाथ द्वारा मिली प्रतिक्रिया में बताया गया कि, मिले पर्स की तलाश में नकदी रुपये पाँच हजार एक सौ तीस (5130) और आई-कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस इत्यादि दस्तावेज पाए गए। लाइसेंस पर उल्लेखनीय संपर्क सूत्र से पीड़ित को संपर्क किया गया। जिन्हें सम्मान सहित समाज के सम्मानित सदस्यों की उपस्थिति में पर्स मालिक नया गाँव निवासी फतेहसिंह को लौटाया गया। नगरपालिका चेयरमैन प्रतिनिधि और थाना प्रभारी ने रेहड़ी फल-सब्जी विक्रेता स्थानीय निवासी गिरधारी लाल सैनी की इमानदारी नीति और कुशल व्यवहार की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने नांगल चौधरी शहर में इमानदारी की मिसाल कायम की है। बिना प्रलोभन के मिले हुए पर्स में हजारों की नकदी राशि की सूचना पुलिस को दी है। समाज में ऐसे महानुभाव का होना देश व समाज के हित में सार्थक है। इस बाबत थाना प्रभारी रामनाथ अपने कार्यालय में उपस्थित हेड कांस्टेबल विकास, सिपाही सूरेंद्र, मूकेश, महिपाल स्टॉफ़ सहित समाज के सम्मानित सदस्यों की मौजूदगी में पर्स प्राप्तकर्ता गिरधारी लाल सैनी को सम्मानित किया गया। इस संदर्भ में थाना में एकत्रित हुए नगरपालिका चेयरमैन प्रतिनिधि रमेश चंद सैनी, जगराम सैनी, गिरधारी लाल सैनी, हितेष व बटुआ मालिक फतेहसिंह समेत अन्य सम्मानित जन उपस्थित रहे।

आजादी के अमृत महोत्सव सप्ताह को उत्साह के साथ मनाए जाने की तैयारी शुरू

जिलाधिकारी ने ऑनलाइन बैठक करते हुए इस संबंध में समस्त संबंधित जिला स्तरीय अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप जनपद गौतमबुद्धनगर में आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत घर-घर तिरंगा अभियान एवं आजादी के अमृत महोत्सव सप्ताह को सरकार की मंशा के अनुरूप संपन्न कराने के उद्देश्य से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जिलाधिकारी सुहास एल वाई ने बुधवार को ऑनलाइन बैठक करते हुए समस्त संबंधित जिला स्तरीय अधिकारियों को इस संबंध में विस्तृत निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि आजादी के अमृत महोत्सव को जनपद में सरकार की मंशा के अनुरूप बहुत ही उत्साह के साथ संपन्न किया जाए।

इस संबंध में सरकार के माध्यम से एवं उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जो आदेश निर्गत हुए हैं सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों के द्वारा उनके अनुपालन में अपने-अपने विभाग की तैयारियां सुनिश्चित करते हुए आजादी के अमृत महोत्सव सप्ताह एवं घर-घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने की तैयारियां सुनिश्चित कर ली जाए ताकि संपूर्ण जनपद में आजादी का अमृत महोत्सव बहुत ही उत्साह के साथ संपन्न हो सके।

उन्होंने कहा कि घर-घर तिरंगा अभियान के तहत पूरे जनपद में 13 अगस्त से 15 अगस्त तक घर-घर एवं सभी संस्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। इस संबंध में समस्त अधिकारीगण अपने अपने क्षेत्र में सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए इस कार्यक्रम को सफल बनाने की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

राष्ट्रीय ध्वजों का वितरण सभी अधिकारी गण अपने अपने स्तर पर समयबद्धता के साथ सुनिश्चित कराएंगे ताकि जनपद में यह अभियान सरकार की मंशा के अनुरूप पूर्ण रूप से सफल बन सके।

उन्होंने इस अवसर पर यह भी कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव सप्ताह के तहत उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा विभिन्न कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारी गण एवं अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी गण सभी कार्यक्रमों को निर्धारित किए गए मानकों के अनुरूप जनपद में संपन्न कराने की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने समस्त अधिकारियों का आह्वान किया है कि आजादी से जुड़ा हुआ यह बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।

सभी अधिकारी गण विशेष रुचि लेकर आजादी के अमृत महोत्सव से जुड़े हुए कार्यक्रम को सफल बनाएं ताकि जनसामान्य में आजादी के प्रति एवं देशभक्ति के प्रति भावना और अधिक फलीभूत हो सके।

संपादकीय

नीतीश कुमार की गुगली से बिहार में बुरी तरह बोल्ड हो गयी है भाजपा

बिहार में अचानक हुए सत्ता परिवर्तन से भाजपा सकपका गई है। हालांकि अपनी झेंप मिटाने के लिए भाजपा के नेता कह रहे हैं कि हमें पहले से ही इस बात का आभास था कि नीतीश कुमार हमारा साथ छोड़कर राजद के साथ अपनी सरकार बनाएंगे। इसीलिए हमने उन्हें मनाने का कोई प्रयास नहीं किया। मगर ऐसी बातें कह कर भाजपा के नेता अपने मन को तसल्ली भले ही दे दें लेकिन अंदरखाने वह नीतीश कुमार की राजनीतिक गुगली से क्लीन बोल्ड हो चुके हैं। नीतीश कुमार ने बिहार की राजनीति में भाजपा को एक बार फिर पांच साल पूर्व वाली स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है। जिसकी भाजपा ने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। बिहार की राजनीति में एक बात तो साफ हो गई है कि सरकार चाहे किसी भी दल की बने सत्ता की चाबी हमेशा नीतीश कुमार के पास ही रहती है। तभी तो वह आठवीं बार मुख्यमंत्री बनने में सफल हुए हैं।

2020 के विधानसभा चुनाव में भाजपा, जनता दल यूनाईटेड (जदयू) गठबंधन ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था। जिसमें बड़ी मुश्किल से दोनों पार्टियों को बहुमत मिल पाया था। उस चुनाव में जहां भाजपा की ताकत में इजाफा हुआ था वहीं जदयू कमजोर पड़ी थी। भाजपा के विधायक 53 से बढ़कर 74 हो गए थे। वहीं जदयू के विधायक 71 से घटकर 43 पर आ गए थे। हालांकि बिहार में तीसरे नंबर की पार्टी होने के उपरांत भी भाजपा ने नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री बनाया था। मगर उनके साथ अपने दो-दो उपमुख्यमंत्री बना दिए थे। इसके अलावा विधानसभा अध्यक्ष के पद के साथ ही मंत्रिमंडल में भी भाजपा ने अपनी हिस्सेदारी अधिक रखी थी। अपनी मर्जी के हिसाब से काम करने वाले नीतीश कुमार को उस वक्त मजबूरी में भाजपा की शर्तें माननी पड़ी थीं। लेकिन मन ही मन वह भाजपा के व्यवहार से संतुष्ट नहीं थे।

2020 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार की हार का सबसे बड़ा कारण बिहार के दिग्गज नेता रहे रामविलास पासवान के पुत्र चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी द्वारा चुनाव लड़ना रहा था। उस वक्त चिराग पासवान की पार्टी ने भाजपा के सामने कहीं भी अपने प्रत्याशी नहीं उतारे। जबकि जनता दल यू के प्रत्याशियों के सामने हर सीट पर चुनाव लड़ा था। जिससे वोट कटने से नीतीश कुमार को नुकसान हुआ और उनके कई प्रत्याशी चुनाव हार गए। एनडीए गठबंधन में साथ होने के उपरांत भी चिराग पासवान द्वारा नीतीश कुमार के खिलाफ चुनाव लड़ने को नीतीश कुमार भाजपा की कारस्तानी ही मानते थे।

कई अवसरों पर नीतीश कुमार ने अपनी बात का इजहार करते हुए कहा भी था कि यदि भाजपा के बड़े नेता चाहते तो चिराग पासवान चुनाव मैदान में हट सकता था। मगर भाजपा के बड़े नेता उन्हें कमजोर करने के लिए ही पासवान को शह देते रहे थे। इसी के चलते चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी 134 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़कर मात्र एक बेगूसराय जिले की मतीहानी सीट मात्र 303 वोटों से जनता दल यू प्रत्याशी को हराकर जीत पाई थीं। लेकिन लोजपा 23 लाख 82 हजार 739 यानी 5.59 प्रतिशत वोट ले गई। जिसका सीधा नुकसान जेडीयू को उठाना पड़ा था। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जहां 110 सीटों पर चुनाव लड़ कर 82 लाख 2 हजार 67 वोट यानी 19.46 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। वहीं नीतीश कुमार की जदयू 115 सीटों पर चुनाव लड़ कर महज 64 लाख 50 हजार 179 यानी 15.39 प्रतिशत मत ही प्राप्त कर पाई थीं। वहीं राष्ट्रीय जनता दल ने 144 सीटों पर चुनाव लड़ कर 75 सीटों के साथ 97 लाख 38 हजार 855 वोट यानी 23.11 प्रतिशत मत प्राप्त किया था। आरजेडी के साथ महागठबंधन में शामिल कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़कर महज 19 सीटें ही जीत सकी थी। कांग्रेस को 39 लाख 95 हजार 319 यानी 9.48 प्रतिशत मत मिले थे। नीतीश कुमार का मानना था कि भाजपा अंदर ही अंदर उनकी पार्टी को कमजोर करके उनके वोट बैंक पर अपना प्रभाव जमा रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र प्रसाद सिंह को केंद्र में कैबिनेट मंत्री नीतीश कुमार ने बनाया था। मगर वह व्यवहार ऐसा करने लगे थे जैसे भाजपा के सांसद हों। कई बातों में उन्होंने नीतीश कुमार की भी जानबूझकर उपेक्षा की थी।

देश की सीमा पर देश की रक्षा एवं बहनों की सुरक्षा का अटूट विश्वास

रक्षाबंधन केवल बहनों द्वारा रेशमी धागों को भाइयों की कलाई में बांधने का त्यौहार ही नहीं है बल्कि देश के हर नौजवान से देश की सुरक्षा एवं राष्ट्र में निवासरत हर बहन के लिए रक्षा का वचन का त्यौहार भी है। बहन और भाइयों का यह पवित्र त्यौहार सावन की पूर्णिमा श्रद्धा सादगी और पवित्रता के साथ मनाया जाता है। जिस बहन ने भाई की कलाई में यह रक्षा सूत्र बांधा है भाई का फर्ज बन जाता है कि वह आजीवन अपनी बहनों की हर तरह से सुरक्षा के लिए प्रतिबंध बने। प्राचीन काल में यज्ञ तथा अनेक धार्मिक अनुष्ठानों को करते समय इस में सम्मिलित होने वाले लोगों की कलाइयों पर मंत्रों से सुभाषित सूत्र बांधा जाता था। यह परंपरा आज भी यथावत जारी रखी गई है सूत्र को यज्ञ शक्ति का प्रतीक समझकर यज्ञ स्थल पर सूत्र धारण करने वाले व्यक्ति की हर आपदा एवं उपद्रवों से रक्षा हेतु यह सूत्र कटिबद्ध माना गया है कालांतर में इसी रक्षा सूत्र का नाम रक्षाबंधन पड़ गया है। रक्षाबंधन के साथ यह विश्वास तथा धारणा बलवती हो जाती है कि जिस भाई को बहना ने रेशमी धागे से रक्षा सूत्र के द्वारा रक्षाबंधन किया गया है उस भाई की नैतिक कथा सामाजिक तौर पर धार्मिक जिम्मेदारी बनती है कि वह अपनी बहनों की हर तरह से सुरक्षा करें इसके अलावा देश की सीमा की भी रक्षा करें इसमें उसकी बहन निवासरत है। इस तरह देश और बहनों की रक्षा का यह पवित्र त्यौहार रक्षाबंधन के रूप में संपूर्ण राष्ट्र में एवं विदेशों में रहने वाले भारतीयों द्वारा हर वर्ष मनाया जाता है। पौराणिक और धार्मिक स्वरूप भी है इसकी पुराण में एक कथा है भगवान विष्णु वामन का रूप लेकर दानवों के राजा बलि का सर्वस्व छीन लेते हैं। इसके पश्चात भी विष्णु भगवान राजा बलि को धर्मच्युत न होते देख प्रसन्न होकर उसे पाताल लोक प्रदान करते हैं एवं उस पाताल लोक में स्वयं द्वारपाल बन जाते हैं। इन परिस्थितियों में विष्णु भगवान की पत्नी माता लक्ष्मी उन्हें ना पाकर अत्यंत चिंतित हैं विचलित हो जाती है भगवान नारद जी लक्ष्मी जी की चिंता का निवारण करते हुए बताते हैं कि विष्णु जी पाताल लोक में द्वारपाल बने हुए हैं, ऐसे में लक्ष्मी जी पाताल लोक के स्वामी बली को रक्षा सूत्र बांधकर वचन के रूप में अपने पति देव विष्णु जी को मांगती है राजा बलि रक्षाबंधन के पवित्र स्रोतों से बंध कर भगवान विष्णु को द्वारपाल के पद से मुक्त कर देते हैं और इन परिस्थितियों में रक्षाबंधन का महत्व पूर्ण कथाओं में श्रेष्ठ बंधन के रूप में माना जाने लगा है। वैसे तो इस पवित्र धागे को रक्षा के अनेक ऐतिहासिक प्रमाण भी दिए गए हैं तब से रक्षाबंधन का यह पवित्र भाव और बहन द्वारा रखी बांधने की परंपरा जोर शोर से प्रचलित हुई है। राजनीति में भी स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता के बाद रक्षाबंधन के बदले बहनों ने भाइयों से सामाजिक सुरक्षा एवं देश की रक्षा के वचनों को मांगा है एवं भारत की स्वतंत्रता प्राप्त की है। रक्षाबंधन में बहने रक्षा सूत्र बांधकर भाइयों मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं देती है और प्रत्युत्तर में भाई उनकी मांगी हुई मुराद पूरी करते हैं। आज हर त्यौहार का व्यवसायीकरण हो गया है। बहाने अपने धनिक भाइयों से कीमती वस्तुएं मांग लेती और भाई अपनी क्षमता के अनुसार उनकी मांग पूरी भी कर देते हैं। रक्षाबंधन पवित्रता का त्यौहार है, यह मानवीय भाव का बंधन है। यह प्रेम त्याग और कर्तव्य का बंधन भी है इस बंधन में एक बार बन जाने के बाद इसकी से विस्मित किया जाना अत्यंत कठिन होता है। इन रेशमि धागों में इतनी शक्ति होती है कि भाई बहनों और देश की रक्षा के लिए अपनी जान पर भी खेल जाते हैं। रक्षाबंधन के पर्व हमें संदेश देता है की स्त्री समाज की मुख्य अंग है और स्त्री जिस धरा, जिस भूमि पर, जिस देश में निवास करती है उस देश की भूमि की रक्षा तथा बहनों के प्रेम और सम्मान की सुरक्षा करना भाइयों का प्रथम कर्तव्य हो जाता है अतः सभी भाई बहनों को रक्षाबंधन की किस पवित्र त्यौहार की अनंत बधाइयां एवं शुभकामनाएं।

नीतीश 'सुशासन बाबू' से 'पलटू राम' कैसे हो गये?

ललित गर्ग

बिहार में 'सुशासन बाबू' कहलाने वाले नीतीश कुमार अब पक्के तौर पर 'पलटू राम' हो गये हैं। दो दिन की गहमागहमी के बाद उन्होंने पहले इस्तिफा देकर आखिर राज्यपाल से मुलाकात कर 160 विधायकों के समर्थन से सरकार बनाने का दावा भी पेश कर दिया। इसे अस्तित्व की लड़ाई कहें या राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा लेकिन यह सच है कि सत्ता की खातिर पाला बदलने में कोई दल पीछे नहीं रहता। लोकतांत्रिक मूल्य, प्रामाणिकता, राजनीतिक सिद्धान्त तो शायद राजनीतिक दलों के शब्दकोश से गायब ही हो गए लगते हैं। भले ही गठबंधन राजनीति में टूट-फूट नई बात न हो, और न ही जनादेश की अनदेखी किया जाना, लेकिन यह एक तथ्य है कि बार-बार पाला बदलने वाले दल अपनी साख गंवाते हैं। भारतीय राजनीति से नैतिकता इतनी जल्दी भाग रही है कि उसे थामकर रोक पाना किसी के लिए सम्भव नहीं है।

आज राष्ट्र पंजों के बल खड़ा राजनीतिक नैतिकता की प्रतीक्षा कर रहा है। कब होगा वह सूर्योदय जिस दिन राजनीतिक जीवन में मूल्यों के प्रति विश्वास जगेगा। मूल्यों की राजनीति कहकर कीमत की राजनीति चलाने वाले राजनेता नकार दिये जायेंगे। राजनीति की ये परिभाषाएं बदल जायेगी कि राजनीति के हमाम में सब नंगे हैं या राजनीति में न कोई स्थायी दोस्त होता है और न ही स्थायी दुश्मन। राजनीति हो, सामाजिक हो चाहे धार्मिक हो, सार्वजनिक क्षेत्र में जब मनुष्य उतरता है तो उसके स्वीकृत दायित्व, स्वीकृत सिद्धांत व कार्यक्रम होते हैं, वरना वह सार्वजनिक क्षेत्र में उतरे ही क्यों? जिन्हें कि उसे क्रियान्वित करना होता है या यूं कहिए कि अपने कर्तृत्व के माध्यम से राजनीतिक प्रामाणिकता को जीकर बताना होता है परन्तु आज इसका नितांत अभाव है। राजनीतिक मूल्यों के रेगिस्तान में कहीं-कहीं नखलिस्तान की तरह कुछ ही प्रामाणिक व्यक्ति दिखाई देते हैं जिनकी संख्या अंगुलियों पर गिनी जा सकती है। ऐसे लोगों का अभाव ही बार-बार तख्ता पलट करते हैं या गठबंधन को नकारते हैं।

यह सही है कि नीतीश कुमार के पास अब पहले से अधिक विधायकों का समर्थन होगा, लेकिन अब उनकी राजनीतिक ताकत पहले की तुलना में कम होगी, वे अब अपने हिसाब से शासन का संचालन करने में ज्यादा सक्षम नहीं होंगे। एक बड़ा सवाल यह भी है कि यदि नीतीश कुमार 77 सदस्यों वाली भाजपा के दबाव का सामना नहीं कर पा रहे थे, तो फिर 79 सदस्यों वाली राजद के दबाव से कैसे निपट पाएंगे? अब तो उन्हें राजद के साथ महागठबंधन के अन्य दलों को भी संतुष्ट करना होगा। यह आसान नहीं होगा, क्योंकि इस बार संख्या बल ही नहीं बल्कि नैतिक बल के मामले में जदयू ज्यादा कमजोर है। बिहार में सत्ता की चाभी भले ही जदयू के पास हो, लेकिन अब वह तीसरे नंबर की पार्टी रह गई है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जब नीतीश कुमार ने महागठबंधन को छोड़ा था तो इससे

आजिज आकर कि राजद नेता शासन संचालन में अनावश्यक हस्तक्षेप कर रहे थे और वह उसे रोक नहीं पा रहे थे। क्या इस बार वह ऐसा करने में सक्षम होंगे और वह भी ऐसे समय, जब सुशासन बाबू की उनकी छवि पर प्रश्नचिह्न लग चुके हैं और बिहार विकास के पैमाने पर पिछड़ा है। अब तो उसके और पिछड़ने का अंदेशा है। नीतीश कुमार को उन सवालों के भी जवाब देने होंगे, जिनके तहत वह राजद नेताओं के भ्रष्टाचार को रेखांकित किया करते थे।

जहां तक भाजपा की बात है, उसके सामने बिहार में अपने बलबूते अपनी जड़ें जमाने की चुनौती आ खड़ी हुई है और इस चुनौती को झेलने में वह सक्षम है। ताजा घटनाक्रम भाजपा के लिये शुभ एवं श्रेयस्कर साबित होगा। क्योंकि भाजपा जिन मूल्यों एवं सिद्धान्तों की बात करती है, वह उन्ही मूल्यों को आधार बनाकर अपने धरातल को मजबूत कर सकेगी। विशेष रूप से भाजपा को ध्यान रखना होगा कि बिहार की जनता के बीच उसे बिना सत्ता के एक नया विश्वास अर्जित करना है। आम लोग तो यही चाहेंगे कि बिहार के विकास के लिए विपक्ष और सत्ता पक्ष, दोनों ही ज्यादा ईमानदारी से काम करें। कोई शक नहीं, आने वाले कम से कम तीन-साढ़े तीन साल बिहार में जमकर राजनीति होगी, बिहार में बहुत काम शेष हैं और तेजस्वी यादव बखूबी कमियां गिनाते रहे हैं, अब उन्हें मौका मिल रहा है, तो लोगों की शिकायतों को दूर करें। लेकिन ऐसा होना संभव नहीं लगता, यही भाजपा के लिये सकारात्मक परिस्थितियों का निर्माण करेगा।

बिहार की राजनीति तो आदर्श की राजनीति मानी जाती रही है, जिसने अनेक नैतिक राजनीति के शीर्षक व्यक्तित्व दिये हैं। वहीं से भ्रष्टाचार एवं अराजकता की राजनीति को चुनौती देने के लिये जयप्रकाश नारायण से समग्र क्रांति का शंखनाद किया। जहां से हम प्रामाणिकता एवं नैतिकता का अर्थ सीखते रहे हैं, जहां से राष्ट्र और समाज का संचालन होता रहा है, अब उस प्रांत के शीर्ष नेतृत्व को तो उदाहरणीय किरदार अदा करना चाहिए। लेकिन अब वहां पद के लिए होड़ लगी रहती है, व प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाकर पद को येन-केन-प्रकारेण, लॉबी बनाकर प्राप्त करने के लिये गठबंधन टूटते है, तख्ता पलट होता है, तय मानकों को बदला जाता है। अरे पद तो क्रॉस है- जहां ईसा मसीह को टंगना पड़ता है। पद तो जहर का प्याला है, जिसे सुकरात को पीना पड़ता है। पद तो गोली है जिसे गांधी को सीने पर खानी होती है। पद तो फांसी का फन्दा है जिसे भगतसिंह को चूमना पड़ता है। सार्वजनिक जीवन में जो भी शीर्ष पर होते हैं वे आदर्शों को परिभाषित करते हैं तथा उस राह पर चलने के लिए उपदेश देते हैं। पर ऐसे व्यक्ति जब स्वयं कथनी-करनी की भिन्नता से प्रामाणिकता एवं राजनीतिक मूल्यों के हाशिये से बाहर निकल आते हैं तब रोया जाए या हंसा जाए। लोग उन्हें नकार देते हैं। ऐसे व्यक्तियों के जीवन चरित्र के ग्राफ को समझने की शक्ति/दक्षता आज आम जनता में है। जो ऊपर नहीं बैठ सका वह आज अपेक्षाकृत ज्यादा प्रामाणिक एवं ताकतवर है कि वह सही को सही और गलत को गलत देखने की दृष्टि रखता है। समझ रखता है। यह गौर करना भी जरूरी है कि आजादी के तुरंत बाद बिहार कहां खड़ा था और आज आजादी के अमृत महोत्सव में कहां खड़ा है?

राजनीति में जब नीति गायब होने लगती है तो बेमेल गठबंधनों के बनते भी देर नहीं लगती। और, इस बुराई के लिए कमोबेश सभी राजनीतिक दल समान रूप से जिम्मेदार हैं। देखा जाए तो सबकी नजर में 2024 का लोकसभा चुनाव है जहां 40 सीटों वाले बिहार की भूमिका भी अहम रहने वाली है। बिहार में नया सियासी गठबंधन कितना बदलाव लाएगा, यह भविष्य ही बताएगा। ऐसे में लंबे समय से कयास लगाए जा रहे थे कि नीतीश कुमार कभी भी भाजपा का साथ छोड़ सकते हैं। उनका झुकाव भी राष्ट्रीय जनता दल की तरफ अधिक देखने को मिल रहा था। तेजस्वी यादव के प्रति उनका नरम रुख प्रकट होने लगा था। मगर जब जनता दल (एकी) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह ने इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया तो परदे के पीछे चल रहा खेल सामने उभर कर आ गया।

दरअसल यह अवसरवादिता और मौकापरस्ती की हद है जिसका राजनीति में प्रतिकार होना चाहिए और ऐसे नेताओं को जनता द्वारा नकारा जाना चाहिए। वास्तव में बिहार का ही सबसे बड़ा दुर्भाग्य है कि इस राज्य में जातिवादी और परिवारवादी राजनीति ने इस प्रदेश की जनता के मौलिक अधिकारों से उनको वंचित किये हुए है और इस प्रांत के लोगों को भारत का सबसे गरीब आदमी बनाया हुआ है। जबकि बिहारियों का भारत के सर्वांगीण विकास में योगदान कम नहीं हैं, सबसे अधिक मेहनती एवं बुद्धिजीवी लोग यही से आते हैं। इसकी धरती में अपार सम्पत्ति छिपी है और भारतीय सांस्कृतिक इतिहास के स्वर्णिम अध्याय लिखे हुए हैं। इसके बावजूद इस राज्य में पर्यटन उद्योग का विकास नहीं हो पाया। जिस राज्य के पास नालन्दा विश्वविद्यालय के अवशेष हों उसके ज्ञान की क्षमता का अन्दाजा तो सदियां बीत जाने के बाद 21वीं सदी में भी लगाया जा सकता है। लेकिन दूषित राजनीति की कालिमाएं यहां के धवलित इतिहास को धुंधलाती रही है। यहां की राजनीति की सत्तालोलुपता एवं भ्रष्टता लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्वस्त करती रही है। जबकि प्रामाणिकता एवं सिद्धान्तवादिता राजनीतिक क्षेत्र में सिर का तिलक है और अप्रामाणिकता मृत्यु का पर्याय होती है। आवश्यकता है, राजनीति के क्षेत्र में जब हम जन मुखातिब हों तो प्रामाणिकता का बिल्ला हमारे सीने पर हो। उसे घर पर रखकर न आएं। राजनीति के क्षेत्र में हमारा कुर्ता कबीर की चादर हो। नीतीश बाबू जिस महागठबन्धन की सरकार अब चलायेंगे वह बिहार के विकास की गाड़ी को उल्टी दिशा में ले जायेगी।

लाल सिंह चड्ढा और रक्षा बंधन फिल्म को लेकर छिड़ी महाभारत से उड़ गयी है बॉलीवुड की नींद

नीरज कुमार दुबे

अभिनेताओं के हालिया बयानों की बात करें तो साफ प्रतीत होता है कि यह सामान्य जीवन में भी कई भूमिकाएं निभाते हैं। जब इनका मन होता है तो किसी के समर्थन में या विरोध में बयान दे देते हैं लेकिन जब इनकी फिल्म आने वाली होती है तो बड़ी शराफत से पेश आते हैं।

11 अगस्त गुरुवार को दो बड़े सितारों की फिल्में एक साथ रिलीज हो रही हैं। आमिर खान की लाल सिंह चड्ढा और अक्षय कुमार की रक्षा बंधन। ऐसा पहले भी कई बार हुआ है जब एक ही दिन दो बड़े सितारों की बॉक्स ऑफिस पर टक्कर हुई हो और दोनों ही फिल्में बेहद सफल रही हों। लेकिन इस बार मामला थोड़ा अलग है। इन दोनों फिल्मों को लेकर राजनीतिक महाभारत छिड़ी हुई है और दोनों ही फिल्मों के बहिष्कार के आह्वान किये जा रहे हैं। इससे आमिर खान की नींद और अक्षय कुमार के होश उड़ गये हैं। बहिष्कार के आह्वानों के चलते यदि फिल्में पिटीं तो इन सितारों की ब्राण्ड वैल्यू धराशायी हो जायेगी इसी बात को लेकर अक्षय और आमिर बेहद चिंतित नजर आ रहे हैं।

यही कारण है कि फिल्म अभिनेता आमिर खान ने कहा है कि वह अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म लाल सिंह चड्ढा के प्रदर्शन से पहले काफी बेचैन हैं और उन्हें रातों को नींद नहीं आ रही है। हम आपको बता दें कि आमिर की यह फिल्म 11 अगस्त को दुनिया भर में सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने वाली है। आमिर खान की आखिरी फिल्म ठग्स ऑफ हिंदुस्तान 2018 में आई थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर बहुत कमाल नहीं दिखा सकी थी। इसलिए सभी की नजरें इस बात पर हैं कि %लाल सिंह चड्ढा% क्या गुल खिलाती है। आमिर खान के प्रशंसक भी बड़ी संख्या में हैं और काफी समय से उनकी फिल्म की प्रतीक्षा कर रहे हैं लेकिन कुछ समय पहले अपने बयानों से विवाद मोल लेने वाले आमिर खान ने अपने विरोधी भी बड़ी संख्या में पैदा कर लिये हैं। यह विरोधी फिल्म का बैंड बजाने के लिए एकदम तैयार बैठे हैं। इसीलिए जब आमिर खान दिल्ली में अपनी फिल्म के प्रचार के लिए आये तो चिंता की लकीरें उनके माथे पर साफ नजर आ रही थीं। पीवीआर सिनेमा के 25 साल पूरा होने के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद जब पत्रकारों से बात कर रहे थे तब उनके चेहरे पर मुस्कान की जगह टेंशन ने ले रखी थी। इस बात को जाहिर करते हुए आमिर खान ने पत्रकारों से कह भी दिया कि मैं वास्तव में फिल्म के प्रदर्शन को लेकर काफी घबराया हुआ हूं और 48 घंटों से नहीं सोया हूं। उन्होंने कहा कि मैं इन सब चीजों से ध्यान हटाने के लिए ऑनलाइन शतरंज खेलता हूं, खुद को व्यस्त रखने के लिए किताबें पढ़ता हूं। लेकिन मेरा ध्यान हट ही नहीं रहा है। आमिर खान ने कहा कि मुझे लगता है कि मैं और फिल्म के निर्देशक अद्वैत चंदन 11 अगस्त के बाद ही सो सकेंगे।

हम आपको बता दें कि लाल सिंह चड्ढा में करीना कपूर खान, नागा चैतन्य और मोना सिंह भी अहम भूमिकाओं में हैं। इस कार्यक्रम के दौरान, आमिर खान ने दर्शकों से फिल्म देखने के लिए सिनेमाघरों में आने की अपील दोहराई और कहा कि यह बहुत सारे लोगों की वर्षों की मेहनत का फल है। उन्होंने कहा, अगर मैंने अपने किसी कदम से किसी को ठेस पहुंचाई है, तो मैं इसके लिए दुखी हूं। मैं किसी को आहत नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि अगर कुछ लोग मेरी फिल्म नहीं देखना चाहते हैं, तो मैं इसका सम्मान करूंगा। फिल्म के बहिष्कार के संबंध में सोशल मीडिया पर किए गए आह्वान के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में आमिर खान ने कहा, लेकिन मैं चाहता हूं कि अधिक से अधिक लोग फिल्म देखें। हमने काफी मेहनत की है। आमिर खान ने कहा कि फिल्म निर्माण एक टीम का प्रयास है। इसमें सिर्फ मैं ही नहीं हूं। दूसरी ओर अक्षय कुमार की बात करें तो उनकी फिल्म रक्षा बंधन का भी बहिष्कार किये जाने का आह्वान सोशल मीडिया पर हो रहा है। लाल सिंह चड्ढा फिल्म का जब तक बहिष्कार करने की बात हो रही थी तब तक अक्षय चुप थे लेकिन जैसे ही उनकी फिल्म निशाने पर आई वैसे ही वह बोल पड़े।

राखी के रंग और आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ के संग- कक्षा सातवीं की अदिति ने बनाई सबसे बड़ी राखी

श्री बी. एम .जैन स्कूल नालागढ़ में इस बार राखी प्रतियोगिता का थीम राखी के रंग आजादी की 75 वीं वर्षगांठ के संग को लेकर मनाया गया जिसमें एल .के.जी से लेकर प्लस टू तक के सभी विद्यार्थियों ने बढ़ -चढ़कर हिस्सा लिया पूरा देश आज तिरंगा लेकर देश भक्ति की राहों पर अग्रसर है तो राखी भी देश प्रेम से अछूती नहीं रह गई है श्री बी एम जैन स्कूल नालागढ़ की छात्रा अदिति शर्मा ने तिरंगे से प्रेरित होकर राखी का निर्माण किया और राखी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया । इस राखी के लिए अदिति का नाम ओ एम जी बुक ऑफ रिकार्डस में सम्मिलित किया गया है जिसे 2022 के संकलन में प्रकाशित किया जाएगा। इस राखी की लंबाई 75 सेंटीमीटर और चौड़ाई 60 सेंटीमीटर है। राखी प्रतियोगिता में सभी वर्ग के बच्चों ने भाग लिया इसमें संजय ,अक्षिता, मोहम्मद ,यशवी, पायल, आर्य ,स्वीटी, अन्वी ,परनीत ,रोहन, देशना ,जसप्रीत ,प्रणब ,परमिंदर ,शायरा, मानवी ,जतिन की राखियों को सर्वश्रेष्ठ बताते हुए प्रधानाचार्य प्रीति शर्मा %असीम% ने सभी बच्चों की राखियों की और उनकी मेहनत की बहुत प्रशंसा करते हुए बधाइयां दी। प्रधानाचार्य प्रीति शर्मा असीम प्रबंधक रमेश जैन और सैक्रेटरी दीपक जैन ने कीर्तिमान रिकॉर्ड के लिए अदिति शर्मा की राखी की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह राखी रिकॉर्ड में जाने से स्कूल का ही नहीं नालागढ़ का नाम भी रिकॉर्डस में आया है।

नारी सशक्तिकरण की चुनौतियां और समाधान

चंचल मूंदड़ा झंवर

नारी सशक्तिकरण एक गंभीर और जटिल सामाजिक प्रश्न है और देश के समक्ष एक चुनौती है। इस चुनौती का समाधान प्राप्त करने के लिए एक नहीं, अनेक प्रकार की रणनीतियों का प्रयोग करना पड़ेगा। यह सुविज्ञात तथ्य है कि समर्थ नारी ही समर्थ परिवार, समाज और देश को बनाती है। संसार के जो देश विश्व में अग्रगण्य हैं, वहां स्त्री शिक्षा का प्रतिशत तुलनात्मक रूप से अधिक है और वहां की स्त्रियों का स्वास्थ्य भी अपेक्षाकृत उच्च स्तरीय है। जो देश अविकसित और पिछड़े हुए हैं, वहां की स्त्रियां भी अशिक्षित, अर्द्ध शिक्षित और कुपोषित हैं। अत: कह सकते हैं कि नारी शिक्षा और स्वास्थ्य किसी देश के विकास के मूलमंत्र हैं। प्रोफेसर अमर्त्य सेन कहते हैं कि शिक्षा और स्वास्थ्य ही विकास की कुंजी है और इसमें प्राथमिकता नारी शिक्षा और स्वास्थ्य का ही होना चाहिए। जब हम एक बालक को शिक्षित करते हैं तो एक व्यक्ति शिक्षित होता है परंतु जब हम एक बालिका को शिक्षित करते हैं तो दो परिवार शिक्षित होते है। भारतीय समाज कई स्तरों पर बंटा हुआ है और इसलिए कोई एक रणनीति काम नहीं करेगी। हमें आवश्यकतानुसार अनेक रणनीतियां बनानी पड़ेगी। सबसे पहले हमें विविध क्षेत्रों की चुनौतियों की पहचान करनी होगी और उसके अनुसार हमें रणनीति बनानी पड़ेगी।

प्रथमत: हम ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली निर्धन वर्ग की स्त्रियों की बात करेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चियों को बचपन से ही गृह कार्य करने के लिए विवश होना पड़ता है।वे गृह कार्य में अपनी मां या अन्य स्त्रियों की सहायता करती हैं। पशुपालन और अपने से छोटे बच्चों की देखभाल करना भी उनके जिम्में आता है। शिक्षा के प्रति परिवार में जागरूकता का अभाव और संसाधनों की कमी के कारण, प्राय: बालिकाओं का विद्यालयों में पहुंचना कठिन हो जाता है। यदि बालिकाएं विद्यालय नहीं जा सकतीं तो विद्यालय को बालिकाओं के पास आना पड़ेगा। संपूर्ण नारी शिक्षा के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्प आवश्यक है। संकल्प से हर बाधा समाप्त की जा सकती है। विद्यालयों के औपचारिक समय के अतिरिक्त लड़कियों को शाम को या दोपहर के बाद उन्हें पढ़ाने की व्यवस्था की जानी चाहिए। यह आवश्यक नहीं कि वे औपचारिक विद्यालय में ही जाएं। वे गांव के सामुदायिक भवन में अथवा किसी मंदिर या बगिया में भी पढ़ाई जा सकती हैं। यहां शिक्षक और विद्यालय को बालिका तक पहुंचना होगा। पंचायती राज्य व्यवस्था में यह काम ग्राम सभाओं तथा पंचायतों के जिम्मे किया जा सकता है। स्वयंसेवी संस्थाओं और जागरूक लोगों को भी यह कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। ग्रामीण महिलाओं के बाद कस्बे अथवा शहर की लड़कियों के प्रश्न पर भी विचार किया जाना चाहिए। शहर में मलिन बस्तियों और झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाली लड़कियों की समस्या निम्न मध्य वर्ग, मध्यवर्ग, उच्च मध्यवर्ग और धनाढ्य वर्ग से भिन्न है। मलिन बस्तियों और झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाली लड़कियां बचपन से ही आसपास के घरों में घरेलू सहायक के रूप में कार्य करने लगती हैं। यह उनके परिवार की आय का साधन भी होता है। ऐसे में परिजन उन्हें पढने के लिए भेजकर अपने अर्थ उपार्जन करने वाले सदस्य को कम करने का साहस नहीं कर पाते क्योंकि उनकी आर्थिक स्थितियां बड़ी विकट होती है। अत: जिस प्रकार की रणनीति गांव के निर्धन लड़कियों के लिए बताई गई है, उसी प्रकार की रणनीति मलिन बस्तियों में तथा झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाली लड़कियों के लिए भी होनी चाहिए। जब उनका कार्य समाप्त हो जाए तब दोपहर बाद अथवा शाम को उनके पढ़ने की व्यवस्था की जाए। यह व्यवस्था नगर निगम के विद्यालयों, सामुदायिक भवनों अथवा मंदिर या पार्क में किया जा सकता है। निम्न वर्ग की समस्या भी लगभग वैसी ही है जैसी मलिन बस्तियों और झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाली लड़कियों की है। मध्यवर्ग की लड़कियों के पास साधनों का अभाव तो होता है परंतु मध्यवर्गीय मानसिकता के चलते उन्हें बाहर कुछ दिखावा भी करना पड़ता है। इस मन: स्थिति को परिवर्तित करने के लिए भागीरथ प्रयास होने चाहिए। उनकी आवश्यकताओं के अनुसार विद्यालयों का अध्यापन का समय एवं स्वरूप तय किया जाना चाहिए। उनकी शिक्षा औपचारिक माध्यमों से न कर अनौपचारिक माध्यमों से करना चाहिए। इतना ही नहीं, उनकी शिक्षा भी उनकी सामाजिक आवश्यकताओं के अनुकूल होनी चाहिए। उन्हें वह ज्ञान दिया जाना चाहिए जो उनके लिए उपयोगी हो। उच्च मध्यवर्ग और धनाढ्य वर्ग का संकट उनके अभिजात्य होने के कारण पैदा होता है। उनके लिए साधन तो सुलभ है परंतु शिक्षा प्राप्त करने की मनोवृति नहीं होती है। उच्च वर्ग और धनाढ्य वर्ग में लड़कियों को इसलिए पढ़ाया जाता है कि उन्हें कोई अच्छा वर मिल सके। ज्यों विवाह हुआ त्यों पढ़ाई समाप्त। उन्हें अपने ज्ञान का प्रयोग करने के लिए भी प्रेरित नहीं किया जाता है। अत: इन वर्गों की समस्या मूल रूप से दृष्टिकोण की है। उनके दृष्टिकोण परिवर्तन के लिए उनसे संवाद स्थापित करना और उन्हें प्रेरित करना चाहिए। उनके अभिभावकों को भी प्रेरित करना चाहिए। यहां भी हमें आवश्यकतानुसार रणनीति का विकास करना होगा। जिस तरह आंगन बाड़िया हैं उसी तरह गांवों और शहरों में नारी शिक्षा केंद्र भी होने चाहिए। ग्राम सभाओं, नगर परिषदों और नगर निगमों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से यह कार्य किया जा सकता है। परिवार का टूटना और विवाह विच्छेद शिक्षित और धनी वर्ग में बढ़ रहा है। अत:जीवन मूल्य और पारिवारिक मूल्य भी विकसित किये जाने चाहिए। शिक्षा के बाद प्रश्न आता है स्वास्थ्य का। यहां भी हमें परिस्थिति अनुसार ही रणनीति अपनानी होगी। हर लड़की और स्त्री का स्वास्थ्य परीक्षण कम से कम तीन माह में एक बार अवश्य किया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य संस्थाओं, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों को यह काम सौंपा जा सकता है। अनेक सेवाभावी डॉक्टर भी मात्र मानवीय दृष्टिकोण से प्रेरित होकर यह कार्य स्वयं कर सकते हैं। आवश्यकता है इन्हें प्रेरित करने और इनको कार्य करने का अवसर प्रदान करने की। इनके प्रयासों की सराहना भी होनी चाहिये।

भारतीय ग्रामीण परिवेश में गृहणियां प्राय: सबसे अन्त में भोजन करती हैं। यदाकदा उन्हें भरपेट भोजन भी नहीं मिलता है। यदि वे उचित और संतुलित भोजन नहीं करेंगी तो वे स्वस्थ कैसे रहेंगी? संतुलित भोजन तो सब को मिलना ही चाहिए। नारी का उचित और संतुलित भोजन सुनिश्चित करना परिवार का कर्तव्य होना चाहिए। गर्भावस्था में हर स्त्री के खानपान का उचित ध्यान रखा जाना चाहिए।

कुल मिलाकर देश को शक्तिशाली बनाने के लिए नारी को शक्तिशाली बनाना होगा और इसलिए उसके शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना होगा। शिक्षा और स्वास्थ्य पर क्या व्यय होता है, इसके नफे नुकसान की गणना नहीं करनी है, क्योंकि इसका लाभ तुरंत नहीं 20 - 25 वर्ष बाद दिखेगा।

यह ऐसा निवेश है जो हमारे समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए और सही अर्थों में भारत को विश्वगुरु के रूप में प्रतिष्ठित करने के लिए आवश्यक भी है। तभी हम पुन: गार्गी, लोपामुद्रा, और रेणुका जैसी महान नारियों को भारत भूमि में सृजित कर सकेंगे।

शार्ट न्यूज

बहराइच में सड़क हादसा, तेज रफ्तार डबल डेकर पलटी, आधा दर्जन से अधिक यात्री जख्मी

बहराइच। बहराइच-करनैलगंज रोड पर कटघरा कलां गांव के पास तेज रफ्तार डबल डेकर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घायल चालक को एक निजी क्लीनिक पर लाए जाने पर चिकित्सक ने इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया है। रानीपुर थाने के बहराइच- करनैलगंज रोड पर दिल्ली को चलाई जा रही तीन डबल डेकर बसे सुबह लगभग नौ बजे दिल्ली से हुजूरपुर आ रही थी। तीनों बसें काफी फासले पर थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बसों की रफ्तार काफी तेज थी। सबसे आगे आ रही डबल डेकर बस के आगे कटघरा कलां गांव के पास अचानक एक काला सांड़ सामने आ गया। उसे बचाने के प्रयास में आनियंत्रित होकर बस पलट गई। उसमें बैठे चालक सहित लगभग आधा दर्जन दर्जन यात्री घायल हो गए। दुर्घटना होते ही पीछे आ रही दोनों बसें रुकीं। घायल चालक रानीपुर थाने के जिगनिया महिपाल सिंह निवासी 35 वर्षीय अनीस पुत्र रज्जाक को आनन फानन में किसी निजी क्लीनिक पर ले जाकर इलाज कराया। चिकित्सकों ने घायल को डिस्चार्ज कर दिया। उसे परिजन घर ले गए हैं।

श्रावस्ती में गैस सिलेंडर से लगी आग, दुकानदार जिंदा जला

श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में गैस सिलेंडर से लगी आग से दुकानदार जिंदा जल गया जिससे उसकी जान चली गई। रामहेत पुत्र राम निधि गिलौला थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव बगनहा के मजरा खाकी दास पुरठवा के रहने वाले हैं। मोहर्रम होने की वजह से दुकान में समोसे आदि के ज्यादा मांग थे जिसकी वजह से जल्दी जल्दी काम राम हेत अपना कर रहा था। शाम को करीब 5ः30 बजे के आसपास अचानक से गैस सिलेंडर से गैस निकलने लगा और ऊपर लगे फूस के छप्पर में आग लग गई जिससे तुरंत ही बहुत ही तेजी के साथ छप्पर जलने लगा और उसको बुझाने के चक्कर में राम हेत ने अपनी जान गवा दी। मौके पर पहुंची गिलौला पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है जबकि पूरे परिवार में कोहराम मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि राम हेत ही घर का मुखिया था और उसी से घर चलता था।

प्रसपा की नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) से दूरी बनाने के बाद प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर अपनी पार्टी को नये सिरे से सजाना संवारना शुरू कर दिया है। इस कड़ी में प्रदेश अध्यक्ष की बागडोर अपने पुत्र आदित्य यादव को सौंपने के बाद उन्होने बुधवार को पार्टी की नई प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्यों की घोषणा की। 97 सदस्यीय कार्यकारिणी में अलीगढ़ के रक्षपाल सिंह और लखनऊ के फरहत हसन खां को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है जबकि अजय त्रिपाठी प्रदेश प्रमुख महासचिव होंगे। पार्टी मे 19 प्रदेश महासचिव बनाये गये है। प्रदेश कार्यकारिणी में अल्पसंख्यक समुदाय के अलावा सवर्ण,पिछड़े और दलित वर्ग का विशेष ध्यान रखा गया है। लखनऊ के संदीप मौर्य कोषाध्यक्ष नियुक्त किये गये है। हालांकि कार्यकारिणी की लंबी चौड़ी लिस्ट में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम है। शिवपाल ने कल यानी मंगलवार को अपने पुत्र आदित्य यादव को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाये जाने की घोषणा की थी।

झांसी में महिला ने फांसी लगाकर जान दी, बीमारी से परेशान रहती थी

झांसी। झांसी में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह बीमारी से परेशान रहती थी। पति के मंदिर जाने के बाद उसने अपनी बच्चियों को खेलने के लिए बाहर भेज दिया। इसके बाद उसने सुसाइड किया। पुलिस ने शव को मोर्चरी पर रखवाया है। चिरगांव थाना क्षेत्र के पुरानाद गांव निवासी इंद्रा देवी उर्फ शिवकुमारी (38) हाउसवाइफ थी। पति विनोद कुमार ने बताया कि पत्नी इंद्रा देवी बीमार रहती थी। इसको लेकर वह काफी परेशान रहती थी। बुधवार को वह मंदिर पर कीर्तन में शामिल होने के लिए चला गया। इसके बाद इंद्रा ने बच्चियों को खेलने के लिए घर के बाहर भेज दिया। कुछ देर बाद सबसे छोटी 6 साल की बेटी घर पर पहुंची तो मां फंदा पर लटकी थी। उसने बाहर आकर पड़ोसियों को बताया कि मां रस्सी पर लटकी हैं। इसके बाद पड़ोसी एकत्र हो गए और परिजन भी पहुंच गए। पुलिस ने आकर शव को नीचे उतारा। पति विनोद कुमार मजदूरी करता है। विनोद व इंद्रा की शादी को 18 साल हो चुके हैं। उनकी 5 बेटियां है। बड़ी बेटी का रिश्ता तय हो चुका है। अगले साल उसकी शादी होनी थी। मां की मौत के बाद घर में कोहराम मच गया। बेटियों का रो रोकर बुरा हाल है।

आवारा डॉग्स की आबादी पर लगेगी रोक

प्रयागराज। प्रयागराज में एक लाख से भी अधिक आवारा डॉगी सड़कों पर हैं। शहर के गली,मोहल्लों सहित बाहरी कॉलोनियों में भी कुत्तों का आतंक देखने को मिल रहा है। ऐसे में इनकी संख्या को नियंत्रित करने के लिए नगर निगम ने एक बार फिर से कवायद शुरू कर दी है। इसी के तहत डॉग्स का बधियाकरण करने के लिए टेंडर निकाला गया है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही एजेंसी का चयन कर इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगा। पिछले साल भी बधियाकरण के लिए नगर निगम ने टेंडर निकाला था। मगर, किसी एजेंसी ने इसमें रुचि नहीं ली थी। शहर में आवारा डॉग्स के बधियाकरण और घायल डॉग के इलाज के लिए करेलाबाग में एक अस्पताल का निर्माण भी कराया जाएगा। इसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है। पशुधन अधिकारी डॉ. विजय अमृतराज बताया, करेलाबाग में नगर निगम की एक बिल्डिंग में अस्पताल खोलने की तैयारी नगर निगम कर रहा है। उन्होंने आगे बताया,एनिमल बर्थ कंट्रोल सिस्टम के तहत आवारा डॉग्स को पकड़कर उनका बंधियाकरण और टीकाकरण के लिए अस्पताल ले जाया जाएगा। प्रक्रिया पूरी होने के बाद फिर से डॉग्स को उसी स्थान पर छोड़ दिया जाएगा। इसके अलावा सड़क पर मिले घायल डॉग्स का भी उसी अस्पताल में इलाज होगा। पशुधन अधिकारी ने बताया कि इससे डॉग्स की संख्या नहीं बढ़ेगी और वे खतरनाक नहीं होंगे।

लुटेरे को गैंगस्टर एक्ट में साढे तीन साल की कैद

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर कोर्ट ने लूट और चोरी करने वाले दोषी को साढ़े तीन साल कैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दोषी पर 5 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अभियोजक दिनेश पुंडीर एवं राजेश कुमार ने बताया कि 12 जुलाई 2019 को महिला शशिगुप्ता अपने भाई से मिलकर कोतवाली क्षेत्र की पुरानी तहसील पार्किंग में खड़ी गाड़ी के पास पहुंची थी। बताया कि उनके पति दोपहर करीब पौने तीन बजे पार्किंग से कार बाहर निकाल रहे थे। तभी एक बदमाश मोटर साईकिल पर सवार होकर आया। बदमाश ने अचानक झपट्टा मारकर शशि गुप्ता का पर्स लूट लिया और फरार हो गया। पीछा करने पर भी बदमाश हाथ नहीं आया। पर्स में 8 हजार रुपए नगद और कगजात थे। उन्होंने बताया कि दूसरी घटना महिला आरक्षी मीनाक्षी से संबंधित है। मीनाक्षी गाजियाबाद से छुट्टी लेकर चरथावल जाते समय चरथावल बस डिपो पर पहुंची थी। उसी समय एक बदमाश मीनाक्षी का मोबाइल चोरी कर फरार हो गया। इन घटनाओं की पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी संदीप सिंह ने बताया कि शहर कोतवाली थाने के उप निरीक्षक नेत्रपाल ने दो बदमाशों को पकड़ा। जिनसे चोरी तथा लूट का माल, रुपए और मोबाइल बरामद हुए। उन्होंने बताया कि पकड़े गए बदमाशों में शादाब पुत्र अकील तेली निवासी हंडिया मोहल्ला, घास मंडी थाना सिविल लाइन और अबरार पुत्र भूरा निवासी मोहल्ला मुस्तफ़ा शेर पुर कोतवाली को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गैंग बनाकर अपराध कारित करने पर पूर्व प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अनिल कुमार कपरवान ने इन दोनों आरोपियों का गैंगेस्टर एक्ट में चालान किया और पूर्व थानाध्यक्ष सिविल लाइन समय पाल अत्रि ने आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया। उन्होंने बताया कि आरोपी शादाब की पत्रांवली प्रथक कर गैंगस्टर कोर्ट ने सुनवाई की। इसके बाद शादाब को तीन साल 6 महीने का कारावास और 5 हजार रुपए जुर्माना लगाया है।

स्वतंत्रदेव सिंह का यूपी विधान परिषद के नेता पद से इस्तीफा

डिप्टी सीएम केशव मौर्य को बड़ी जिम्मेदारी

लखनऊ। यूपी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने विधान परिषद में नेता पद से इस्तीफा दे दिया है।

उन्होंने इस्तीफा देकर सभी को चौंका दिया। दरअसल पार्टी ने उन्हें जल्द ही यह जिम्मेदारी सौंपी थी। वहीं उनके इस्तीफे बाद डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को नए विधान परिषद के नेता के तौर जिम्मेदारी दी गई है। बता दें कि स्वतंत्र देव सिंह ने इससे पहले जुलाई में यूपी प्रदेश अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया था।

आपको बता दें कि प्रदेश के जलशक्ति एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्वतंत्र देव सिंह विधान परिषद में नेता सदन बनाया था। विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने 22 मई 2022 से उन्हें नेता सदन के रूप में मान्यता दी थी। इससे पहले डॉ. दिनेश शर्मा उप मुख्यमंत्री के रूप में विधान परिषद में नेता सदन थे।

स्वतंत्र देव सिंह कुर्मी समाज से आते हैं जिसे यूपी में पिछड़ी जाति माना जाता है। स्वतंत्र देव सिंह बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी से साइंस ग्रेजुएट हैं। स्वतंत्र देव सिंह ने 1986 में एक दैनिक अखबार में बतौर रिपोर्टर अपने करियर की शुरूआत की थी। योगी सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान भी स्वतंत्र देव सिंह को मंत्री बनाया गया था। इससे पहले वो बीजेपी में वाइस प्रेसिडेंट और जनरल सेक्रेट्री समेत कई अलग-अलग पदों पर रहे। साल 2019 में स्वतंत्र देव सिंह को यूपी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया।

आगरा में तेज धूप निकलने से बढ़ी गर्मी और उमस

आगरा। आगरा में कल यानी बुधवार को बारिश के कोई आसार नहीं बन रहें। सुबह तेज धूप निकली, इससे गर्मी बढ़ गई है। आसमान में जब हल्के बादल उमड़ने लगते हैं तो कुछ देर के लिए धूप से राहत मिल जाती है लेकिन उमस बढ़ने से बुरा हाल होने लगता है। मौसम विभाग का पूर्व अनुमान है कि आज न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस रहेगा। रात में मौसम में कुछ बदलाव आ सकता है और गुरुवार को आसमान में फिर घने बादल छा सकते हैं। गुरुवार शुक्रवार को बूंदाबांदी हो सकती है। हल्की बारिश या बूंदाबादी होने से शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 25 डिग्री और अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। आगरा में एक तरफ जहां कोरोना मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पिछले दो दिन में 36 नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं।

पूर्णिमा के अगले दिन महोबा में मनाया जाता है रक्षा बंधन

एजेंसी

महोबा। भाई.बहन के अटूट प्रेम के प्रतीक पर्व रक्षाबंधन का पर्व देश.दुनिया मे सावन की पूर्णिमा पर सम्पन्न किया जाता है मगर उत्तर प्रदेश के महोबा में लीक से हटकर इसे अगले दिन मनाया जाता है। तब यहां बहनों द्वारा भाई की कलाई पर राखी बांधी जाती है साथ ही कजली का विसर्जन भी किया जाता है।

समृद्ध संस्कृतिक विरासत और लोक परंपराओं के लिए चर्चित बुंदेलखंड की कजली का अपना विशेष महत्व है। दूसरे क्षेत्रों से अलग बुंदेलों ने यहां इसे आन.बान.शान से जोड़कर रखा गया है। तभी तो कजली से जुड़ी 841 वर्ष पुरानी उस घटना को वह विस्मृत नही कर पाते जिसमें महोबा को संकट से उबारने में रणबांकुरे आल्हा और ऊदल ने अप्रतिम युद्ध कौशल का प्रदर्शन कर इतिहास रचा था।

जगनिक शोध संस्थान के महासचिव और रिटायर्ड प्रोफेसर डा0 वीरेंद्र निर्झर बताते है कि महाकाब्य 'आल्हा' में उल्लिखित यह विशिष्ट वाक्या सन 1182 का है जब चंदेल साम्राज्य की यश,कीर्ति और वैभव की चर्चा चहुंओर होने पर दिल्ली के नरेश पृथ्वी राज चौहान ने महोबा में आक्रमण कर दिया था।

डा निर्झर ने बताया कि तब पृथ्वीराज के पुत्र करिया के नेतृत्व में आई सेना ने पूरे नगर की चारो ओर से घेराबंदी करके चंदेल नरेश परमर्दिदेव परमालद्ध को एक प्रस्ताव पहुंचाया जिसमे युद्ध टालने के लिए उनका अधिपत्य स्वीकार करने एवं पांच प्रमुख चीजों को सौंपे जाने की मांग की थी। इसमे लोहे को छुलाने पर स्वर्ण में परिवर्तित कर देने वाली 'पारस पथरी', नोलखा हार, बेंदुला घोड़ा और चन्देल राजकुमारी चंद्रावल का डोला शामिल था।

मुरादाबाद में दो इनामी बदमाश गिरफ्तार

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में पुलिस ने अलग अलग मुठभेड़ की घटनाओं में दो ईनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में बदमाशों के अलावा व आरक्षी भी घायल हुए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि थाना पाकबडा क्षेत्रान्तर्गत बीती रात हुई मुठभेड़ के दौरान पुलिस को चकमा देकर फरार हुए बीस हजार रूपये के ईनामी बदमाश आमिर को आज तडके चेकिंग के दौरान थाना कुन्दरकी पुलिस से हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। गौरतलब है कि इससे पहले पाकबड़ा थानाक्षेत्र में मंगलवार रात बदमाशों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई थी। जिसमें गोली लगने से दस हजार का इनामी बदमाश घायल हो गया था,जबकि उसका दूसरा साथी आमिर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था फरार होने वाले बदमाश आमिर को पुलिस ने चंद घंटों में गिरफ्तार कर लिया है। इससे पूर्व मंगलवार बीती रात गोली लगने से घायल हुआ बदमाश रफी मूंढापांडे थाना क्षेत्र के खानपुर चमरुआ निवासी है। उस पर दस हजार रुपये का इनाम घोषित है। पाकबड़ा अगवानपुर बाईपास पर बदमाशों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर पुलिस ने बदमाशों को पाकबड़ा क्षेत्र में ही औरंगाबाद के मोड़ पर घेर लिया था। बदमाशों ने खुद को घिरा देख पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की तो बदमाश रफी के पैर में गोली लगी और वो मौके पर ही गिर गया। जबकि उसका साथी मौके से भागने में कामयाब हो गया। इसी दौरान गिरने से सिपाही अंकित तेवतिया घायल हो गया।

मंत्री राकेश सचान लगाएंगे सजा खत्म करने की गुहार

वकीलों ने की तैयारी; सीसीटीवी कैमरों से लैस होगी कचहरी

एजेंसी

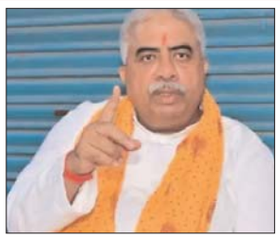

कानपुर। यूपी के एमएसएमई मंत्री राकेश सचान की सजा के खिलाफ सोमवार को अपील दाखिल की जाएगी। उनके वकीलों ने इसकी तैयारी कर ली है। जिला जज की कोर्ट में इसे खत्म करने की गुहार लगाई जाएगी। उधर, राकेश सचान प्रकरण के बाद प्रशासन कचहरी परिसर को सीसीटीवी कैमरों से लैस करने की योजना पर काम कर रहा है।

राकेश सचान से जुड़े सूत्रों के अनुसार मंत्री के वकीलों द्वारा घटना को लेकर पूरी स्थिति से कोर्ट को अवगत कराकर जमानत पर रिहा हुए मंत्री को बरी कराने का प्रयास किया जाएगा। नौबस्ता थानाध्यक्ष ब्रजमोहन उदेनिया ने 13 अगस्त 1991 को आर्म्स एक्ट के तहत राकेश सचान के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। उसी मामले में एसीएमएम तृतीय आलोक यादव की कोर्ट ने मंत्री को एक साल की सजा और 1500 रुपये का जुर्माना लगाया था। उन्हें 15 दिन में अपील करने की अनुमति देकर जमानत पर रिहा कर दिया गया था। हालांकि राकेश सचान जमानत पर रिहा होने के बाद जाते समय कोर्ट के फैसले से संतुष्ट नजर नहीं आए थे।

अब वह फिर से अपील करने की तैयारी कर रहे है। बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री कपिल दीप सचान ने बताया कि यह मामला छात्र राजनीति के दौरान का है और 31 साल पुराना है। राजनीतिक द्वेष में झूठा आरोप लगा राकेश को फंसाया गया था। अदालत के फैसले पर अब सेशन कोर्ट में अपील की तैयारी है। इसकी रूपरेखा तैयार की जा रही है।

मंत्री राकेश सचान कोई पत्रावाली लेकर गायब नहीं हुए थे। कोर्ट का सम्मान करते हुए सजा के आदेश पर अपील की पूरी तैयारी शुरू कर दी गई है। जिला जज की कोर्ट में सोमवार को अपील दाखिल करके मंत्री को रिहा करने की मांग की जाएगी। दो धाराओं में एसीएमएम तृतीय कोर्ट ने पहले ही बरी कर दिया है। अदालत पर पूरा विश्वास है।

नरेश चंद्र त्रिपाठी, बार अध्यक्ष कानपुर

गोरखपुर में 11 साल के बच्चे से हैवानियत के बाद हत्या कर कुएं में फेंकी लाश

गोरखपुर। गोरखपुर में एक दरिंदे ने ब्रह्मभोज से घर लौट रहे 11 साल के बच्चे का अपहरण कर लिया। उसे एकांत में ले जाकर हैवानियत की और लाश कुएं में फेंक दी। बच्चा 2 अगस्त की रात से गायब था। पिछले रविवार को उसकी लाश कुएं में मिली। पुलिस ने आरोपित चंदन को गिरफ्तार कर लिया है। उसने अपना गुनाह कबूल लिया है। मंगलवार को पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया।

चिलुआताल थाना क्षेत्र का एक बालक दो अगस्त की शाम को गांव में एक व्यक्ति के यहां ब्रह्मभोज में शामिल होने गया था। देर रात तक घर न लौटने पर परिवारीजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की लेकिन कहीं पता नहीं चला। दो अगस्त की रात को ही बालक की मां ने चिलुआलाल थाने की मजनू चौकी पर पहुंच सूचना दी।

रविवार रात आठ बजे मीरपुर गांव के लोग टहल रहे थे। गांव के बाहर कुएं से दुर्गंध आने पर चेक किया तो उसमें बच्चे का शव दिखा। पीएम रिपोर्ट में बच्चे के साथ हैवानियत पुष्टि हुई। पिता ने गांव के चंदन के खिलाफ तहरीर दी थी। चंदन ने जुर्म कबूल लिया है।

सिर और सीने की हड्डी तोड़कर ली जान

पूछताछ में पता चला है कि चंदन ने ब्रम्हभोज से घर लौट रहे बालक को रास्ते से अगवा कर लिया और सुनसान स्थान पर ले जाकर अप्राकृतिक दुष्कर्म के लिए दबाव बनाने लगा। बच्चे के विरोध करने पर उसकी पिटाई कर दी। बच्चे के सीने चढ़कर हड्डियां तोड़ दी थीं। कुकर्म के बाद हत्या कर शव छिपाने के लिए कुंए में डाल दिया। पीएम रिपोर्ट में सिर व सीने के साथ ही शरीर में कई जगह हड्डिया टूटी मिलीं। मल द्वार पर भी चोट के गहरे निशान मिले हैं जो हैवानियत को दर्शाता है।

छेड़खानी और पॉक्सो में जा चुका है जेल

आरोपित चंदन शादीशुदा है। वह एक बच्चे का पिता भी है। चंदन के खिलाफ 2017 में छेड़खानी और पाक्सो का केस दर्ज हुआ था। छह महीने पहले भी उसने एक किशोरी से छेड़खानी की थी लेकिन गांव में पंचायत के बाद घटना दब गई थी।

बुलंदशहर में सिपाही ने की आत्महत्या

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर जिले के ककोड़ थाना क्षेत्र में दिल्ली पुलिस के एक सिपाही का शव बुधवार को घर के कमरे की छत से रस्सी पर लटका हुआ मिला है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि ग्राम अमीपुर बागढ़ निवासी अमित (39) दिल्ली पुलिस में सिपाही था। परिजनों के अनुसार अमित मंगलवार को ही छुट्टी पर अपने गांव आया था। आज उसका शव घर के एक कमरे में छत से रस्सी से लटका मिला। इसकी सूचना परिजनों ने पुलिस को दी। ककोड़ के थाना प्रभारी प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और सिपाही के शव को नीचे उतारा। पुलिस मामले को आत्महत्या मान रही है। थाना प्रभारी प्रताप सिंह के अनुसार शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम को भेजा है। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस आगे की कार्यवाही करेगी।

झांसी में भाजपा ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

झांसी। उत्तर प्रदेश की वीरांगना नगरी झांसी में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत तिरंगा यात्रा बाइक रैली का बुधवार को भव्य आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित किये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के क्रम में ही इस तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ प्रदेश के जल शक्ति एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने किया। यहां मुक्ताकाशी मंच से शुरू हुई तिरंगा यात्रा में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री की अगुवाई में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता देश की आन बान और शान के प्रतीक तिरंगे को अपनी बाइक पर लगाकर डीजे की धुनों पर गाते हुए निकले। मुक्ताकाशी मंच से शुरू होकर यह यात्रा तहसील चौराहे से खंडेराव गेट, कोतवाली, सिंधी तिराहा, रानी महल, मिनर्वा चौराहा, सैंयर गेट, गोविंद चौराहा, इलाइट, चित्रा चौराहा ,बीकेडी से जीवनशाह चौराहा से होकर मुक्ताकाशी मंच पर ही समाप्त हुई। बड़ी संख्या में तिरंगा थामे उत्साही लोगों का हुजूम जब सड़कों पर निकला तो जहां भी पहुंचा स्थानीय लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। इस दौरान महानगर के रास्ते तिरंगे के तीन रंगों से पूरी तरह से सराबोर नजर आये। मुख्य अतिथि प्रदेश कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव के साथ झांसी शहर विधायक रवि शर्मा, बबीना विधायक राजीव सिंह पारीछा, महापौर रामतीर्थ सिंघल और भाजपा जिलाध्यक्ष मुकेश मिश्रा एक जीप पर सवार नजर आये। त्योहारी मौसम के बीच आयोजित की गयी इस तिरंगा यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन ने भी चाक चौबंद व्यवस्थाएं की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शिवहरि मीणा ने बताया कि यात्रा के कारण लोगों को कम से कम परेशानियों का सामना करना पड़े इसके लिए यात्रा मार्ग को देखते हुए मार्गों में बदलाव किया गया है और जन सामान्य को इस बारे में सूचित भी किया गया है।

आगरा में कलेक्ट्रेट पर मुस्लिमों का प्रदर्शन

आगरा। आगरा के लोहामंडी क्षेत्र में पारस बिल्डिंग के पास बनी दरगाह गायब होने का मामला गर्मा गया है। आज यानी बुधवार को मुस्लिम समाज के लोग जुलूस के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां आरोपियों के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। सर्व समाज हित सेवा समिति के अध्यक्ष मोहम्मद कामिल अबुल उलाई के नेतृत्व में युवाओं ने प्रदर्शन किया। युवाओं का आरोप था कि पारस पल्स बिल्डिंग के पास दरगाह मुश्ताक शाह बाबा को मुकेश जैन और गौरव भार्गव समेत 8-10 अज्ञात लोगों ने गायब किया है। यह रातों रात जेसीबी से तुड़वाई गई है। आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया जाए। साथ ही दरगाह को पुन: बनाया जाए। पारस पल्स बिल्डिंग खतैना रोड, थाना लोहामंडी आगरा में है। मुस्लिम समाज के लोगों का कहना था कि यहां 200 वर्ष पुरानी दरगाह थी, जिसका वक्फ संख्या- 455 आगरा है। यह उत्तर प्रदेश सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड के अभिलेखों में दर्ज है। दरगाह के आसपास एक बिल्डिंग बनाकर विक्रय की गई। गत 6 अगस्त की रात्रि को करीब 12 बजे आरोपियों ने दरगाह को जेसीबी से तोड़कर हटा दिया। उस वक्त कॉलोनी के लोग सोए हुए थे। आसपास की लाइटें बंद कर दी गईं। सुबह दरगाह की सेवा करने वाले लोगों को इसकी जानकारी हुई तो विरोध किया गया। मौके पर पुलिस पहुंची ने दरगाह पुन: बनवाने का आश्वासन देकर लोगों शांत कर दिया था।

भगवा दुपट्टा पहनने पर महिला की पिटाई

आगरा। आगरा में 1 हिन्दूवादी संगठन से जुड़ी महिला ने गले में केसरिया दुपट्टा पहनने पर मारपीट और गहने लूटने का आरोप लगाया है। लोगों की मदद से 1 आरोपी को पुलिस के हवाले किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हिंदूवादी संगठन की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव पर धाकरान से अर्जुन नगर तक तिरंगा यात्रा निकाली गई थी। महिला का आरोप है कि वो तिरंगा यात्रा से वापस लौट रही थी। इसी दौरान सिकंदरा चौराहे पर 1 ऑटो यूपी 80 0824 में 3 लड़के बैठे थे। मेरे गले में भगवा दुपट्टा देखकर उन्होंने उससे अभद्रता शुरू कर दी।

बरेली में निर्माणाधीन पानी टंकी का लिंटर गिरा, 19 दबे, दो गंभीर

बरेली। उत्तर प्रदेश में बरेली के इज्जतनगर क्षेत्र में मंगलवार देर रात पानी की टंकी का लिंटर डालना दुर्घटना का कारण बन गया। निर्माणाधीन लिंटर भरभराकर मजदूरों पर गिर गया जिसके मलबे में 19 मजदूर दब गए जिसमें दो की हालत गंभीर बनी हुई है।

निर्माण के समय जल निगम का कोई अवर अभियंता उपस्थित नहीं था। जिला प्रशासन ने इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं।

सूत्रों ने बताया कि इज्जतनगर में नगरिया परीक्षित में जल निगम 5.13 करोड़ रुपये से पानी की टंकी बनवा रहा है। यह कार्य रामपुर की फर्म अब्दुल रऊफ एंड संस को दिया गया। ठेकेदार मंयक गौड़ काम देख रहे है। मंगलवार रात लिंटर डाला जा रहा था। मजदूरों के अनुसार, रोशनी कम होने से यह पता नहीं चल सका कि एक छोर पर निर्माण सामग्री ज्यादा डाल दी गई। वजन अधिक होने से पहले एक छोर, फिर पूरा निर्माणाधीन लिंटर गिर गया। सूचना पर सीओ तृतीय साद मियां खान एंबुलेंस लेकर पहुंचे। आसपास के लोगों की सहायता से मलबे में दबे मजदूरों को निकालने के प्रयास शुरू किए गए।

रात करीब एक बजे सभी 19 मजदूरों को निकालकर जिला अस्पताल भेजा गया। इनमें मुनीश, मनोज, यादराम, पंचू, वेदपाल, रिंकू, प्रदीप, आर्यन, मोनू व वीरेश को गंभीर चोटें आई है। मुनीश का हाथ और मनोज का एक पैर टूट गया। इन सभी को भर्ती कर लिया गया। सभी मजदूरों की उम्र 25 से 40 साल के बीच है।

मुहम्मदाबाद गोहना में एसडीएम ने लगाई चौपाल

15 ग्रामीणों ने दिए शिकायती पत्र, टीम बनाकर निस्तारण का दिया आश्वासन

मुहम्मदाबाद गोहना। मुहम्मदाबाद गोहना तहसील के भातकोल के ग्रामीण बार-बार संपूर्ण समाधान दिवस पर शिकायत कर रहे थे। इसको लेकर उप एसडीएम क्षिप्रा पाल ने गांव में एक चौपाल का आयोजन किया। चौपाल में एसडीएम दोपहर में पहुंची और बारी-बारी उन्होंने गांव की छोटी बड़ी सभी समस्याएं सुनीं। सबसे ज्यादा नालियों को लेकर लोगों ने शिकायत की।

गांव के धर्मेंद्र चौहान ने अपनी दो समस्याओं को बताया। इसमें एक समस्या नाली की रही तो दूसरी समस्या रास्ते में कटीला तार को लेकर थी। वहीं गांव के राम जन्म चौहान ने शिकायत गांव समाज की पोखरी पर कुछ दबंगों ने कब्जा कर लिया है, जिससे ग्रामीणों को काफी समस्या होती है। उपजिलाधिकारी ने समस्या को देखते हुए दूसरे पक्ष को समझाया कि आप अपनी समस्या को बैठकर सुलझा लें। गांव के अनिल चौहान ने प्रार्थना पत्र में दिया कि ग्राम सभा के नलकूप विभाग की जमीन पर कुछ लोगों का अवैध कब्जा है जिससे ग्रामीणों को कई समस्याएं होती हैं जिसे चिन्हित कर खाली कराई जाए।

गांव के कुछ लोगों ने शिकायत की कि ग्रामसभा में कभी सफाई कर्मी नहीं आते हैं, जिससे पूरे ग्राम सभा में गंदगी का अंबार बना हुआ है। उपजिलाधिकारी क्षिप्रा पाल ने ग्राम प्रधान से पूछा कि सफाई कर्मी आते हैं या नहीं तो ग्राम प्रधान बताने में हिचकने लगे। एसडीएम ने ग्राम प्रधान को को डांट फटकार लगाते हुए निर्देशित किया कि प्रतिदिन ग्राम सभा में सफाई कर्मी आने चाहिए और पूरे ग्राम सभा में सफाई रहनी चाहिए।

नेपाली शिकारियों ने वन विभाग की टीम पर किया हमला

एजेंसी

बलरामपुर। हरैय्या के सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग बनकटवा रेंज के जंगलों में बुधवार को नेपाली शिकारियों ने वन कर्मियों पर हमला कर दिया। इससे एक वनकर्मी घायल हो गया। साथियों ने घायल हो निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां इलाज चल रहा है।

वन रक्षक मोहम्मद जहीर वन कर्मियों के साथ बुधवार को गश्त कर रहे थे। इस दौरान दो नेपाली शिकारी दिखे। वन विभाग की टीम ने घेरकर शिकारियों को दबोने की कोशिश की। इस पर शिकारियों ने धारदार हथियार से वाचर उग्रसेन यादव(45 वर्ष) पुत्र राम चन्दर निवासी रतनवा पर हमला कर फरार हो गए।

पीठ में चाकू लगने से उग्रसेन यादव घायल हो गए। वन विभाग टीम ने शिकारियों का पीछा किया, लेकिन वे जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। शिकारियों के पास से दो भरूई बन्दूक, 4 चाकू, बारूद और 2 टॉर्च बरामद हुआ है। सभी समान बनकटवा रेंज लाकर अन्य बिन्दुओं पर जांच शुरू कर दी गई है। रेंजर इन्द्रभान सोनकर ने बताया कि घायल वाचर की हालत ठीक है।

शार्ट न्यूज

गेमिंग क्षेत्र की क्षमता को 'अनलॉक' करने के लिये 5जी का इंतज़ार : मीडियाटेक भारत

नयी दिल्ली। स्मार्टफोन्स के लिये चिपसेट बनाने वाली कंपनी मीडियाटेक के भारत के प्रबंध निदेशक अंकू जैन ने बुधवार को आयोजित भारतीय गेमिंग कॉन्क्लेव में कहा कि भारत में तेज़ी से बढ़ते गेमिंग क्षेत्र पर मीडियाटेक का प्रमुख ध्यान है और वह इसकी पूरी क्षमता को खंगालने के लिये 5जी का इंतज़ार कर रहा है। श्री जैन ने कहा, भारत में सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक के रूप में, गेमिंग मीडियाटेक के लिए एक प्रमुख फोकस क्षेत्र है। विभिन्न फोन निर्माताओं के साथ निरंतर सहयोग से हमने देश को कुछ सबसे नवीन गेमिंग स्मार्टफोन दिये हैं। उन्होंने कहा, हमारी अनुसंधान एवं विकास टीमें मीडियाटेक हाइपरइंजिन गेमिंग तकनीकों में नयी प्रगति को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रही हैं। हम भारतीय गेमिंग की पूरी क्षमता को अनलॉक करने के लिए 5जी की शक्ति का इंतजार कर रहे हैं। कनेक्ट वर्ल्ड्वाइड बिज़नेस मीडिया की ओर से आयोजित भारतीय गेमिंग कॉन्क्लेव 2022 में 5जी, क्लाउड गेमिंग, गेमीफिकेशन और मोबाइल गेमिंग को अपनाकर गेमिंग क्षेत्र के विस्तार पर चर्चा की गयी। यह इस कॉन्क्लेव का दूसरा आयोजन था, जबकि 2021 में इसे पहली बार आयोजित किया गया था। इस अवसर पर न्यूजेन गेमिंग के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुराग खुराना ने कहा, भारत में गेमिंग उद्योग उन्नत गेमिंग तकनीकों को अपनाने और उपभोक्ताओं के बीच बढ़ी हुई स्वीकृति और मोबाइल गेमिंग की बढ़ती मांग के कारण स्वस्थ गति से आगे बढ़ रहा है। इस बढ़ती लोकप्रियता और मांग के साथ, भारत के निकट भविष्य में गेमिंग का वैश्विक केंद्र बनने की संभावना है।

सरकार ने दी एयरलाइनों को किराया तय करने की पूरी छूट

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने हवाई किराए पर लागू ऊपरी सीमा हटाने का फैसला किया है। इससे विमानन सेवा कंपनियां घरेलू मार्गों पर किराया तय करने के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र होंगी। यह फैसला 31 अगस्त 2022 से प्रभावी होगा। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक आदेश में कहा कि उसने कोविड के दौरान 21 मई 2020 को लागू किराए की ऊपरी सीमा संबंधी 21 मई 2020 के आदेश की समीक्षा के बाद यह निर्णय किया है। निर्णय 31 अगस्त से लागू होगा। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि किराए पर ऊपरी सीमा हटाने का यह निर्णय उड़ान सेवा की मांग की स्थिति और विमान ईंधन की कीमत का सावधानी से विश्लेषण करके किया गया है। श्री सिंधिया ने ट्वीट किया,स्थिरता आ चुकी है और हमें विश्वास है कि निकट भविष्य में इस क्षेत्र में घरेलू मार्गों पर विमान यात्राओं में वृद्धि होगी। कोविड महामारी के दौरान सरकार ने वर्ष 2020 के मध्य में घरेलू मार्गों पर विमान किरायों को एक सीमा से ऊपर बढ़ाने पर रोक लगा दी थी। यात्रा.कोम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भरत मलिक ने कहा कि हमें इस फैसले के प्रभाव का इंतजार है। इससे मांग और आपूर्ति में तार्किक समन्वय स्थापित होने की उम्मीद है। बाजार के हिसाब से किराया तय होंगे और उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमत पर टिकट मिलेंगे और स्थिति समान्य होगी। हमें उम्मीद है कि इससे विमानन सेवा उद्योग को गति मिलेगी और परिचालन का विस्तार होगा।

कीमती धातुओं में घटबढ़

मुंबई। अंतराष्ट्रीय स्तर पर कीमती धातुओं के मिश्रित रूख के बीच घरेलू बाजार में भी सोना में जहां गिरावट रही वहीं चाँदी में तेजी दर्ज की गयी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर 0.22 प्रतिशत टूटकर 1798.09 डॉलर प्रति औंस पर और अमेरिका सोना वायदा 0.12 प्रतिशत उतरकर 1796.10 डॉलर प्रति औंस पर रहा। इस बीच चाँदी 1.18 प्रतिशत की बढ़त लेकर 20.75 डॉलर प्रति औंस पर रही। देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में आज सोना 114 रुपये टूटकर 52375 रुपये प्रति 10 ग्राम पर और सोना मिनी 95 रुपये उतरकर 52288 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा। इस दौरान चाँदी 388 रुपये चमककर 59179 रुपये प्रति किलोग्राम पर और चाँदी मिनी 307 रुपये गिरकर 59578 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

राज्यों के लिए कर हस्तातंरण की 1.16 लाख की दो किस्तें जारी

नयी दिल्ली। सरकार ने राज्य सरकारों को 58,332.86 करोड़ रुपये के सामान्य मासिक हस्तांतरण की तुलना में 1,16,665.75 करोड़ रुपये के कर हस्तांतरण की दो किस्तें जारी कर दी है। वित्त मंत्रालय ने आज यहां जारी बयान मे यह जानकारी देते हुये कहा कि यह कदम राज्यों की पूंजी और विकासात्मक व्यय में तेजी लाने के लिए उन्हें मजबूती प्रदान करने की भारत सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। कुछ 28 राज्यों के लिए यह राशि जारी की गयी है।

आरजीयू की जीतने की आजादी अभियान की घोषणा

नयी दिल्ली। भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रश गेमिंग यूनिवर्स (आरजीयू) अपने जीतने की आजादी अभियान के शुभारंभ की घोषणा कर रहा है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि नए आर्थिक अवसर पैदा करने के लिए आरजीयू कई प्रतियोगिताओं और उपहारों की घोषणा कर रहा है। प्रतिभागी 10 से 16 अगस्त, 2022 तक एक सप्ताह के भीतर 75 लाख रुपये से अधिक के पुरस्कार जीत सकते हैं। उसने कहा कि यह अभियान न केवल उपयोगकर्ताओं के लिए मनोरंजन का एक नया अवसर तलाशने का एक अवसर है, बल्कि अपने फोन पर ऑनलाइन गेमिंग खर्च करने के समय से मूल्य को अनलॉक करने का भी है। आरजीयू भारत का पहला मोबाइल-ओनली गेमिंग प्लेटफॉर्म है, जिसने अपने बाइट-साइज़ कैज़ुअल गेम्स के साथ वेब3 की दुनिया को अधिक से अधिक लोगों तक आसानी से पहुँचाया है।

अमेजन पे ने व्यापारियों के लिए स्मार्ट स्टोर प्रोग्राम का विस्तार किया

नयी दिल्ली। अमेजन पे ने अपने अमेजन पे स्मार्ट स्टोर्स प्रोग्राम के माध्यम से टियर-2 , टियर 3 शहरों के 18,000 कारोबारियों को शामिल किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि अमेजन पे स्मार्ट स्टोर ऑफ़लाइन खरीदारी का एक नया अनुभव प्रदान करता है। यह ग्राहकों को ऑफ़लाइन स्टोर की खोज करने में मदद करता है और भुगतान के ढेरों विकल्पों के साथ सबसे किफायती कीमत पर प्रोडक्ट की पेशकश कर बिक्री में सुधार लाता है। यह ऑफ़लाइन लघु और मध्यम व्यवसायों (एसएमबी), खुदरा विक्रेताओं और छोटे व्यापारियों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के अमेजन पे के प्रयास को मजबूती प्रदान करता है और उनके लिए विकास के नए अवसरों के द्वार खोलता है। उसने कहा कि उसकी कोशिश व्यापारियों और ग्राहकों को क्रेडिट की सुविधा प्रदान करते हुए उनके रोजाना के लेनदेन में आने वाली परेशानियों को कम करना और उन्हें अधिक से अधिक बचत करने का अवसर प्रदान करना है। अमेजन पे उन ग्राहकों को आगे भी ऐसे इनोवेटिव सॉल्यूशंस प्रदान करता रहेगा, जो बेहतर तरीके से आस-पास के स्टोर की खोज, नो कॉस्ट ईएमआई, बैंक डिस्काउंट, बीमा जैसी वैल्यू एडेड सेवाओं, वारंटी आदि के साथ ऑफ़लाइन खरीदारी करना पसंद करते हैं।

मिंत्रा ने नल्ली के लॉन्च के साथ साड़ी पोर्टफोलियो किया मजबूत

बेंगलुरू। फैशन, ब्यूटी एवं लाईफस्टाईल के लिए ऑनलाइन मार्केटप्लेस मिंत्रा ने साड़ी ब्रांड नल्ली के लॉन्च की घोषणा की है, जो त्योहारों से पूर्व मिंत्रा के फैशन फेस्टिवल में इसके साड़ी पोर्टफोलियो का विस्तार करेगा। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस साझेदारी के साथ नल्ली ई-कॉमर्स बाजार में प्रवेश कर रहा है और अपनी वेबसाईट के बाहर पहली बार देश के लाखों साड़ी प्रेमियों को 1000 से ज्यादा स्टाईल प्रस्तुत कर रहा है। आने वाले महीनों में मौजूदा डिज़ाईंस के अलावा कई सारे नए डिज़ाईन भी लॉन्च किए जाएंगे। सन 1928 में स्थापित नल्ली लोकप्रिय साड़ी ब्रांड है और यह देश में टैक्सटाईल एवं रिटेल व्यवसाय के क्षेत्र में अग्रणी है। इसके दुनिया में 40 से ज्यादा स्टोर हैं। टैक्सटाईल की दुनिया में अग्रणी नल्ली अपनी अभिनव 'एवरीडे वैल्यू प्राईज़' की नीति के साथ काम करता है, जिससे संचालन की उत्कृष्टता और लागत को ऑप्टिमाईज़ कर बेजोड़ गुणवत्ता के उत्पाद किफायती मूल्य में मिलते हैं।

आयकर विभाग की मध्य प्रदेश, मुंबई में कार्रवाई

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने खनन, चीनी उत्पादन और शराब के कारोबार में शामिल एक समूह के खिलाफ छापामारी अभियान में मध्य प्रदेश और मुंबई स्थित कई परिसरों में छानबीन की। कार्रवाई में बड़ी संख्या में दोषी ठहराने योग्य दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य बरामद हुए जिन्हें जब्त कर लिया गया।

वित्त मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि आयकर विभाग ने समूह के विरुद्ध इस वर्ष की 14 जुलाई को छापामारी अभियान चलाया था। जिसमें समूह का प्रमुख व्यक्ति एक राजनीतिक पद पर है।

अब तक की गई छापामारी की कार्रवाई में नौ करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित संपत्ति जब्त की जा चुकी है।

बयान में कहा गया कि बालू खनन व्यवसाय के जब्त साक्ष्यों के विश्लेषण से पता चलता है कि यह समूह नियमित खाता-बही में बिक्री दर्ज नहीं करके कर चोरी में शामिल रहा है। डिजिटल साक्ष्य के अनुसार वास्तविक बिक्री समकालीन महीनों की बिक्री की तुलना में साफ तौर पर 70 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री बड़े पैमाने पर नियमित छिपाव को दिखाती है। वहीं, ऐसी बेहिसाब बिक्री पर रॉयल्टी का भुगतान न करने के साक्ष्य भी मिले हैं।

समूह ने अन्य व्यावसायिक सहयोगियों को नकद में 10 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि का भुगतान किया है, जो कि नियमित खाता-बही में दर्ज नहीं है। चीनी उत्पादन व्यवसाय के मामले में भंडार में अंतर से संबंधित मामलों का भी पता चला है।

कार्रवाई के दौरान सबूतों से पता चला है कि कुछ बेनामीदारों को बालू खनन का कारोबार करने वाली एक कंपनी में भागीदार बनाया गया है और उन्होंने अपने आयकर रिटर्न में लाभ की घोषणा भी की है। हालांकि, वास्तव में धनराशि उनके द्वारा समूह के लाभकारी मालिक को हस्तांतरित किया जा रहा था।

इस छापामारी के दौरान एक ऐसे बेनामीदार ने अपने बयान में केवल एक वेतनभोगी कर्मचारी होने की बात स्वीकार की है, जिसे न तो व्यवसाय के मामलों की कोई जानकारी थी और न ही ऐसे व्यवसाय से उसे कोई लाभ प्राप्त हुआ था।

मध्य प्रदेश में नौ करोड़ की संपत्ति जब्त

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने खनन, चीनी उत्पादन और शराब के कारोबार में शामिल एक समूह के खिलाफ एक छापामारी कर मध्य प्रदेश में नौ करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है। विभाग ने आज यहां जारी बयान में कहा कि गत 14 जुलाई को यह कार्रवाई की गयी थी। इस समूह का प्रमुख व्यक्ति एक राजनीतिक पद पर है। इस अभियान के तहत मध्य प्रदेश और मुंबई स्थित कई परिसरों में छापामारी की कार्रवाई की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में दोषी ठहराने योग्य दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य प्राप्त हुए हैं और उन्हें जब्त किया गया। बालू खनन व्यवसाय के जब्त साक्ष्यों के विश्लेषण से पता चलता है कि यह समूह नियमित खाता-बही में बिक्री दर्ज नहीं करके कर चोरी में शामिल रहा है। डिजिटल साक्ष्य के अनुसार वास्तविक बिक्री समकालीन महीनों की बिक्री की तुलना में साफ तौर पर 70 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री बड़े पैमाने पर नियमित छिपाव को दिखाती है। वहीं, ऐसी बेहिसाब बिक्री पर रॉयल्टी का भुगतान न करने के साक्ष्य भी मिले हैं। इसके अलावा समूह ने अन्य व्यावसायिक सहयोगियों को नकद में 10 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि का भुगतान किया है, जो कि नियमित खाता-बही में दर्ज नहीं है। वहीं, चीनी उत्पादन व्यवसाय के मामले में भंडार में अंतर से संबंधित मामलों का भी पता चला है।

अमेजन ने केडीपी पेन टु पब्लिश के 5वें संस्करण की समय सीमा बढ़ाई

नयी दिल्ली। अमेजन ने किंडल डायरेक्ट पब्लिशिंग (केडीपी) पेन टू पब्लिश प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम समय सीमा एक महीने के लिए 10 अक्टूबर 2022 तक बढ़ाने की घोषणा की है। कंपनी ने आज कहा कि प्रतियोगिता का 5वें संस्करण का आयोजन उत्साही लेखकों का एक बेहतरीन ऑथर बनने के अपने सपने को हकीकत में बदलने के सपने के प्रति उत्साहित करने के उद्देश्य के साथ इस साल जुलाई में शुरू किया गया था। अमेजन केडीपी की इस फ्लैगशिप प्रतियोगिता के 5 वें संस्करण में सुदीप नागरकर, सुधा नायर, सत्य व्यास, विजय काकवानी और नागा चोकन सहित प्रसिद्ध लेखकों का एक निर्णायक पैनल होगा।

सरकारी बैंकों ने आठ वर्ष में वसूले 6.4 लाख करोड़ रुपये के फंसे, डूबे ऋण

नयी दिल्ली। सरकारी क्षेत्र के बैंकों ने वित्त वर्ष 2014-15 से 6.42 लाख करोड़ रुपये के अवरुद्ध ऋण (एनपीए) और भट्टे खाते में डाले गए ऋणों की वसूली की है। इस दौरान बैंकों ने जानबूझ कर ऋण न चुकाने वाले 98.5 प्रतिशत लोगों के खिलाफ वसूली की कार्रवाई शुरू की है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी प्रकोष्ठ के संयोजक अमित मालवीय ने ट्विटर पर सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा बैंकों ने 5.17 लाख करोड़ रुपये के अवरुद्ध ऋण और 1.24 लाख करोड़ रुपये के भट्टे खाते में डाले गए ऋणों की वसूली की है।

सरकारी बैंकों का मार्च 2022 के अंत तक प्रावधान कवरेज अनुपात (अवरुद्ध ऋणों के विरुद्ध पूंजी प्रावधान) सुधरकर 86.9 प्रतिशत हो गया जो मार्च 2015 में 46 प्रतिशत था। प्रावधान कवरेज अनुपात के माध्यम बैंक के वित्तीय स्वास्थ का पता लगाया जाता है।

बैंकों का सकल एनपीए अनुपात 31 मार्च, 2022 को सुधरकर 7.4 प्रतिशत रहा जो 31 मार्च, 2018 को 14.6 प्रतिशत था। इस अवधि में बैंकों का शुद्ध एनपीए आठ प्रतिशत से घटकर दो प्रतिशत पर आ गया।

सार्वजनिक क्षेत्रो के बैंकों ने आठ वर्षों की अवधि में सबसे अधिक वित्त वर्ष 2018-19 में कुल 1,21,076 करोड़ रुपये वसूले।

आंकड़ों के अनुसार बैंकों ने जान-बूझकर ऋण न चुकाने वाले 12,265 लोगों में 12,076 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की शुरुआत की है।

वित्त वर्ष 2015-16 से वित्त वर्ष 2020-21 के बीच सरकार ने बैंकों में 3.36 लाख करोड़ रुपये की पूंजी डाली है जबकि इन सार्वजनिक बैंकों ने 2.99 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि बाजार से जुटायी है।

न्यू इंडिया फाउंडेशन की फेलोशिप के लिए आवेदन प्रारंभ

नयी दिल्ली। न्यू इंडिया फाउंडेशन ने शैक्षिक अध्ययन के लिए प्रतिष्ठित न्यू इंडिया फाउंडेशन बुक फेलोशिप के ग्यारहवें दौर के लिए आवेदन आमंत्रित करना प्रारंभ कर दिया है जिसमें आवेदन की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2022 है। न्यू इंडिया फ़ाउंडेशन बुक फेलोशिप देश की सबसे प्रतिष्ठित फेलोशिप्स में से एक है जिसमें प्रत्येक प्रतिभागी को 18 लाख रुपये का वार्षिक मानदेय मिलता है। वित्तीय मानदेय के अतिरिक्त फेलोशिप के दौरान परियोजना-प्रस्ताव से लेकर प्रकाशन तक संपादकीय और प्रशासनिक मार्गदर्शन प्रदान किया है। यह फेलोशिप भारतीय नागरिकों एवं वर्तमान में विदेश में रह रहे भारतीयों के लिए उपलब्ध है जिसकी अवधि एक वर्ष की है।

इसके अंतर्गत फेलोशिप प्राप्त धारकों से अंग्रेज़ी में मौलिक पुस्तकें लिखना अपेक्षित है। प्रस्ताव प्रकाशनोन्मुख होने चाहिए और उनमें इस दिशा में क्रियान्वयन की रूपरेखा होनी चाहिए। शैली, विषयवस्तु और विचारधारा के संबंध में फाउंडेशन की ओर से कोई प्रतिबंध नहीं है। अत: फ़ेलोशिप धारक कोई संस्मरण, रिपोर्ताज, या गहन पाद-टिप्पणियों के साथ अकादमिक अध्ययन लिख सकते हैं। उनकी पुस्तकें अर्थशास्त्र, राजनीति, या संस्कृति की ओर उन्मुख हो सकती हैं। फेलोशिप की प्रक्रिया में प्राप्त आवेदनों में से लगभग 20-25 प्रस्तावों को एक जूरी से मिलने के लिए चुना जाता है और हर दो वर्ष में लगभग 5-10 फेलोशिप प्रदान की जाती है। इस वर्ष हमारी जूरी में सामाजिक वैज्ञानिक एवं लेखक नीरजा जयाल, इतिहासकार श्रीनाथ राघवन और उद्यमी नंदन नीलेकणि व मनीष सभरवाल शामिल हैं। न्यू इंडिया फाउंडेशन के ट्रस्टी श्रीनाथ राघवन ने कहा कि अत्यंत वास्तविक संदर्भ में न्यू इंडिया फाउंडेशन का मानना है कि भारत आज एक ऐसी आकर्षक लेकिन जटिल परिघटना है कि इस स्थिति पर पकड़ बनाने में सक्षम होने के लिए कि हम कहां हैं और कहां जा रहे हो सकते हैं। हमें कई माध्यमों और सुविधाजनक बिंदुओं के माध्यम से आगे बढ़ना होगा।

गो फर्स्ट ने शुरू किया स्वतंत्रता दिवस ऑफर

कोलकाता। देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विमानन कंपनी गो फर्स्ट (पूर्व नाम गो एयर) ने बुधवार से अपने घरेलू नेटवर्क पर यात्रा के लिए सीमित अवधि के स्वतंत्रता दिवस ऑफर की शुरुआत की। इस ऑफर के तहत कंपनी ने अपने किराए की शुरुआत 1,508 रुपये (करों सहित) से की है। गो फर्स्ट का यह ऑफर चार दिनों के लिए आज से 13 अगस्त तक जारी रहेगा जिसमें यात्री एक सितंबर से 31 मार्च, 2023 तक के लिए टिकट बुक कर सकते हैं। इसके तहत यात्री बेहद वाजिब दामों पर पहले ही छुट्टियों की योजना बना सकते हैं। किफायती मूल्य पर हवाई यात्रा कराने वाली कंपनी गो फर्स्ट के स्वतंत्रता दिवस ऑफर के लिए यात्री कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप से टिकट बुक कर सकते हैं।

शेयर बाजार में मिश्रित रूख

मुंबई। वैश्विक स्तर के मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू स्तर पर आईटी, टेलीकॉम, टेक, रियलटी क्षेत्र की कंपनियों में हुयी बिकवाली के कारण बीएसई का सेंसेक्स जहां गिरावट लेकर बंद हुआ वहीं एनएसई का निफ्टी बढ़त में रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 35.78 अंक टूटकर 58817.29 अंक पर रहा जबकि एनएसई का निफ्टी 9.65 अंक बढ़कर 17534.75 अंक पर रहा। बीएसई में छोटी और मझौली कंपनियों में भी बिकवाली देखी गयी जिससे बीएसई का मिडकैप 0.13 प्रतिशत उतरकर 24524.14 अंक पर और स्मॉलकैप 0.10 प्रतिशत टूटकर 27655.27 अंक पर रहा। बीएसई में शामिल समूहों में से आईटी 0.97 प्रतिशत, टेक 0.68 प्रतिशत, रियलटी 0.79 प्रतिशत, टेलीकॉम 0.46 प्रतिशत टूट गया जबकि धातु 1.87 प्रतिशत और केपिटल गुड्स 1.29 प्रतिशत की बढ़त में रहा। बीएसई में कुल 3525 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 1509 बढ़त में और 1903 गिरावट में रहे जबकि 113 में कोई बदलाव नहीं हुआ। वैश्विक स्तर पर भी मिश्रित रूख देखा गया जहां ब्रिटेन का एफटीएसई 0.08 प्रतिशत और जर्मनी का डैक्स 0.30 प्रतिशत की बढ़त में रहा जबकि जापान का निक्केई 0.65 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 1.96 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.54 प्रतिशत उतर गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 124 अंकों की बढ़त लेकर 58977.34 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 58984.32 अंक के उच्चतम और 58583.36 अंक के निचले स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 58853.07 अंक की तुलना में 35.78 अंक अर्थात 0.06 प्रतिशत टूटकर 58817.29 अंक पर रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 41 अंकों की बढ़त के साथ 17566.10 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यही इसका उच्चतम स्तर भी रहा। इस दौरान यह 17442.80 अंक के निचले स्तर तक उतरा। अंत में यह पिछले दिवस के 17525.10 अंक की तुलना में 9.65 अंक अर्थात 0.06 प्रतिशत की बढ़त लेकर 17534.75 अंक पर रहा। निफ्टी में शामिल 50 कंपनियों में से 30 हरे निशान में जबकि 20 लाल निशान में रही।

नेस्टअवे उपलब्ध करा रहा है शून्य जमा पर घर

नयी दिल्ली, 10 अगस्त (वार्ता) स्वतंत्रता दिवस के 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर नेस्टअवे रेंटल बॉन्ड्स (किराया अनुबंध) की मदद से शून्य जमा घर उपलब्ध करा रहा है। इसके तहत किरायेदार और मकान मालिक शुन्य सुरक्षा जमा और अन्य आकर्षक ऑफर जैसे एक महीने मुफ्त में रहने का लाभ उठा सकते हैं। नेस्टअवे ने बुधवार को एक बयान में कहा कि 11 से 21 अगस्त के बीच 10 से अधिक शहरों में 5000 से अधिक घर आकर्षक ऑफर्स के साथ उपलब्ध हैं। इसके साथ ही नेस्टअवे एक महीने के किराए और अन्य शुल्क जो आम तौर पर किरायेदार और मकान मालिकों द्वारा देने होते हैं, इनकी छूट भी प्रदान कर रहा है। रेंटल बॉन्ड्स एक जमानती कंपनी द्वारा जारी किए जाते हैं जो चूक की स्थिति में सुनिश्चित राशि की क्षतिपूर्ति का जोखिम उठाते ही।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी करेगी नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता का अधिग्रहण

मुंबई। जेएसडब्ल्यू एनर्जी के पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी (जेएसडब्ल्यू नियो) 1,753 मेगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता का एक पोर्टफोलियो अधिग्रहण करने जा रही है। इसके लिए कंपनी ने मित्र एनर्जी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से करार किया है जिसमें 17 विशेष उपक्रम और एक सहायक विशेष उपक्रम शामिल है। दोनों कंपनियों के बीच आवश्यक निश्चित समझौतों पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं और सौदे में लेन-देन भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) और अन्य प्रथागत अनुमोदनों की स्वीकृति के अधीन हैं। मित्र एनर्जी पोर्टफोलियो के शुद्ध वर्तमान परिसंपत्तियों के समायोजन के बाद यह सौदा 10,530 करोड़ रुपये का है। मित्र पोर्टफोलियो में 1,331 मेगावाट की उत्पादन क्षमता वाले 10 पवन विशेष उपक्रम और 422 मेगावाट की उत्पादन क्षमता वाले सात सौर विशेष उपक्रम शामिल हैं। ये मुख्य रूप से भारत के दक्षिणी, पश्चिमी और मध्य भागों में काम कर रहे हैं। जेएसडब्ल्यू एनर्जी की स्थापना के बाद से यह सबसे बड़ा अधिग्रहण है और इससे परिचालन उत्पादन क्षमता 35 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 4,784 मेगावाट से 6,537 मेगावाट हो जाएगी।

केंद्र ने राज्य सरकारों को 1,16,665.75 करोड़ रुपये के कर हस्तांतरण की दो किस्तें जारी कीं

नयी दिल्ली, 10 अगस्त (वार्ता) केंद्र सरकार ने बुधवार को राज्य सरकारों को 58,332.86 करोड़ रुपये के सामान्य मासिक हस्तांतरण की तुलना में 1,16,665.75 करोड़ रुपये के कर हस्तांतरण की दो किस्तें जारी कीं। वित्त मंत्रालय ने आज एक बयान में कहा कि केंद्र सरकार का यह कदम राज्यों की पूंजी और विकासात्मक व्यय में तेजी लाने के लिए उन्हें मजबूती प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। केंद्र सरकार ने जिन राज्यों को कर हस्तांतरण किया है उनमें आंध्र प्रदेश को 4,721.44 करोड़ रुपये, अरुणाचल प्रदेश को 2,049.82, असम को 3,649.30, बिहार को 11,734.22, छत्तीसगढ़ को 3,974.82, गोवा को 450.32, गुजरात को 4,057.64, हरियाणा को 1,275.14, हिमाचल प्रदेश को 968.32, झारखंड को 3,858.12, कर्नाटक को 4,254.82, केरल को 2,245.84, मध्य प्रदेश को 9,158.24, महाराष्ट्र को 7,369.76, मणिपुर को 835.34, मेघालय को 894.84, मिजोरम को 583.34, नगालैंड को 663.82, ओडिशा को 5,282.62, पंजाब को 2,108.16, राजस्थान को 7,030.28, सिक्किम को 452.68, तमिलनाडु को 4,758.78, तेलंगाना को 2,452.32, त्रिपुरा को 826, उत्तर प्रदेश को 20,928.62, उत्तराखंड को 1,304.36 और पश्चिम बंगाल को 8,776.76 करोड़ रुपये की किस्त जारी की गयी है।

पांच वर्षों में कच्चे इस्पात का उत्पादन 12.02 करोड़ टन पर पहुंचा

नयी दिल्ली। देश में कच्चे इस्पात का उत्पादन वित्त वर्ष 2017-18 के 10.31 करोड़ टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2021-22 में 12.02 करोड़ टन तक पहुंच गया। मंत्रालय ने संयुक्त संयंत्र समिति के हवाले से पिछले पांच वित्त वर्षों के कच्चे इस्पात की कुल क्षमता, उत्पादन और क्षमता के उपयोग के आंकड़े जारी किए। मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 में 15.40 करोड़ टन की क्षमता में से 78 प्रतिशत का उपयोग किया गया। जबकि वित्त वर्ष 2017-18 में 13.79 करोड़ टन की क्षमता में 75 प्रतिशत का उपयोग किया गया था। वित्त वर्ष 2018-19 में कच्चे इस्पात की कुल क्षमता 14.22 करोड़ टन थी जिसमें 11.09 करोड़ टन इस्पात का उत्पादन हुआ जो क्षमता का कुल 78 प्रतिशत उपयोग है। इसी तरह वित्त वर्ष 2019-20 में कुल क्षमता का 77 प्रतिशत उपयोग किया गया जिसमें क्षमता 14.23 करोड़ टन और उत्पादन 10.91 करोड़ टन था। वित्त वर्ष 2020-21 में कच्चा इस्पात कुल क्षमता 14.39 करोड़ टन थी जिसमें से 10.35 करोड़ टन का उत्पादन हुआ। इस दौरान क्षमता के 72 प्रतिशत को प्रयोग में लाया गया।

पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत घट जाने के बावजूद देश में बुधवार को तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया। देश में करीब दो माह से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में स्थिरता होने से आम आदमी के लिए राहत बनी हुयी है। सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल) के अनुसार, दिल्ली में आज पेट्रोल के दाम 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमश: 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर पर हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.48 प्रतिशत गिरकर 95.85 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 89.98 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

हिंडाल्को को अब तक का सबसे ज्यादा मुनाफा, 1 महीने में 23 प्रतिशत चढ़ गए शेयर

नई दिल्ली। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज को जबरदस्त मुनाफा हुआ है। हिंडाल्को ने बताया है कि अप्रैल-जून 2022 तिमाही में उसे 4,119 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट हुआ है। यह कंपनी का अब तक का सबसे ज्यादा तिमाही मुनाफा है। पिछले साल की जून तिमाही के मुकाबले हिंडाल्को का मुनाफा 48 प्रतिशत बढ़ा है। पिछले साल की जून तिमाही में हिंडाल्को को 2,787 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड मुनाफा हुआ था। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में बुधवार को हिंडाल्को के शेयर 4.41 पर्सेंट की तेजी के साथ 440.05 रुपये पर बंद हुए हैं।

अप्रैल-जून 2022 तिमाही में हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की कंसॉलिडेटेड सेल्स 40.28 पर्सेंट बढ़कर 58,018 करोड़ रुपये रही है, जो कि पिछले साल की समान तिमाही में 41,358 करोड़ रुपये थी। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में इबिट्डा 27 पर्सेंट बढ़कर 8640 करोड़ रुपये रहा, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 6,790 करोड़ रुपये था। यह अब तक का सबसे ज्यादा इबिट्डा है।

एक महीने में शेयरों में 23 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी पिछले एक महीने में हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में पिछले एक महीने में 23 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है। 11 जुलाई 2022 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में हिंडाल्को के शेयर 356.20 रुपये के स्तर पर थे। 10 अगस्त 2022 को बीएसई में कंपनी के शेयर 440.05 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं। इस साल अब तक हिंडाल्को के शेयरों में करीब 8 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली है।

शक्कर में मांग, खाद्य तेलों में नरमी, दलहन मजबूत, दाल सस्ती, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में मांग रही। खाद्य तेल नरमी लिए रहे। सोयाबीन रिफाइंड सस्ता बिका। तिलहन में लिवाली रही। दलहनो में मजबूती दर्ज की गई। दालों में भाव मंदे बोले गए। मसूर दाल कम हुई। चावल में कामकाज सामान्य बताया गया।

किराना बाजार

शक्कर में उठाव रहा। आज शक्कर में कामकाज 3630 से 3670 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 08 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला, खोपरा बूरा, हल्दी तथा साबूदाना में उठाव बताया गया।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल गिरावट लिए रहे। आज सोयाबीन रिफाइंड में नरमी दर्ज की गई। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली बनी बताई गई।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन मजबूत रहे। आज चना बढ़कर बिका। दालों में मांग सुस्ती से नरमी दर्ज की गई। आज चावल में पूछपरख रही।

किराना

शक्कर 3630 से 3670 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 180 से 205 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2000 से 3500 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 100 से 162 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 6000 से 7800, पैकिंग में 8000 से 8200 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 5800 से 6000, रायडा 5700 से 5900 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1630 से 1650, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1250 से 1255, सोयाबीन साल्वेंट 1225 से 1230, पाम तेल 1330 से 1335 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

चना (कांटा) 5000 से 5050, मसूर 6675 से 6700, तुअर निमाड़ी 7000 से 8000, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 8000 से 8300, तुअर (कर्नाटक) 8200 से 8500, मूंग 6500 से 6600, मूंग हल्की 5500 से 6000, उड़द 7600 से 8000, उड़द मीडियम 6300 से 6800, उड़द नया 7000 से 7600, हल्का 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

दाल

चना दाल 6200 से 6700, तुअर दाल सवा नंबर 10300 से 10400, तुअर दाल फूल 10500 से 10700, तुअर दाल बोल्ड 11000 से 11700, आयातित तुअर दाल 10100 से 10200, मसूर दाल 7750 से 8050, मूंग दाल 8750 से 9050, मूंग मोगर 9050 से 9350, उड़द दाल 9300 से 9600, उड़द मोगर 10000 से 10300 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10500 से 11500, तिबार 8500 से 9500, दुबार 7500 से 8500, मिनी दुबार 6500 से 7500, मोगरा 4000 से 6000, बासमती सैला 7500 से 9500, कालीमूंछ 7500 से 8000, राजभोग 6500 से 7000, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2550 से 2700, हंसा सैला 2500 से 2675, हंसा सफेद 2450 से 2500, पोहा 4200 से 4600 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1520 से 1530, मैदा 1490 से 1500, आटा 1370 से 1380, चना बेसन 3375 से 3400 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

शार्ट न्यूज

भवानी देवी ने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

लंदन। भारतीय तलवारबाज सी ए भवानी देवी ने यहां जारी राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैंपियनशिप में सीनियर महिला सेबर एकल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया है। भवानी ने मंगलवार को अपने से बेहतर रैंकिंग वाली ऑस्ट्रेलिया की वेरोनिका वासिलेवा को 15-10 से मात देकर लगातार दूसरी बार राष्ट्रमंडल खिताब जीता। टोक्यो 2020 में ओलंपिक के लिये क्वालिफाई करने वाली पहली भारतीय तलवारबाज बनने के बाद भवानी ने 2022 में अपने प्रदर्शन में काफी सुधार किया है। उन्होंने साल के शुरुआत में इस्तांबुल में आयोजित तलवारबाजी विश्व कप में 23वां स्थान हासिल किया था। राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैंपियनशिप इस साल उनका 10वां अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है।भवानी ने जीत के बाद कहा, अपना खिताब दोबारा जीतना बेहतरीन एहसास है। फाइनल मुश्किल था और मुझे खुशी है कि मैं भारत के लिये इस साल एक और स्वर्ण पदक जीत सकी। इस साल का सफर मेरे लिये शानदार रहा है और मैं इस लय को आने वाली प्रतियोगिताओं में जारी रखना चाहूंगी। मुझे घर से लगातार बहुमूल्य समर्थन मिला है। भारतीय तलवारबाजी संघ के महासचिव राजीव मेहता ने कहा, मैं सीए भवानी देवी को इस साल दोबारा खिताब जीतने पर बधाई देना चाहूंगा।

पंजाब महिला हॉकी टीम के चयन ट्रायल 13 अगस्त को

जालंधर। गुजरात में होने वाले 36वें राष्ट्रीय खेल-2022 में भाग लेने वाली पंजाब महिला हॉकी टीम के लिए चयन ट्रायल 13 अगस्त को अमृतसर में होंगे। हॉकी पंजाब के निलंबन के बाद भारत में हॉकी के प्रमुख संगठन, हॉकी इंडिया द्वारा नियुक्त हॉकी पंजाब की तदर्थ समिति के सदस्य ओलंपियन बलविंदर सिंह शम्मी ने बुधवार को बताया कि राजकोट (गुजरात) में 30 सितंबर से 7 अक्टूबर तक होने वाले 36वें राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने वाली पंजाब महिला हॉकी टीम के लिए चयन ट्रायल 13 अगस्त को सुबह 11 बजे अमृतसर के गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी एस्ट्रोटर्फ हॉकी ग्राउंड में आयोजित किये जायेंगे। ओलंपियन शम्मी ने कहा कि इन चार ट्रायल के लिए हॉकी पंजाब ने हरप्रीत सिंह मंडेर, हरदीप सिंह नीटा, बलविंदर सिंह शमी (सभी ओलंपियन), बलदेव सिंह (द्रोणाचार्य अवार्डी), राजबीर कौर राय (एशियाई पदक विजेता), योगिता बाली और सुखजीत कौर (दोनों पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी) को चयन समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है।

एफआइएफसी ने दो पूर्व जज को फैंटेसी स्पोर्ट्स रेगुलेटरी अथॉरिटी का पैनल सदस्य बनाया

नयी दिल्ली। फैंटेसी स्पोर्ट्स इंडस्ट्री के लिए भारत की एकमात्र स्व-नियामक संस्था फेडरेशन ऑफ इंडियन फैंटेसी स्पोर्ट्स (एफआईएफएस) ने जस्टिस (सेवानिवृत्त) मुकुल मुद्गल, पूर्व मुख्य न्यायाधीश, पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट और जस्टिस (सेवानिवृत्त) जीएस सिस्तानी, पूर्व न्यायाधीश, दिल्ली हाइकोर्ट को फैंटेसी स्पोर्ट्स रेगुलेटरी अथॉरिटी (एफएसआरए) के पैनल सदस्यों के रूप में नियुक्त किया है। एफएसआरए के चेयरमैन प्रख्यात विधिवेत्ता जस्टिस (सेवानिवृत्त) ए.के. सीकरी, पूर्व न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट हैं। एफएसआरए, भारत में फैंटेसी स्पोर्ट्स उद्योग के लिए एक स्वतंत्र स्व-नियामक प्राधिकरण के रूप में एफआईएफएस द्वारा गठित स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक समिति है। एफएसआरए को एफआईएफएस के स्व-नियामक ढांचे के नियामक पहलुओं को नियंत्रित करने का अधिकार है। एफआईएफएस के चेयरमैन बिमल जुल्का ने कहा, भारतीय फैंटेसी खेल उद्योग रूपांतरण के बिंदु पर है। जस्टिस (सेवानिवृत्त) मुद्गल और जस्टिस (सेवानिवृत्त) सिस्तानी का व्यापक ज्ञान, सामूहिक अनुभव और विशेषज्ञता इस क्षेत्र का नेतृत्व करने के लिए अमूल्य साबित होगी और दीर्घकालिक विकास की सही दिशा में बढ़ेगी।

सोनी और ईसीबी ने अपनी प्रसारण साझेदारी का 2028 तक किया विस्तार

नई दिल्ली। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएन) ने विशिष्ट टेलीविज़न और डिजिटल प्रसारण अधिकारों के लिए इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के साथ अपना समझौता अगले छह साल के लिए वर्ष 2028 तक बढ़ा दिया है। यह समझौता भारत के साथ-साथ पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल, अफगानिस्तान, भूटान, म्यांमार, और मालदीव्स में प्रसारण के लिए है। साझेदारी के नवीकरण से एसपीएन को अपने स्पोर्ट्स चैनलों पर सीनियर मेंस इंटरनेशनल और वीमेंस इंटरनेशनल के साथ-साथ घरेलू प्रतियोगिताओं के प्रसारण का विशिष्ट अधिकार प्राप्त हो जाएगा। एसपीएन के प्रीमियम ओटीटी प्लैटफॉर्म सोनीलिव पर भी ईसीबी के विशिष्ट कंटेंट की स्ट्रीमिंग की जाएगी। एसपीएन को लगभग इंटरनेशनल मेंस क्रिकेट के 250 दिनों की एक्सेस प्राप्त होगी, जिसमें इंग्लैंड और इंडिया के बीच क्रिकेट की पुरुषों की 5-मैचों की टेस्ट सीरीज और सीमित ओवर सीरीज, और इन दोनों देश के बीच वीमेंस सीरीज सम्मिलित हैं। इंग्लैंड और इंडिया कुछ रोमांचकारी क्रिकेट मैचों में शामिल रहे हैं, जिनमें इंडिया का हालिया इंग्लैंड टूर शामिल हैं जहाँ टेस्ट सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई थी और टी20 तथा ओडीआई सीरीज को भारत ने 2-1 से जीता था।

मुम्बई खिलाड़ीज का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं विजय हजारे

पुणे। कोल्हापुर के एक दुकान मालिक के बेटे विजय हजारे, जिन्हें अल्टीमेट खो-खो के उद्घाटन सीजन के लिए मुंबई खिलाड़ीज टीम का कप्तान बनाया गया है, ने अपनी व्यक्तिगत यात्रा के अलावा टूर्नामेंट के लिए टीम की महत्वाकांक्षाओं को लेकर खुलकर बात की। विजय ने कहा, मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता कि अल्टीमेट खो-खो के पहले ही सीजन में मैं मुंबई खिलाड़ीज टीम का नेतृत्व करते हुए कैसा महसूस कर रहा हूं। मेरी मां खो-खो खेलती थीं, लेकिन कई तरह की बाधाओं के कारण वह इसे करियर के तौर पर नहीं अपना सकीं। मैं उनके सपने को पूरा करना चाहता हूं और उच्चतम स्तर पर खो-खो खेलना चाहता हूं। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि वह मेरे खेल का ठीक उसी तरह आनंद उठाएं, मानों वह खुद मैट पर हों। रेलवे के लिए काम करने वाले 26 वर्षीय हजारे ने आगे कहा, मेरा सफर कठिन रहा है। मेरे पिता की पान की दुकान है, इसलिए वित्तीय चुनौतियां थीं। लेकिन मेरे परिवार ने हमेशा मेरा समर्थन किया है और उनकी वजह से ही मैं आज यहां हूं। मुझे खुशी है कि मैं अपने जुनून का पालन करते हुए अपने पिता और परिवार का सहयोग करने में सक्षम हूं। 14 अगस्त से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से पहले टीम के माहौल के बारे में विजय ने कहा, टीम बहुत अच्छे से और प्रगतिशील तरीके से आगे जा रही है।

भारतीय महिलाओं ने रचा इतिहास; ओपन सेक्शन में पुरुषों ने भी जीता कांस्य पदक

मामल्लापुरम (तमिलनाडु)। भारतीय महिला टीम ने यहां आयोजित 44वें शतरंज ओलंपियाड में देश के लिए पहला पदक जीतकर इतिहास रच दिया। पुरुषों ने भी हालांकि तमिलनाडु के मामल्लापुरम में हुई इस प्रतिष्ठित वैश्विक प्रतियोगिता में मंगलवार को अपना अब तक का दूसरा कांस्य पदक जीता। कोनेरू हम्पी, आर. वैशाली, तानिया सचदेव और भक्ति कुलकर्णी से सजी भारत-ए टीम ने फाइनल राउंड के मैच में अमेरिका से मिली 1-3 की हार के बाद महिला वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। इस मुकाबले में एक भी भारतीय खिलाड़ी को जीत नहीं मिली। हम्पी और वैशाली ने जहां अपने मैच ड्रॉ किए वहीं तानिया सचदेव और भक्ति कुलकर्णी को हार का सामना करना पड़ा। भारत-ए टीम के कोच अभिजीत कुंटे ने टीम की प्रशंसा करते हुए कहा, टीम ने पिछले तीन या चार महीनों में वास्तव में कड़ी मेहनत की है और यह ओलंपियाड के इतिहास में भारत का पहला पदक है। इसे एक शुरुआत मानी जानी चाहिए। भारत में महिलाओं की शतरंज के लिए बहुत बेहतर दिन आने वाले हैं।

अपने बुरे दौर से कोहली ज़रूर बाहर आएंगे : महेला जयवर्धने

दुबई। श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने ने कहा है कि भारत के स्टार बल्लेबाज़ विराट कोहली एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उनके पास ख़राब फ़ॉर्म से बाहर निकलने के लिए सभी ज़रूरी संसाधन उपलब्ध हैं। दुबई और शारजाह में शुरू हो रहे एशिया कप के 15 सदस्य टीम में विराट कोहली और केएल राहुल का चयन हुआ है। इस प्रतियोगिता का आयोजन 27 अगस्त से 11 सितंबर तक किया जाएगा। हालिया समय में कोहली अपने क्रिकेटिंग करियर के सबसे ख़राब फ़ॉर्म से गुज़र रहे हैं। नवंबर 2019 के बाद से उन्होंने अब तक एक भी शतक नहीं लगाया है। जुलाई में उन्होंने इंग्लैंड के ख़िलाफ़ छह पारियां खेली थी, जिसमें एक टेस्ट, दो वनडे और तीन टी20 मैच शामिल थे। इस दौरान वह सिर्फ़ 76 रन ही बना पाए थे। इसके बाद कोहली को वेस्टइंडीज़ और ज़िम्बाब्वे के दौरे पर आराम दिया गया।

आईसीसी रिव्यू शो के ताज़ा एपिसोड में जयवर्धने ने कहा, विराट इस समय जिस दौर से गुज़र रहे हैं, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि इसमें कोई शक़ नहीं है कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। मेरा मानना है कि विराट के पास इससे बाहर निकलने के लिए पर्याप्त रास्ते हैं। उन्होंने पहले भी ऐसा किया है और मुझे यक़ीन है कि वह इससे उबर जाएंगे। क्लास स्थायी है और फ़ॉर्म अस्थायी है।

राहुल ने स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी करवाई थी और इससे उबरने के दौरान कोरोना संक्रमित होने के कारण वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ टी20 सीरीज़ में भाग नहीं लिया था। एशिया कप के दौरान वह उपकप्तान के रूप में टीम में वापसी कर रहे हैं। जयवर्दना के अनुसार हाल में राहुल ने ज़्यादा क्रिकेट नहीं खेला है और यह उनके लिए नकारात्मक पक्ष साबित हो सकता है।

जयवर्धने ने इस संदर्भ में कहा, %क्रिकेट से इतने समय तक राहुल का दूर रहना भारतीय टीम के लिए चिंता का विषय है। उन्हें जितने जल्दी क्रिकेट खेलने का मिल जाए, उतना ही अच्छा है। यह राहुल और भारतीय टीम के लिए बहुत ज़रूरी है।

श्रीलंका के पूर्व कप्तान को लगता है कि भारत को एक बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज के साथ मैदान पर उतरना चाहिए। अगर राहुल प्रभावशाली वापसी नहीं करते हैं तो भारत को ऋषभ पंत के विकल्प के साथ जाना चाहिए। पंत ने जुलाई में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ टी20 सीरीज़ में दो बार ओपनिंग की थी। भले ही उन्होंने (पंत ने) घरेलू क्रिकेट में भी ज़्यादा बार ओपन नहीं किया है, लेकिन उनके पास सलामी बल्लेबाज़ी करने की क्षमता है। वह जहां भी बल्लेबाज़ी करें, आप उनके खेल को नहीं बदलने वाले हैं।

हार्दिक भविष्य में भारतीय टी20 टीम के कप्तान बनेंगे : स्टायरिस

मुम्बई। न्यूज़ीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर स्कॉट स्टायरिस का मानना है कि हार्दिक पांड्या के पास भारतीय टी20 अंतर्राष्ट्रीय टीम का कप्तान बनने के सभी गुण हैं। उन्हें लगता है कि भविष्य में हार्दिक को कप्तानी सौंपी जा सकती है।

स्पोर्ट्स18 के दैनिक खेल समाचार शो स्पोर्ट्स ओवर द टॉप पर बात करते हुए स्टायरिस ने हार्दिक के नेतृत्व पर बात की। उन्होंने कहा, यह एक दिलचस्प चर्चा है क्योंकि छह महीने पहले तक किसी ने इस बात की कल्पना भी नहीं की होगी। हालांकि हार्दिक ने सभी को प्रभावित किया हैं। फुटबॉल में चरित्र और व्यक्तित्व के खिलाड़ियों को अक्सर कप्तान बनाया जाता है ताकि उन्हें कुछ ज़िम्मेदारी दिखाने का मौक़ा मिले।

इसलिए मैं चाहता हूं कि हार्दिक पांड्या को भी टीम में नेतृत्व की ज़िम्मेदारी दी जाए, फिर चाहे वह वर्तमान समय में उपकप्तानी हो या भविष्य में कप्तानी।

पीठ की चोट से वापसी करते हुए हार्दिक ने आईपीएल में अपना जलवा बिखेरा। गुजरात टाइटंस की कप्तानी करते हुए उन्होंने अपने ऑलराउंड खेल और ज़बरदस्त नेतृत्व से टीम को पहले ही सीज़न में ख़िताब दिलाया। इसी फ़ॉर्म को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बरक़रार रखते हुए उन्होंने भारतीय एकादश में अपना स्थान मज़बूत किया है। उनके नेतृत्व कौशल को ध्यान में रखते हुए आयरलैंड दौरे पर उन्हें टी20 टीम का कप्तान बनाया गया था। इसके बाद वेस्टइंडीज़ दौरे पर सीरीज़ के अंतिम मुक़ाबले में भी उन्हें कप्तानी सौंपी गई थी।

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए स्टायरिस ने कहा, हार्दिक के पास निश्चित रूप से आज के खिलाड़ी का व्यक्तित्व है।

वह अपने कौशल का प्रदर्शन करना चाहते हैं और हर किसी को दिखाते हैं कि वे कितने अच्छे हैं।

सुदेवा की जीत में छेत्री की तिकड़ी

नयी दिल्ली। युवा खिलाड़ियों से सजे सुदेवा दिल्ली एफसी ने रॉयल रेंजर्स को 5 -3 से परास्त कर दिल्ली प्रीमियर लीग में एक बार फिर से अपना शीर्ष स्थान अर्जित कर लिया। मैच का आकर्षण रमेश छेत्री की शानदार तिकड़ी रही।आज यहां अंबेडकर स्टेडियम पर खेले गए दिन के दूसरे मुक़ाबले में तरुण संघा और हिंदुस्तान क्लब 1-1 से बराबर खेले।सुदेवा और रेंजर्स केबीच खेले गए उतार चढ़ाव वाले मुकाबले में स्तरीय खेल देखने को मिला लेकिन बाजी युवा टीम के हाथ लगी। प्लेयर ऑफ द मैच रमेश छेत्री के तीन गोलों के अलावा श्रीदर्थ और बासित अहमद ने एक एक गोल बांटे। पराजित टीम के गोल प्रशांत बर्मन, मिलिंद नेगी और सफीला डेली ने किए।

विश्व चैंपियनशिप : क्वार्टरफाइनल में सी यंग से भिड़ेंगी सिंधु

कुआला लंपुर। विश्व बैडमिंटन संघ (बीडब्ल्यूएफ) ने बुधवार को बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप की घोषणा करते हुए बताया कि पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु क्वार्टरफाइनल में कोरिया की आन सी-यंग का सामना करेंगी।

लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय को एक ही ड्रॉ में रखा गया है।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप का आयोजन टोक्यो में 21 से 28 अगस्त के बीच किया जाएगा। यह आयोजन पहली बार जापान में आयोजित हो रहा है। सिंधु को पहले दौर में बाई दिया गया है। उन्हें पहुंचने के लिये दूसरे दौर में एशियाई चैंपियन चीन की वांग ज़ी यी और क्वार्टरफाइनल में कोरिया की आन से यांग का सामना करना होगा।

उल्लेखनीय है कि दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु ने पांच बार कोरियाई खिलाड़ी का सामना किया है और पांचों बार उन्हें हार मिली है।

साइना नेहवाल को ड्रॉ के अंतिम हिस्से में रखा गया है और पहले दौर में उनका सामना हॉन्ग कॉन्ग की चियुंग न्यान यी से होगा। यदि वह पहले राउंड में जीत हासिल कर लेती हैं तो दूसरे राउंड में उनकी मुलाकात पूर्व विश्व चैंपियन नोज़ोमी ओकुहारा से होगी।

दूसरी ओर, पिछले सत्र के पुरुष सेमीफाइनल में मेडलिस्ट श्रीकांत, सेन और प्रणय को एक ही ड्रॉ में रखा गया है जिसका मतलब है कि उनमें से एक खिलाड़ी ही सेमीफाइनल तक का सफर तय करेगा।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के सिल्वर मेडलिस्ट श्रीकांत को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिये मलेशिया के ली ज़ी जिया की चुनौती का सामना करना होगा जबकि प्रणय का मुकाबला दूसरे राउंड में पूर्व चैंपियन जापान के कोंटो मोमोटा से होगा।

पिछली बार के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन पहले राउंड में डेनमार्क के एचके विटिंगस से भिड़ेंगे। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष जोड़ी को सेमीफाइनल तक पहुंचने के लिये मौजूदा विश्व चैंपियन तकारु होकी और योगु कोबायाशी से भिड़ना होगा, वहीं गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली की जोड़ी मलेशिया की लो यीन युआन और वैलेरी सिओ के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। बर्मिंघम 2022 खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली महिला जोड़ी दूसरे राउंड में मलेशिया की पर्ली टैन और थिनाह मुरलीधरन का सामना करेंगी, जो राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन भी हैं।

विश्व 2019 चैंपियन सिंधु 2021 में पदक से चूकने के बाद वापसी करना चाहेंगी। वह विश्व चैंपियनशिप में अब तक एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य सहित पांच पदक जीत चुकी हैं। शानदार फॉर्म में चल रही सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी भी अपना पहला विश्व चैंपियनशिप पदक तलाशेगी।

रूस के पास कम पड़े हथियार, यूक्रेन में युद्ध के लिए सीरिया के मंगा रहा सैन्य वाहन

मास्को। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण को करीब 6 महीने हो गए हैं। ऐसे में रूस के पास हथियारों की कमी देखने को मिली है। कुछ खुफिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि रूस अब यूक्रेन पर अपना हमला जारी रखने के लिए दूसरे देशों से हथियार खरीद रहा है। दुनिया के सबसे ताकतवर देशों में से एक रूस ने अन्य देशों की ओर रुख किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक व्यापारी जहाज को पिछले महीने के अंत में सीरिया से रूस जाते हुए देखा गया था। इस जहाज का नाम स्पार्टा II बताया जा रहा है। जहाज पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगाया हुआ है। यह सीरिया से रूस जाते वक्त तुर्की के बोस्फोरस जलडमरूमध्य से गुजरा था। स्पार्टा 2 पर नजर रखने वाले यूरोपीय खुफिया अधिकारियों का कहना है कि यूक्रेन में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के युद्ध को जारी रखने के लिए इससे सैन्य वाहनों को रूस ले जाया गया था। जहाज सीरिया से होते हुए काला सागर में स्थित रूस के नोवोरोसिस्क बंदरगाह पर गया था।

यूक्रेन युद्ध के बाद से अमेरिका और पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध

लगाए हैं। इन प्रतिबंधों के चलते रूस हथियारों की सप्लाई को आसानी से पूरा नहीं कर पा रहा है। हालांकि इस बीच यूक्रेन को अपनी रक्षा के लिए अमेरिका और यूरोप से अरबों डॉलर के हथियार मिले हैं। वहीं रूस को अग्रिम मोर्चों पर तैनात अपने सैनिकों को सपोर्ट करने के लिए अपने खुद के संसाधनों पर निर्भर होना पड़ा है। अमेरिकी अनुमानों के अनुसार, हजारों रूसी सैनिक मारे गए हैं या घायल हुए हैं और हजारों बख्तरबंद वाहन भी नष्ट हुए हैं।

यूरोपीय खुफिया रिपोर्टों पर सहमति जताते हुए मामले से परिचित एक अधिकारी ने कहा कि अमेरिकी सरकार का मानना है कि रूस सैन्य माल को काला सागर में ले जाने के लिए व्यापारी जहाजों का इस्तेमाल कर रहा है।

खुफिया अधिकारियों और ब्लूमबर्ग द्वारा देखी गई 17 से 25 जुलाई की सेटेलाइट तस्वीरों के अनुसार, स्पार्टा 2 निश्चित रूप से सीरिया के टार्टस बंदरगाह से सैन्य वाहनों को लाया था। बता दें कि टार्टस बंदरगाह रूस के नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि जहाज में किस प्रकार के वाहन थे। लेकिन जहाज को सीरिया में देखा गया था जिसमें वाहन भरे हुए थे। इसने सीरिया से होते हुए तुर्की के रास्ते रूस का सफर तय किया था। रिपोर्टों में कहा गया है कि इसमें कम से कम 11 वाहन थे जिन्हें रूस के नोवोरोसिस्यस्क में ऑफलोड किया गया था।

यह जहाज जिस कंपनी का है उस पर अमेरिका ने मई में प्रतिबंध लगाया था। समुद्री ट्रैकिंग डेटा से पता चला है कि जहाज को कोई और नहीं बल्कि रूसी रक्षा मंत्रालय कंट्रोल करता है। हालांकि इसमें चौंकाने वाली बात यह है कि जहाज तुर्की से होकर गुजरा जोकि खुद एक नाटो सदस्य देश है।

तुर्की ने 24 फरवरी को पुतिन के आक्रमण के तुरंत बाद युद्धपोतों के वास्ते अपने जलडमरूमध्य को बंद करने के लिए मॉन्ट्रो कन्वेंशन का हवाला दिया था। मॉन्ट्रो कन्वेंशन एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है जो तुर्की के बोस्पोरस और डार्डानेल्स जलडमरूमध्य को नियंत्रित करती है। हालांकि इससे कॉमर्शियल शिप गुजर सकते हैं। मामले से परिचित लोगों के अनुसार, रूस ने इस साल अन्य मौकों पर भी उसी मार्ग पर कंपनी, ओबोरोनोलॉजिस्टिका ओओओ से मालवाहक जहाजों का इस्तेमाल किया था। इसने अतीत में भी रूस से सीरिया के लिए कई बार सैन्य माल की ढुलाई की है।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने इस मामले पर तुर्की सरकार को सवाल भेजे हैं। इस मुद्दे से परिचित तुर्की के एक अधिकारी ने कहा कि एक व्यापारी जहाज की जांच केवल तभी की जाएगी जब कोई गुप्त सूचना या गलत काम करने का संदेह हो। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि क्या अमेरिका ने तुर्की के अधिकारियों के साथ स्थिति के बारे में बात की है। क्रेमलिन और ओबोरोनोलॉजिस्टिका ने टिप्पणी करने के अनुरोधों का तुरंत जवाब नहीं दिया।

जापानी मंत्रिमंडल विस्तार किया गया

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने प्रशासन को जनता का समर्थन नहीं मिलने की वजह बुधवार को अपने मंत्रिमंडल और सत्तारूढ़ दल लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की कार्यकारिणी में फेरबदल किया। नए बदलाव के अनुसार पूर्व रक्षा मंत्री यासुकाजु हमदा ने श्री नोबुओ किशी की जगह ली और फिर से रक्षा विभाग संभाल लिया है। विदेश मंत्री योशिमासा हयाशी, वित्त मंत्री शुनिची सुजुकी और मुख्य कैबिनेट सचिव हिरोकाजु मात्सुनो अपने पदों पर बने रहेंगे। इन लोगों को इनके पदों पर बनाए रखने के पीछे श्री किशिदा का उद्देश्य आर्थिक और राजनयिक मुद्दों को दबाने के लिए निरंतरता सुनिश्चित करना है।

कोरोना के बाद अब चीन में निकला लैंग्या वायरस, जानिए कितना खतरनाक

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का खात्मा अभी पूरी तरह नहीं हुआ कि चीन में एक और वायरस के मामले आने शुरू हो गए हैं। चीनी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस नए प्रकार के लैंग्या वायरस से चीन के शेडोंग और हेनान प्रांतों में लोगों को संक्रमित पाया गया है। अब एक्सपर्ट्स यह बताने में जुटे हैं कि चीन से निकला यह नया वायरस कितना खतरनाक है।

करीब 35 लोग संक्रमित मिले

दरअसल, लैंग्या वायरस चीन के शेडोंग और हेनान प्रांतों में पाया गया है। ताइपे टाइम्स के मुताबिक, यह जानवरों से इंसानों में फैल सकता है। ताइवान सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल के मुताबिक चीन में जूनोटिक लैंग्या वायरस मिला है। इससे करीब 35 लोग संक्रमित भी मिले हैं। ताइवान इस वायरस की पहचान और संक्रमण को मॉनिटर करने के लिए न्यूक्लिक एसिड टेस्टिंग मेथड शुरू करेगा।

फिलहाल ह्यूमन टू ह्यूमन ट्रांसमिशन नहीं

इतना ही नहीं रिपोर्ट्स में स्टडी के हवाले से बताया गया है कि वायरस में ह्यूमन टू ह्यूमन ट्रांसमिशन नहीं है। हालांकि अभी यह नहीं कहा जा सकता है कि यह वायरस इंसान से इंसान में नहीं फैल सकता। ताइवान सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल के उप महानिदेशक का कहना है कि अब तक घरेलू पशुओं पर किए गए सर्वेक्षण में बकरियों में दो फीसदी और कुत्तों में पांच फीसदी मामले पाए गए हैं। यह भी कहा गया कि 25 जंगली जानवरों की प्रजातियों पर किए गए परीक्षणों के परिणाम बताते हैं कि लैंग्या वायरस फैलने का मुख्य कारण क्या हो सकता है। न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में गुरुवार को प्रकाशित चीन में लैंग्या वायरस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन में एक नए वायरस की पहचान की गई है।

दक्षिण कोरिया में भारी बारिश से नौ मरे

सोल। दक्षिण कोरिया की राजधानी सोल और उसके आसपास के इलाकों में सोमवार से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण नौ लोगों की मौत हो गई और अन्य सात लापता हो गए हैं। योनहाप समाचार एजेंसी ने बुधवार को केंद्रीय आपदा और सुरक्षा प्रतिवाद मुख्यालय के हवाले से यह जानकारी दी। राजधानी सोल में आज सुबह तक 500 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गयी, जबकि राजधानी के पास ग्योंगी प्रांत के पश्चिमी बंदरगाह शहर इंचियोन और ग्योंगी प्रांत से सटे गैंगवान प्रांत में भी मूसलाधार बारिश हो रही है। देश में मूसलाधार बारिश से सोल में पांच, ग्योंगी में तीन और गैंगवान में एक व्यक्ति की मौत हो गयी हैं, जबकि सात लापता लोगों में से चार सोल से और तीन ग्योंगी से हैं। जबकि ग्योंगी में बारिश के कारण 17 लोग घायल हुए हैं। दक्षिण कोरिया में स्थित चीनी दूतावास के मुताबिक मृतकों में एक चीनी नागरिक भी है, जिसकी मौत कल सुबह 4:23 बजे ग्योंगी प्रांत के ह्वासोंग शहर में भूस्खलन के कारण हुई। एजेंसी के अनुसार 398 घरों के 570 लोग विस्थापित होकर शिविरों में शरण लिए हुए है जिनमें से अधिकांश सोल और ग्योंगी के रहने वाले हैं। जबकि पूरे देश में 724 घरों के 1253 लोगों को अस्थायी रूप से उनके निवास स्थानों से हटाया गया है।

ताइवान में सेना अथवा प्रशासक न भेजने के वादे से पीछे हटा चीन

बीजिंग। चीन ने ताइवान को वापस लेने के बाद सैनिकों या प्रशासकों को वहां नहीं भेजने का अपना वादा वापस ले लिया है। बुधवार को एक आधिकारिक दस्तावेज दिखाया गया है, जो राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा पहले से कम स्वायत्तता देने के फैसले का संकेत देता है। स्व-शासित ताइवान पर अपनी स्थिति पर चीन का श्वेत पत्र द्वीप के पास अभूतपूर्व चीनी सैन्य अभ्यास के दिनों का अनुसरण करता है, जिसे बीजिंग पिछले सप्ताह अमेरिकी हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी की यात्रा के विरोध में अपने क्षेत्र के रूप में दावा करता है। ताइवान ने चीन के संप्रभुता के दावों को खारिज किया, कहा कि द्वीप के लोगों को अपना भविष्य तय करना चाहिए और अपने लोकतंत्र की रक्षा करने का संकल्प लेना चाहिए। चीन ने 1993 और 2000 में ताइवान पर पिछले दो श्वेत पत्रों में कहा था कि वह एकीकरण प्राप्त करने के बाद 'ताइवान में रहने के लिए सैनिक या प्रशासनिक कर्मियों को नहीं भेजेगा।' ताइवान को यह आश्वस्त करने के लिए कि वह चीन का एक विशेष प्रशासनिक क्षेत्र बनने के बाद स्वायत्तता का आनंद लेगा, वह नवीनतम श्वेत पत्र में प्रकट नहीं हुआ। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने प्रस्तावित किया था कि ताइवान 'एक देश, दो प्रणाली' मॉडल के तहत अपने शासन में वापस आ सकता है, जिस फॉर्मूले के तहत हांगकांग की पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश 1997 में चीनी शासन में लौट आया था। यह लोकतांत्रिक रूप से शासित ताइवान को अपनी सामाजिक और राजनीतिक प्रणालियों को आंशिक रूप से संरक्षित करने के लिए कुछ स्वायत्तता प्रदान करेगा। 2000 के श्वेत पत्र में एक पंक्ति है जिसमें कहा गया था कि 'कुछ भी बातचीत की जा सकती है' जब तक ताइवान यह स्वीकार करता है कि केवल 'वन चीन' है और स्वतंत्रता की मांग नहीं करता है, वह भी नवीनतम श्वेत पत्र से गायब है।

द. कोरिया में कोरोना के एक लाख 51 हजार से अधिक नए मामले

सोल। दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस 151,792 नये मामले दर्ज किए जाने के बाद देश में संक्रमितों की कुल संख्या 2,08,45,973 तक पहुंच गयी है। यह जानकारी स्वास्थ्य अधिकारियों ने बुधवार को दी। कोरिया रोग नियंत्रण एवं रोकथाम एजेंसी (केडीसीए) के अनुसार यहां इससे एक दिन पहले संक्रमण के 1,49,897 मामले दर्ज किये गये थे। देश में ओमिक्रोन के नए स्वरूप में मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। दक्षिण कोरिया में पिछले एक सप्ताह से इस जानलेवा विषाणु के औसतन 1,13,400 नए मामले प्रतिदिन दर्ज किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक नए मामलों में से 615 विदेशों से आए लोग संक्रमित हैं। इसके साथ ही देश में विदेशों से आए कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 49,594 पहुंच गयी है। वर्तमान में जहां कुल कोरोना सक्रिय मामलों में से 402 मरीजों की हालत नाजुक बनी हुई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

उत्तराखंड की वह जगह जहाँ लंका दहन के बाद हनुमान जी ने बुझाई थी अपनी पूँछ की आग

देवभूमि कहा जाने वाला उत्तराखंड राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, खूबसूरत नज़ारों व इतिहास को लेकर दुनियाभर में मशहूर है। उत्तराखंड में कई प्राचीन पहाड़, गंगा-यमुना सहित कई खूबसूरत जगहें हैं। माना जाता है कि इन चोटियों पर देवी-देवताओं के कई रहस्य और कहानियां छिपी हुई हैं। ऐसी ही एक रहस्यमई चोटी उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित बंदरपूंछ ग्लेशियर में भी है। आइए जानते हैं इसके बारे में-

रामायण काल है संबंध

बंदरपूंछ का शाब्दिक अर्थ है - 'बंदर की पूंछ'। यह एक ग्लेशियर है जो उत्तराखंड के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित है। यह ग्लेशियर समुद्र तल से लगभग 6316 मीटर ऊपर स्थित है। इसका ग्लेशियर का संबंध रामायण काल से माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार जब लंकापति रावण ने भगवान हनुमान की पूंछ पर आग लगाई थी तो उन्होंने पूरी लंका में आग लगा दी थी। इसके बाद हनुमान जी ने इस चोटी पर ही अपनी पूंछ की आग बुझाई थी। इसी कारण इसका नाम बंदरपूंछ रखा गया। यही नहीं, यमुना नदी का उद्गम स्थम यमुनोत्री हिमनद भी बंदरपूंछ चोटी का हिस्सा माना जाता है।

बंदर पूंछ में तीन चोटियां हैं - बंदरपूछ 1, बंदरपूंछ 2 और काली चोटी भी स्थित है। यमुना नदी का उद्गम बंदरपुंछ सर्किल ग्लेशियर के पश्चिमी छोर पर है। बंदरपूंछ ग्लेशियर गंगोत्री हिमालय की रेंज में पड़ने वाला है। इस ग्लेशियर पर सबसे पहली चढ़ाई मेजन जनरल हैरोल्ड विलयम्स ने साल 1950 में की थी। इस टीम में महान पर्वतारोही तेनजिंग नोर्गे, सार्जेंट रॉय ग्रीनवुड, शेरपा किन चोक शेरिंग शामिल थे।

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने का सही समय

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए सबसे अच्छा समय मार्च से लेकर अक्तूबर का महीना माना गया है। वहीं, अगर आप यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो मई और जून का महीना बेस्ट रहेगा।

उठा सकते हैं ट्रैकिंग का लुत्फ

सैलानी यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ भी उठाते हैं। इस दौरान आप ट्रैकिंग के रास्ते पर बसंत ऋतु के कई फूल देख सकते हैं। इसके अलावा आपको कई जानवरों की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिल सकती है। बता दें कि बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए आपको देहरादून जाना पड़ेगा। वहां से आप उत्तरकाशी के लिए गाड़ी लेकर ग्लेशियर पहुँच सकते हैं।

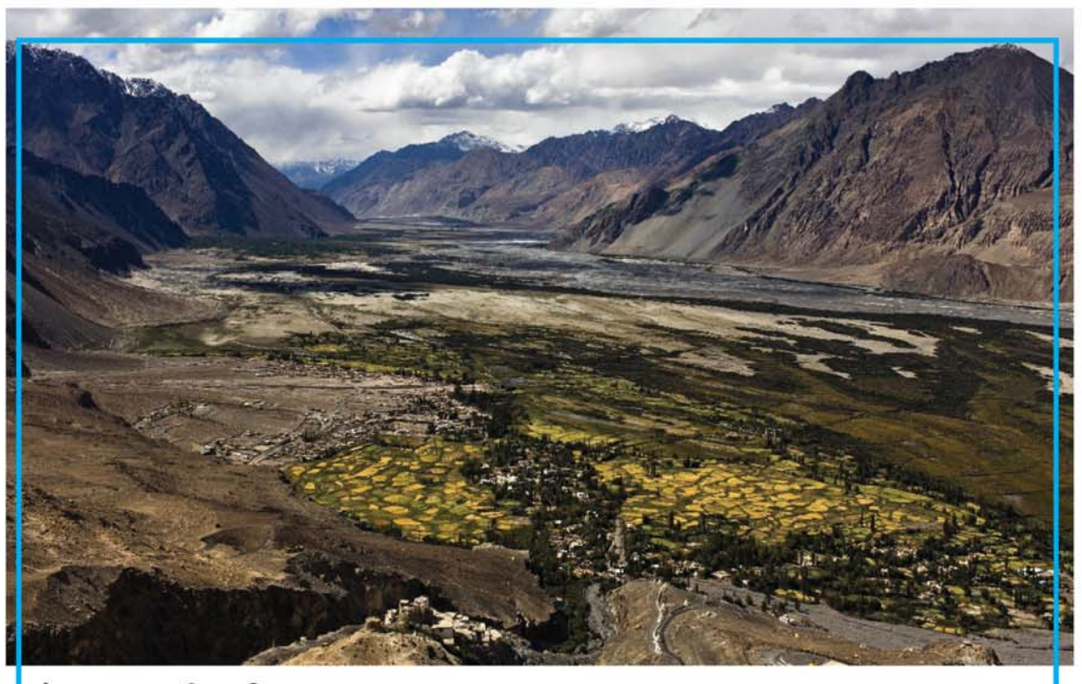

जंगली गुलाबों से सजी है लद्दाख की यह घाटी

खूब लुत्फ उठाते हैं देश-विदेश के पर्यटक

लेह-लद्दाख अपनी प्राकृतिक सुंदरता और खूबसूरती के लिए देश ही नहीं दुनियाभर में प्रसिद्ध है। लद्दाख को भारत का मुकुट कहा जाता है। लद्दाख में बहुत से पर्यटक स्थल हैं। आज हम आपको लद्दाख में स्थित नुब्रा घाटी के बारे में बताने जा रहे हैं। नुब्रा घाटी लद्दाख की ऊंची और खूबसूरत पहाड़ियों के बीच बसी है। देश ही नहीं दुनियाभर से लोग इस घाटी में घूमने आते हैं। आइए जानते हैं नुब्रा घाटी के बारे में-

लद्दाख के बाग के नाम से मशहूर है नुब्रा घाटी

नुब्रा घाटी लेह से 150 किमी की दूरी पर बसी एक आकर्षक और खूबसूरत घाटी है। नुब्रा का मतलब होता है - फूलों की घाटी। यह घाटी गुलाबी और पीले जंगली गुलाबों से सजी है। इसकी सुंदरता की वजह से नुब्रा घाटी को 'लद्दाख के बाग' के नाम से भी जाना जाता है। इस घाटी का इतिहास सातवीं शताब्दी ई। पूर्व पुराना है। इतिहासकारों के मुताबिक इस घाटी में चीनी और मंगोलिया ने आक्रमण किया था। नुब्रा घाटी श्योक और नुब्रा नामक दो नदियों के बीच में बसी है। यहां आकर आप एक अलग तरह की संस्कृति का अनुभव करेंगे। इस घाटी की रेत और आकर्षक पहाड़ियां यहाँ आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। सर्दियों में नुब्रा घाटी का मौसम काफी ठंडा रहता है इसलिए सर्दियों में यहाँ जाना थोड़ा मुश्किल होता है। यहाँ जाने के लिए सबसे सही समय मई से सितंबर तक रहता है।

नुब्रा घाटी का सफर

अगर आप नुब्रा घाटी जाना चाहते हैं तो आपको सड़क मार्ग से होकर जाना होगा। नुब्रा घाटी पहुंचने के लिए सबसे पहले आपको राष्ट्रीय मार्ग से खर्दुंग ला तक का सफर करना होगा, यह दुनिया का सबसे ऊँचा दर्रा है।। उसके बाद खर्दुंग गांव से होते हुए श्योक घाटी तक पहुँच सकते हैं। श्योक घाटी में बने घर और चारगाह पर्यटकों को खूब आकर्षित करते हैं। नुब्रा घाटी जाने से पहले यात्रियों को दो दिन के लिए लेह में रुकने की सलाह दी जाती है। एक बार जब यात्री यहां के वातावरण में ढल जाते हैं, तब नुब्रा घाटी के लिए आगे की यात्रा शुरू कर सकते हैं। नुब्रा घाटी तक की यात्रा में आपको ऐसी खूबसूरत सड़के मिलेंगी जो आपका दिल जीत लेंगी। नुब्रा घाटी के करीब पहुंचने पर रेत के टीलों के साथ सुनसान सड़क यहाँ आने वाले पर्यटकों का स्वागत करती हैं।

नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र 'डिस्किट'

डिस्किट को नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र कहा जाता है। यह गाँव बहुत ही सुंदर है। अगर आपको शांत वातावरण पसंद हैं तो आप डिस्किट से दस किलोमीटर दूर पश्चिम में हंडर की यात्रा कर सकते हैं। यहाँ के मैदानी इलाकों में आपको शांति और सुकून का अनुभव होगा। यहां आपको दो कूबड़ वाले ऊंट देखने को मिल सकते हैं। डिस्किट और हंडर में रुकने के लिए बहुत सारे होटल, होम स्टे, रिसॉर्ट और टेंट उपलब्ध हैं।

नुब्रा घाटी कैसे पहुंचे

जहाँ पहले परिवाहन की सुविधा ना होने के कारण लेह-लद्दाख जाना कठिन था, वहीं अब कुशोक बकुला रिम्पोछे एयरपोर्ट की वजह से दुनिया के किसी भी हिस्से से लेह जाना बेहद आसान हो गया है। आप दिल्ली से लेह के लिए फ्लाइट ले सकते हैं। इसके बाद आप मनाली और स्पीती के रास्ते निजी वाहन या बस से नुब्रा घाटी पहुँच सकते हैं।

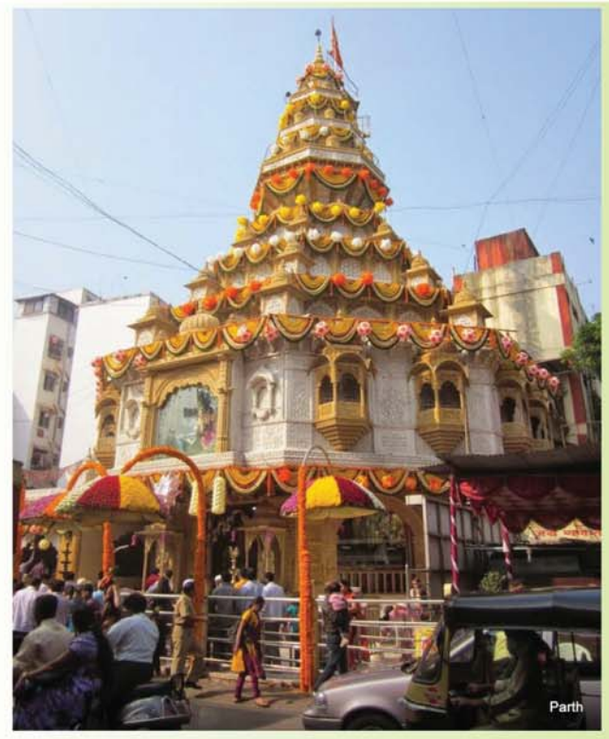

पुणे में घूमने के लिए हैं कई बेहतरीन जगहें, आप भी जाएं जरूर

महाराष्ट्र का सांस्कृतिक केंद्र कहा जाने वाला पुणे एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर हर किसी को एक बार अवश्य जाना चाहिए। यहां पर आपको कई ऐतिहासिक स्मारक देखने को मिलेंगे तो इस क्षेत्र की आध्यात्मिक महत्ता भी कम नहीं है। अगर आप वीकेंड पर अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी से एक ब्रेक चाहते हैं तो आपको पुणे घूमकर आना चाहिए। यकीन मानिए कि यह स्थान आपको कभी भी निराश नही करेगा। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुणे में स्थित कुछ बेहतरीन प्लेसेस के बारे में बता रहे हैं-

शनिवार वाडा

जब पुणे में घूमने की जगहों की बात होती है तो उसमें शनिवार वाडा का नाम सबसे पहले लिया जाता है। यह महल बाजीराव पेशवा प्रथम द्वारा बनाया गया था। महल में पांच द्वार, नौ बुर्ज, लकड़ी के खंबे और जाली का काम किया है। इस महल के साथ कई कहानियां जुड़ी हुई हैं, जिसके कारण लोग इस जगह पर आते हैं और एक अद्भुत अनुभव प्राप्त करते हैं।

आगा खान पैलेस

अगर आप एक इतिहास प्रेमी हैं, तो आपको एक बार इस जगह पर अवश्य जाना चाहिए। 1892 में सुल्तान मोहम्मद शाह आगा खान III द्वारा निर्मित, यह महल भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं का गवाह है। आगा खान पैलेस अकाल से पीड़ित स्थानीय लोगों के बचाव करने से लेकर महात्मा गांधी, उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी, महादेव देसाई और सरोजिनी नायडू की कैद और महादेव देसाई और कस्तूरबा गांधी की मृत्यु का एक चश्मदीद गवाह है। मुख्य महल को अब महात्मा राष्ट्रीय स्मारक में बदल दिया गया है, जहां महात्मा गांधी के जीवन को प्रदर्शित करने वाली तस्वीरें और पेंटिंग रखी गई हैं।

दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर

यह मंदिर ना केवल पुणे बल्कि महाराष्ट्र में सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। मंदिर हिंदू भगवान गणेश को समर्पित है और इसका निर्माण दगडूशेठ हलवाई द्वारा करवाया गया था। यह मंदिर इतना लोकप्रिय है कि देश के साथ-साथ दुनिया भर से लोग इसे देखने आते हैं। इस मंदिर में यूं तो हमेशा ही एक अलग चहल-पहल रहती है, लेकिन गणेश महोत्सव के समय यहां का नजारा बस देखते ही बनता है।

पार्वती हिल

पार्वती हिल पुणे में घूमने की बेहतरीन जगहों में से एक है। पार्वती हिल शहर के दक्षिणी छोर पर स्थित है। पहाड़ी में शिव, गणेश, विष्णु और कार्तिकेय के चार प्रमुख मंदिर हैं। यहां के प्रमुख मंदिर को पार्वती मंदिर कहा जाता है, जो कभी पेशवा शासकों का एक निजी मंदिर था। आगंतुकों को यहां पहुंचने के लिए 108 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। अगर आप यहां हैं तो आपको पार्वती संग्रहालय अवश्य देखना चाहिए क्योंकि इसमें प्राचीन चित्रों और पांडुलिपियों की प्रतिकृतियां हैं।

टीपू सुल्तान का किला: अवशेष सुनाते हैं बुलंदियों की गाथा

भारत के मुस्लिम स्थापत्य में कर्नाटक राज्य में बेंगलुरू में टीपू सुल्तान उर्फ बेंगलुरू का किला अपना विशेष महत्व रखता है। एक समय में यह भव्य और ऐतिहासिक किला दक्खन के मजबूत किलों में शुमार था और पूरी भव्यता के साथ मौजूद था। विडम्बना ही कह सकते हैं कि इस किले के आज कुछ अवशेष ही शेष रह गए हैं। अवशेष भी किले की भव्यता को बताते हैं और सैलानियों को लुभाते हैं।

यह किला लगभग एक किमी लम्बाई में बना था जो दिल्ली गेट से वर्तमान केआईएमएस परिसर तक फैला हुआ था। सुरक्षा की दृष्टि से किला पानी की चौड़ी खाइयों से घिरा हुआ था। किले की प्राचीर में 26 बुर्जों की कमान थी जी चारों तरफ से महल की रक्षा करते थे। किला असामान्य अंडाकार आकार में था और किले को तोड़ने और कब्जा करने के प्रयास में लॉर्ड कॉर्नवालिस और उनकी सेना द्वारा की गई क्षति के दृश्य चिह्नों के साथ मोटी दीवारों द्वारा संरक्षित किया गया है।

किले की विशिष्ट विशेषताओं में से एक तीन विशाल लोहे के घुंडी वाला एक लंबा द्वार है। दीवारों पर कमल, मोर, हाथियों, पक्षियों और अन्य विस्तृत रूपांकनों की नक्काशी दर्शनीय है। मोटी लैटराइट दीवारें सभी को लुभाती हैं। टीपू के किले को पालक्काड फोर्ट भी कहा जाता है। किला कभी एक महत्वपूर्ण सैन्य छावनी हुआ करता था। आज यह किला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित है। यह स्थल पालक्काड आने वाले सभी पर्यटकों का एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है।

समर पैलेस

अल्बर्ट विक्टर रोड और कृष्णा राजेंद्र के केंद्र में स्थित किले के मध्य बना 'समर पैलेस' इंडो-इस्लामिक वास्तुकला का सुंदर नमूना है। इसे मैसूर के सुल्तान हैदर अली ने बनवाना शुरू किया और टीपू सुल्तान ने उसको 1791 में पूरा करवाया। महल के भव्य मेहराब और कोष्ठक इस्लामी प्रभाव को दर्शाते हैं, जबकि स्तंभों के चारों ओर स्थित कोष्ठक प्रकृति में भारतीय हैं। दुमंजिली इमारत की पहली मंजिल पर चार कोनों पर स्थित 4 शाही कमरे, एक बड़ा हॉल, कक्ष और दो बालकनी हैं जहाँ से सुल्तान अधिकारियों को संबोधित करते थे और अपना राज दरबार आयोजित करते थे।

महल एक मजबूत पत्थर के चबूतरे पर बना है और इसमें उत्कृष्ट नक्काशीदार लकड़ी के खंभे हैं जो पत्थर के आधार पर टिके हुए हैं। यह पेलेस गहरे भूरे रंग में सागौन की लकड़ी से बना खूबसूरत रचना है। इस्लामी कला महल के आंतरिक भाग में 'आनंद का निवास' शिलालेखों के साथ सजा है। आंतरिक भाग में लोग टीपू सुल्तान से जुड़े इतिहास के बारे में जानकारी दी गई है। दीवारों पर पेंटिंग और भित्ति चित्र सुल्तान की बहादुरी और शख्सियतों की कहानियों का वर्णन करते हैं। प्रत्येक छोर पर महल के रंगीन अंदरूनी और दीवारों को देख सकते हैं। ये कभी रत्नों से आच्छादित थे जिन्हें बाद में हटा दिया गया। यहां सुल्तान द्वारा उपयोग किए जाने वाले हथियारों, रॉकेट तकनीक की पूर्णता और उनके कुछ अन्य उपकरणों की एक झलक देखने को मिलती है। उनके टाइगर सिंहासन के चित्र दीवारों पर सुशोभित हैं। भव्य महल का उपयोग राजा द्वारा गर्मियों में किया जाता था और इसे 'एबोड ऑफ हैपीनेस' और 'रैश ए जन्नत' अर्थात 'स्वर्ग की ईर्ष्या' के रूप में जाना जाता है।

संग्रहालय

किले के एक हिस्से में संग्रहालय बना दिया गया है जिसमें पशु-पक्षियों के माडल, मुद्राएं, अस्त्र-शस्त्र, पोशाक, पुराने बर्तन आदि को प्रदर्शित किया गया है। वर्तमान में वर्तमान में दिल्ली गेट और दो गढ़ों के अवशेष और टीपू सुल्तान का समर पेलेस ही शेष रह गए हैं।

स्वर्णिम पृष्ठभूमि

ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार किले को शुरुआत में 1537 ई. में विजयनगर साम्राज्य के प्रमुख और बेंगलुरू के संस्थापक केम्पे गौड़ा द्वारा मिट्टी के किले के रूप में बनाया गया था। गौड़ा का एक ऐसा शहर बनाने का सपना था जो हम्पी जैसा सुंदर हो और एक किला, मंदिरों, तालाबों या जल जलाशयों और एक छावनी के साथ एक राजधानी शहर हो। इसलिए गौड़ा ने एक आकर्षक किला बनाया और इसे मिट्टी से मजबूत किया। मुगलों ने 1687 ई. में बैंगलुरू शहर पर कब्जा कर लिया और इसे 1689 ई. में मैसूर के तत्कालीन राजा चिक्का देवराज वोडेयार को पट्टे पर दे दिया, जिन्होंने मौजूदा किले का और विस्तार किया। लगभग 100 साल बाद महान योद्धा टीपू सुल्तान के पिता हैदर अली द्वारा 1781 ई. में किले को पुनर्निर्मित और मजबूत किया गया और टीपू सुल्तान द्वारा पूर्ण किया गया। वर्ष 1791 ई.लॉर्ड कॉर्नवालिस के नेतृत्व में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा किले पर हमला किया गया था, जिसमें लगभग 2,000 लोग मारे गए थे। खूनी लड़ाई के बाद, ब्रिटिश सेना ने महल पर कब्जा कर लिया। अंग्रेजों का किले पर कब्जा होने के बाद उन्होंने ने इसे तोड़ना शुरू कर दिया, यह प्रक्रिया 1930 के दशक तक जारी रही। प्राचीर और दीवारों को तोड कर सड़कों के लिए रास्ता बनाया, जबकि शस्त्रागार, बैरक और अन्य पुराने भवनों को तोड कर कॉलेजों, स्कूलों, बस स्टैंडों और अस्पतालों के लिए रास्ता बनाया। नवंबर 2012 में मेट्रो निर्माण स्थल पर श्रमिकों ने टीपू सुल्तान के समय की तोपों के साथ एक-एक टन वजन वाली 2 विशाल लोहे की तोपों का पता लगाया।

पर्यटक आते हैं यहां

महल के आस-पास के बगीचों में आराम कर सकते हैं। लोग यहां शांति और सुकून से टहलने और जॉगिंग करने आते हैं। किला देखने के लिए निर्धारत शुल्क लगता है तथा किले के इतिहास और घटनाओं को जानने के लिए गाइड सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यह पर्यटकों के लिए प्रतिदिन सुबह 8:30 से शाम 5:30 तक खुला रहता है। पर्यटक बड़ी संख्या में इसे देखने आते हैं। बेंगलुरू देश के सभी बड़े शहरों से हवाई एवं रेल सेवाओं से जुड़ा है। कर्नाटक राज्य के सभी स्थलों से बस सेवाएं उपलब्ध हैं।